NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

लखनऊ से प्रकाशित

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

वर्षः 13 अंकः 140 लखनऊ, मंगलवार 02 जनवरी 2024 मूल्यः 02 रुपये पृष्ठ- 08

राम मंदिर को लेकर मंगलवार को बीजेपी की बड़ी बैठक, नड्डा और अमित शाह रहेंगे मौजूद

संवाददाता।

अयोध्या राम मंदिर आंदोलन और मंदिर निर्माण में पार्टी की भूमिका पर प्रकाश डालने वाली एक पुस्तिका जारी की जाएगी और इस साल होने वाले लोकसभा चुनावों से पहले नए मतदाताओं से जुड़ने के लिए बूथ स्तर के कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।भाजपा 22 जनवरी को होने वाले राम मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह के सिलसिले में मंगलवार को पार्टी नेताओं की बैठक करेगी। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और हर राज्य से पार्टी के दो–दो पदाधिकारी शामिल होंगे। सूत्रों ने पुष्टि की थी कि भाजपा ने इस साल होने वाले लोकसभा चुनावों में वोट हासिल करने के लिए अपने चुनाव अभियान में राम मंदिर अभिषेक समारोह के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व का लाभ उठाने के लिए एक विस्तृत योजना तैयार की है। राम मंदिर आंदोलन और मंदिर निर्माण में पार्टी की भूमिका पर प्रकाश डालने वाली एक पुस्तिका जारी की जाएगी और इस साल होने वाले लोकसभा चुनावों से पहले नए मतदाताओं से जुड़ने के लिए बूथ स्तर के कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। अपने चुनाव अभियान के दौरान, भाजपा इस बात पर भी प्रकाश डालेगी कि कैसे विपक्षी दलों ने मंदिर के निर्माण में बाधा डालने का प्रयास किया। भाजपा ने राम मंदिर से संबंधित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों में भाग लेने और समर्थन देने का भी वादा किया है। विशेष रूप से, मंदिर का पहला चरण पूरा होने वाला है, और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी 22 जनवरी को राम लला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा में भाग लेंगे। पारंपरिक नागर शैली में निर्मित मंदिर परिसर 380 फीट लंबा (पूर्व–पश्चिम दिशा), 250 फीट चौड़ा और 161 फीट ऊंचा होगा। मंदिर की प्रत्येक मंजिल 20 फीट ऊंची होगी और इसमें कुल 392 खंभे और 44 द्वार होंगे। अयोध्या में भगवान राम के मंदिर में प्राणप्रतिष्ठा की रस्म आगामी 22 जनवरी को दोपहर 12 बजकर 20 मिनट पर होगी। राम मंदिर का निर्माण करा रही संस्था श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चम्पत राय ने सोमवार को संवाददाताओं से बातचीत में कहा, प्राणप्रतिष्ठा दोपहर 12 बजकर 20 मिनट पर होगी।

नव्य,भव्य और दिव्य विश्वनाथ धाम में साल के पहले दिन श्रद्धालुओं की उमड़ी जबरदस्त भीड़

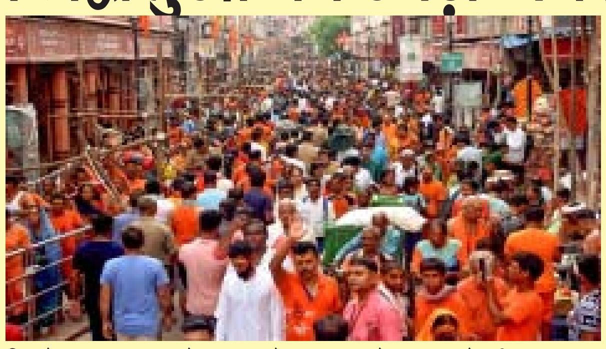

संवाददता।

बनारस मंगला आरती के बाद कपाट खुलने के साथ ही हर हर महादेव के उद्घोष के साथ दर्शन का क्रम जारी हुआ, जो देर रात कपाट बंद होने तक चलता रहा है। साल के पहले ही दिन बाबा के धाम में 5.90 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किया।धर्म की नगरी काशी धार्मिक पर्यटन का केंद्र बनती जा रही है। नव्य,भव्य और दिव्य विश्वनाथ धाम में साल के पहले दिन श्रद्धालुओं की जबरदस्त भीड़ उमड़ी। मंगला आरती के बाद कपाट खुलने के साथ ही हर हर महादेव के उद्घोष के साथ दर्शन का क्रम जारी हुआ, जो देर रात कपाट बंद होने तक चलता रहा है। साल के पहले ही दिन बाबा के धाम में 5.90 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किया। वहीं पिछले साल 2023 में साल के पहले दिन 5 लाख भक्त विश्वेश्वर के दरबार पहुंचे थे। मंदिरों के अलावा घाटों पर भी सैलानियों का हुजूम देखने को मिला। नए साल पर पर्यटकों की भीड़ के अनुमान के मुताबिक योगी सरकार के निर्देश पर भक्तों के सुगम दर्शन और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गए थे। नए वर्ष में भगवान शिव का आशीष पाने के लिए श्रद्धालुओं ने बाबा के दरबार में शीश नवाया। आंग्ल नववर्ष के पहले दिन श्री काशी विश्वनाथ धाम में पर्यटकों की कतार लगी रही। श्री काशी विश्वनाथ धाम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुनील वर्मा ने बताया कि 2024 वर्ष के पहले दिन 5 लाख 90 हजार (शाम 5 बजे तक) श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में हाजिरी लगाए है। सुबह 9 बजे तक 2.50 लाख और दोपहर दो बजे तक 4.60 लाख लोग बाबा के दर्शन पा चुके थे। अनुमान है बाबा के कपाट बंद होने तक 8 लाख श्रद्धालु दर्शन कर लेंगे। जो अपने आप रिकॉर्ड होगा, उन्होंने बताया कि बाबा के दरबार में भक्तों की बड़ी संख्या के आने का अनुमान पहले से था। श्रद्धालुओं को दर्शन करने में कोई समस्या ना हो, इसके लिए मंदिर प्रशासन पहले से मुस्तैद था। नमो घाट पर पर्यटकों की भारी भीड़ सुबह–ए–बनारस से दिन की शुरुआत करते हुए पर्यटकों ने नौका विहार व घाटों का आनंद लिया। पर्यटन का नया केंद्र बना नमो घाट पर भी कॉफी भीड़ रही। काशी के विकास की गाथा सुन पर्यटक की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, जिसका सीधा लाभ वाराणसी और आसपास के लोगों के व्यापार को मिल रहा है।

धौलपुर प्रीमियर लीग शुरू, क्रिकेटर दीपक चाहर ने किया उद्घाटन।

धौलपुर राजस्थान। इंदिरा गांधी स्टेडियम में धौलपुर प्रीमियर लीग का उद्घाटन करने के लिए इंटरनेशनल क्रिकेटर दीपक चाहर पहुंचे। प्रीमियर लीग का आयोजन कर रहे प्रबंधक लक्ष्मीनारायण के साथ आमिर हुसैन ने उनका स्वागत किया। प्रीमियर लीग का उद्घाटन करते हुए क्रिकेटर दीपक चाहर ने टूर्नामेंट के अंत में दी जाने वाली ट्रॉफी का भी अनावरण किया। इस मौके पर भारतीय टीम के तेज गेंदबाज दीपक चाहर ने बताया कि इस तरह के टूर्नामेंट में खिलाड़ियों के सामने विषम परिस्थितियां होती हैं। इन विषम परिस्थितियों में खेलकर खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करता है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 से वर्ष 2023 तक धौलपुर जिले का क्रिकेट ग्राउंड पूरी तरह से बदल गया है। दीपक चाहर पूर्व में वर्ष 2017 में धौलपुर में क्रिकेट खेल चुके हैं। जिनका धौलपुर जिले की क्रिकेट टीम की ओर से ही चयन हुआ था। जिले में आयोजित टूर्नामेंट में 10 टीमें भाग ले रही हैं। जिनके खिलाड़ियों को खरीदने के लिए आईपीएल की तर्ज पर खरीददारी कराई गई थी। टूर्नामेंट का उद्घाटन करने के बाद क्रिकेटर दीपक चाहर अफगानिस्तान के लिए खेले जाने वाले टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए रवाना हो गए। टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह में क्रिकेटर दीपक चाहर के स्वागत के लिए क्रिकेट संघ के पूर्व सचिव सोमेन्द्र तिवारी के साथ क्रिकेटर राहुल राणा, विनोद तिवारी और क्रिकेट प्रेमी मौजूद रहे।

नई शिक्षा नीति का क्रियान्वयन लागू करे सरकार - सूतैल

विगत सरकार ने शिक्षा को मकड़ जाल में उलझा दिया। धौलपुर राजस्थान ।भारतीय शिक्षण मण्डल ने राज्य के नए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को बधाई देते हुए शिक्षा के क्षेत्र में नई शिक्षा नीति का क्रियान्वयन लागू करने के लिए पत्र लिखा है। मण्डल के जिलाध्यक्ष मुकेश सूतैल ने बताया कि राज्य को सुशासन की ओर अग्रसर करने में नई सरकार के लिए बहुत चुनौतियां हैं, परन्तु नई सरकार सुशासन की बुलंदियों को छूएगा ऐसा प्रत्येक राजस्थानी को पूर्ण विश्वास है। उन्होंने बताया कि राज्य में सर्वाधिक महत्वपूर्ण विषय शिक्षा है,विशेष कर प्रारंभिक शिक्षा। विगत सरकार ने स्कूली शिक्षा को केवल आंकड़ों के मकड़ जाल में उलझा कर रख दिया था। वास्तव में ज्ञान प्राप्ति और व्यक्तित्व निर्माण का माध्यम शिक्षा, बहुत कम रह गई है। इस पर विचार होना चाहिये। यह विश्लेषण का विषय है कि कैसे विद्यालय में विद्या प्राप्ति गौण हो गई और अन्य बातें प्रमुख हो गई। शिक्षकों के बहुत बड़ी संख्या में रिक्त पद भी इस स्थिति लिए जिम्मेदार है। समुदाय का जुड़ाव राजकीय विद्यालयों से औपचारिक और नगण्य है। आने वाले समय में शिक्षा के स्तर को सुधारने के काम को सर्वोच्च प्राथमिकता देने होगी। राजकीय विद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देना होगा। राजकीय विद्यालय में अधिकांशतया साधारण एवं निर्धन परिवारों के बच्चे पढ़ते हैं। इन बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, केवल इन्हें निखारने की और उन्हें समुचित मार्गदर्शन की आवश्यकता है। यह काम राजकीय विद्यालयों के शिक्षकों द्वारा भलीभांति किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि विगत सरकार द्वारा अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा देने वाले राजकीय विद्यालय खोलने का निर्णय किसी भी प्रकार से उचित नहीं है। उपयुक्त होगा यदि इस निर्णय पर पुनर्विचार कर अंग्रेजी को माध्यम के रूप में विद्यालयों की शिक्षा में नहीं रखा जाए। अंग्रेजी भाषा पर नियंत्रण विद्यार्थियों का जरूर होना चाहिए ताकि आगे चलकर उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। अंग्रेजी भाषा को राजकीय विद्यालयों में पढ़ाई का माध्यम बना लेना विद्यार्थियों के लिए बहुत अहितकारी सिद्ध हुआ है। जबकि भारत सरकार की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी प्रारंभिक कक्षाओं में स्थानीय मातृ भाषा में पढ़ाने पर बल देती है। इसी प्रकार विद्यालयों में आधारभूत भौतिक सुविधाओं का अभाव होते हुए भी पूर्ववर्ती सरकार ने राज्य के अधिकांश प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों को उच्च माध्यमिक विद्यालयों में क्रमोन्नत कर दिया है। उन्होंने बताया कि जिन विद्यालयों में जहां 1 या 2 कक्षा कक्ष हैं, वहां कैसे 12 तक के विद्यार्थी अध्ययन कर सकेंगे ? उन्होंने मांग की है कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार राज्य में शिक्षा के ढांचे में बदलाव कर राष्ट्रीय शिक्षा नीति पूरी तरह से लागू की जाए जिससे शिक्षक और शिक्षार्थी सहित समाज लाभान्वित हो सके।

राजस्थान कभी सीएम की रेस में सबसे आगे थे बालकनाथ, पर भजन कैबिनेट में मंत्री भी नहीं बन पाए, जानें कारण

एजेंसी

नई दिल्ली चुनाव जीतने वाले ज्यादातर सांसदों को भाजपा ने मंत्री बनाकर एडजस्ट कर दिया। लेकिन बालकनाथ मंत्री पद की भी रेस में पीछे रह गए। दरअसल, माना जा रहा है कि बालकनाथ जातिगत समीकरणों में फिट नहीं बैठ रहे थे। महंत बालकनाथ यादव जाति से आते हैं। राजस्थान विधानसभा चुनाव के नतीजे जब भाजपा के पक्ष में आए, तो एक नाम की चर्चा खूब हो रही थी। वह नाम था बालक नाथ का। एग्जिट पोल में बालकनाथ को मुख्यमंत्री पद के लिए भाजपा में सबसे लोकप्रिय चेहरा बताया गया था। संसद परिसर में विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी ने भी उन्हें भावी मुख्यमंत्री बता दिया था। जब तक राजस्थान में भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री पद के लिए विधायक दल की बैठक में नेता नहीं चुना गया था, तब तक बालकनाथ का नाम सबसे ज्यादा सुर्खियों में रहा। बालकनाथ सांसद थे। लेकिन विधानसभा चुनाव में उन्हें मैदान में उतारा गया था। उन्होंने जबरदस्त तरीके से जीत हासिल की थी। हालांकि लगातार मुख्यमंत्री के दौर में चर्चित चेहरों में सुमार बालकनाथ को भजनलाल सरकार में कैबिनेट मंत्री में भी जगह नहीं मिली। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर बालकनाथ के साथ ऐसा क्यों हुआ? चुनाव जीतने वाले ज्यादातर सांसदों को भाजपा ने मंत्री बनाकर एडजस्ट कर दिया। लेकिन बालकनाथ मंत्री पद की भी रेस में पीछे रह गए। दरअसल, माना जा रहा है कि बालकनाथ जातिगत समीकरणों में फिट नहीं बैठ रहे थे। महंत बालकनाथ यादव जाति से आते हैं। बीजेपी का आधार इस जाति में कमजोर माना जाता है। मध्य प्रदेश में मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने दांव खेल दिया था। वैसे भी बालकनाथ की पहचान एक महंत के रूप में ज्यादा थी। इसलिए जातिगत समीकरण उनके पक्ष में नहीं पहुंचा। दूसरा बड़ा कारण यह भी रहा कि वह महंत समाज से आते हैं। इस बार भाजपा की ओर से तीन संत–महंत विधानसभा में चुनाव जीतकर पहुंचे हैं। ऐसे में अगर बाल नाथ को मंत्री बनाया जाता तो संत समाज से आने वाले दो अन्य विधायकों को भी बड़ी जिम्मेदारी देनी पड़ती। अगर भाजपा ऐसा करने में कामयाब नहीं हो पाती तो कहीं ना कहीं उसके लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती थी। शायद इस वजह से भी बालकनाथ को मंत्री पद से दूर रखा गया। वैसे भी जिस नाथ संप्रदाय से बालकनाथ आते हैं, इस संप्रदाय से योगी आदित्यनाथ है तो पहले से ही उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य के मुख्यमंत्री हैं। ऐसे में इस संप्रदाय के नाराज होने का खतरा भी नहीं था। बालकनाथ की लोकप्रियता लगातार बढ़ती हुई जा रही थी जिसकी वजह से उनके मंत्री पद को लेकर भी संभावनाएं खत्म होती रही। भाजपा आलाकमान को शायद यह भी लगा होगा कि भजनलाल से फोकस शिफ्ट होकर बालकनाथ की ओर जा सकता है जोकि मुख्यमंत्री के लिए असहज करने वाला भी बन सकता है। शायद इस वजह से भी उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया।

राम मंदिर 500 साल संघर्ष का परिणाम, साध्वी ऋतंभरा ने कहा- सभी को राजनीति छोड़कर निमंत्रण पर आना चाहिए

एजेंसी

नई दिल्ली साध्वी ने कहा कि जो भाग्यशाली हैं उन्हें भव्य समारोह का हिस्सा बनने का अवसर मिलेगा। अगर भगवान ने हमें चुना तो यह बहुत बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि भारतीयों की हर सांस में राम बसे हैं। विध्वंसकों के खिलाफ हमारे संकल्प की जीत हुई है।राम जन्मभूमि आंदोलन के प्रमुख चेहरों में से एक, साध्वी ऋतंभरा ने अयोध्या में राम मंदिर के अभिषेक के ऐतिहासिक क्षण के करीब आने पर खुशी व्यक्त की। 22 जनवरी को अयोध्या में ऐतिहासिक कार्यक्रम होगा। उन्होंने कहा कि मैं ईश्वर को धन्यवाद देती हूं और उन पूर्वजों को याद करूंगी जिन्होंने 500 वर्षों तक संघर्ष किया। कार सेवकों के बलिदान, पार्टी कार्यकर्ताओं के संघर्ष, संतों के आशीर्वाद और सबसे महत्वपूर्ण देश के राजनीतिक माहौल के कारण हम अपने सपने को साकार होते देख सकते हैं। साध्वी ने कहा कि जो भाग्यशाली हैं उन्हें भव्य समारोह का हिस्सा बनने का अवसर मिलेगा। अगर भगवान ने हमें चुना तो यह बहुत बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि भारतीयों की हर सांस में राम बसे हैं। विध्वंसकों के खिलाफ हमारे संकल्प की जीत हुई है। भारत की आस्था पर कई हमले हुए हैं। उन्होंने कहा कि वे (हिंदू कार्यकर्ता) सरयू के जल की शपथ लेकर आगे बढ़े थे और आंदोलन शुरू होने पर राम मंदिर के लिए हर कीमत चुकाने की कसम खाई थी। उन्होंने कहा कि किसी भी उपलब्धि के लिए एक कीमत चुकानी पड़ती है। कर्नाटक में बाबरी समर्थकों ने मुझ पर हमला किया। मेरे गुरुदेव, संतों और

महंतों के सहयोग से मैं मजबूत हुई। सभी को राजनीति छोड़कर निमंत्रण पर मंदिर आना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदू मिथक की तरह पहले जहर निकला और अब अमृत निकल रहा है। मुझे बहुत अपमान सहना पड़ा और देश–विदेश में मेरे साथ आतंकवादी जैसा व्यवहार किया गया। मुझे 8–10 घंटे तक एयरपोर्ट पर रोका गया। हमारे कानूनी दस्तावेज जब्त कर लिये गये। ऋतंभरा ने कहा कि राम आंदोलन को उसके लक्ष्य तक ले जाने का संकल्प है। हिंदू कार्यकर्ता ने कहा, कार सेवकों ने मंदिर के लिए खून का बलिदान दिया है और लोगों के समर्थन ने असंभव को संभव बना दिया है। उन्होंने कहा कि संघर्ष खत्म हो गया है, सभी को नफरत भुलाकर एक साथ आना चाहिए। रामजी सिर्फ बीजेपी के नहीं बल्कि सबके हैं। यह उनका सौभाग्य है कि भाजपा राम आंदोलन की समर्थक बनी। जनता ने भाजपा को आशीर्वाद दिया है।

संघर्ष के लंबे इतिहास को देखते हुए फैसले पर एक राय बनी, राम मंदिर केस को लेकर सीजेआई चंद्रचूड़ की अहम टिप्पणी

एजेंसी नई दिल्ली 9 नवंबर, 2019 को तत्कालीन सीजेआई रंजन गोगोई के नेतृत्व वाली पांच–न्यायाधीशों की पीठ ने एक सदी से भी अधिक समय से चले आ रहे एक विवादास्पद मुद्दे का निपटारा किया। सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक अयोध्या फैसले के चार साल से अधिक समय बाद भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि विवादित स्थल पर एक ट्रस्ट द्वारा राम मंदिर के निर्माण के पक्ष में फैसला सुनाने वाले पांच न्यायाधीशों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया था कि फैसला किसने लिखा है, उसका उल्लेख नहीं होगा। 9 नवंबर, 2019 को तत्कालीन सीजेआई रंजन गोगोई के नेतृत्व वाली पांच–न्यायाधीशों की पीठ ने एक सदी से भी अधिक समय से चले आ रहे एक विवादास्पद मुद्दे का निपटारा किया। पीठ ने राम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया और फैसला सुनाया कि उत्तर प्रदेश के पवित्र शहर अयोध्या में एक मस्जिद के लिए वैकल्पिक पांच एकड़ का भूखंड आवंटित किया जाएगा। अयोध्या मामले पर जजों ने सर्वसम्मति से लिया फैसला समाचार एजेंसी पीटीआई के साथ एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में संविधान पीठ में शामिल सीजेआई चंद्रचूड़ ने नाम न छापने के मुद्दे पर खुलकर बात की। उन्होंने उल्लेख किया कि जब न्यायाधीश एक साथ बैठे, जैसा कि वे किसी फैसले से पहले करते हैं, तो सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यह अदालत का निर्णय होगा। इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि जज का नाम सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया। जब पांच न्यायाधीशों की पीठ फैसले पर विचार–विमर्श करने के लिए बैठी, जैसा कि हम सभी फैसला सुनाए जाने से पहले करते हैं, तो हम सभी ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि यह अदालत का फैसला होगा। और, इसलिए, किसी भी व्यक्तिगत न्यायाधीश को इसका श्रेय नहीं दिया गया। इस मामले में संघर्ष का एक लंबा इतिहास है, देश के इतिहास पर आधारित विविध दृष्टिकोण हैं और जो लोग पीठ का हिस्सा थे, उन्होंने फैसला किया कि यह अदालत का फैसला होगा। अदालत एक स्वर से बात करेगी और ऐसा करने का विचार एक स्पष्ट संदेश भेजना था कि हम सभी न केवल अंतिम परिणाम में बल्कि फैसले में बताए गए कारणों में भी एक साथ खड़े हैं।अनुच्छेद 370 को खत्म करने पर सीजेआई चंद्रचूड़

मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का समर्थन करने वाले सुप्रीम कोर्ट के सर्वसम्मत फैसले के संबंध में किसी भी विवाद को जोड़ने से इनकार कर दिया, जिसने तत्कालीन राज्य जम्मू और कश्मीर को विशेष दर्जा दिया था। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि न्यायाधीश किसी मामले का फैसला संविधान और कानून के अनुसार करते हैं। उन्होंने कहा कि न्यायाधीश अपने निर्णयों के माध्यम से अपने विचार व्यक्त करते हैं, जो फैसले के बाद सार्वजनिक संपत्ति बन जाते हैं। उन्होंने कहा कि एक स्वतंत्र समाज में लोग इसके बारे में अपनी राय बनाने के लिए स्वतंत्र हैं। उन्होंने कहा कि जहां तक घ्हमारा सवाल है हम संविधान और कानून के मुताबिक फैसला करते हैं। मुझे नहीं लगता कि मेरे लिए आलोचना का जवाब देना या अपने फैसले का बचाव करना उचित होगा। समलैंगिक विवाह पर सीजेआई

मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने समलैंगिक विवाह को वैध नहीं बनाने के पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ के फैसले पर खुलकर चर्चा की और इस बात पर जोर दिया कि किसी मामले का नतीजा कभी भी न्यायाधीश के लिए व्यक्तिगत नहीं होता है। समलैंगिक जोड़ों द्वारा अपने अधिकारों के लिए लड़ी गई लंबी और कठिन लड़ाई को स्वीकार करते हुए। 17 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट की पांच–न्यायाधीशों की पीठ ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से इनकार कर दिया, लेकिन समलैंगिक लोगों के लिए समान अधिकारों और उनकी सुरक्षा को मान्यता दी।

व्यापारियों के एकाउन्ट तथा जी. एस.टी. के कार्य कराए जाने के लिए कार्यालय का हुआ शुभारंभ

झांसी ब्यूरो प्रदीप वर्मा झांसी! आज डा० दयासागर कम्पाउण्ड मानिक चौक झाँसी में विजय खन्ना के कार्यालय का उद्घाटन पं० राजाराम मिश्रा के पूजन व हवन के पश्चात विजय खन्ना के नाती कृष्य मेहरोत्रा तथा नैवेद्य खन्ना ने संयुक्त रूप से किया। उक्त अवसर पर विजय खन्ना ने बताया कि शहर के व्यापारियों के अनुरोध पर उनकी असुविधा के कारण कार्यालय का शुभारम्भ किया गया है जहाँ पर व्यापारियों के एकाउन्ट तथा जी. एस.टी. के कार्य कराये जायें गे। उक्त अवसर पर श्रीमती मीनू खन्ना, सी०ए० निमेष खन्ना, दीपिका खन्ना, श्रीमती नित्या मेहरोत्रा, आलोक अग्रवाल, उमा शंकर चौरसिया, सुरेन्द्र प्रजापति, गजाला खान, भी उपस्थित रहे।

इस्कॉन, लखनऊ में आंग्ल नव वर्ष पर हुआ अखंड हरिनाम संकीर्तन

लखनऊ ।इस्कॉन मन्दिर अध्यक्ष श्रीमान अपरिमेय श्याम प्रभुजी के निर्देशन मे प्रभुपाद यूथ आर्मी द्वारा आंग्ल नव वर्ष का प्रारम्भ अखंड हरिनाम संकीर्तन से किया गया सइस्कॉन मंदिर अध्यक्ष परम् आदरणीय श्रीमान अपरिमेय श्याम प्रभु जी द्वारा आंग्ल नव वर्ष के प्रथम दिवस मन्दिर मे आये भक्तो से निवेदन किया कि गीता पढ़ें, गीता पढ़ाएं, गीता सुने एवं गीता सुनाएँ सगीता को जन–२ तक सुलभ कराने के लिए ऑनलाइन माध्यम से श्रीमान अपरिमेय श्याम प्रभु जी द्वारा क्रमबद्ध रूप से प्रत्येक रविवार को प्रातः 09रू30 बजे गीता पर चर्चा की जा रही है।मन्दिर दर्शन के लिए आये पचास हजार से अधिक भक्तों ने उत्साहपूर्वक संकीर्तन एवं नृत्य करते हुए वातावरण को उल्लासमय कर दिया स अंत मे सभी भक्तों ने स्वादिष्ट प्रसाद का आनंद उठाया स

14 से 22 जनवरी तक गांवों में चलाया जाय, विशेष स्वच्छता अभियान –केशव प्रसाद मौर्य

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने राम लाल राही व सुन्दरि देवी रश राही की मूर्ति का किया अनावरण

संवाददाता।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा सांई शिव शक्ति मन्दिर, सरायन नदी तट, मोहल्ला–नई बस्ती, सीतापुर में राम लाल राही, पूर्व गृह राज्य मंत्री, भारत सरकार की 86वीं जयन्ती के अवसर पर पूज्य स्व० राम लाल राही एवं सुन्दरि देवी राही, प्रथम महिला अध्यक्ष, जिला पंचायत, सीतापुर की मूर्ति अनावरण करते हुये उनकी जीवनी की पुस्तक का विमोचन किया गया।

इसके उपरांत उन्होंने मंदिर प्रांगण में विशाल जनसभा को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित किया।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि जहां अन्याय होता है, वहां न्याय के लिए लड़ना पड़ता है ये सीख बाबू से सीखना चाहिए। 2024 की शुरुआत हो गई है। यह वर्ष बहुत निर्णायक वर्ष होगा। 14 जनवरी से 22 जनवरी तक प्रत्येक गांव मोहल्लों में स्वच्छता का अभियान चलाना है। भ्रष्टाचार पर रोक लगाने का काम मा0 प्रधानमंत्री जी ने किया है। पहले जिसने भी भ्रष्टाचार किया है, उससे भी वसूला जाएगा। भारत को विश्व में तीसरी अर्थव्यवस्था आप सबको मिलकर बनाना है। जो विकसित भारत संकल्प यात्रा आपके गांव में जा रही है, इस यात्रा में आपके फॉर्म भरने का काम, पेंशन फॉर्म, आवास फॉर्म आदि फार्म भरे जा रहे हैं। इन सब माध्यम से लोगों को विकास की गारंटी दे रहे हैं। डबल इंजन की सरकार आप सबके आशीर्वाद से चल रही है। 2017 से पूर्व गुंडागर्दी थी, अब गुंडे डरते हैं। किसी गरीब, व्यापारी आदि की दुकान, मकान, जमीन आदि कर कब्जा करने की किसी की हिम्मत नही है। पहले बिजली जाती थी, किंतु अब बिजली आती है, बिजली जाती नही है।

केन्द्रीय राज्यमंत्री आवास एवं शहरी विकास कौशल किशोर जी ने बाबू राम लाल राही व सुन्दरि जी को श्रंद्धाजलि अर्पित की।कहा कि बाबू जी एक आंदोलनकारी व्यक्ति थे व विकास के लिए तत्पर रहते थे। विकसित भारत आत्म निर्भर भारत बनाने के लिए विकसित परिवार बनाना है।मंत्री लोक निर्माण विभाग उ0प्र0 जितिन प्रसाद ने कहा कि बाबू राही और उनके पिता जी का बहुत साथ रहा है। उन्होंने ने गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी सम्भाली और भारत के विकास के लिये बहुत ही बड़ी भूमिका निभाई। देश की जनता की लिये महत्वपूर्ण योगदान दिया। सांसद राजेश वर्मा ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए पुस्तक के माध्यम से राम लाल राही के किये गए कार्यो की सराहना किया। सांसद ने कहा कि बाबू जी से हम बहुत कुछ सीखे है ,उस शिक्षा का आज भी हम अनुकरण कर रहे हैं। सभी को धन्यवाद दिया। कारागार राज्यमंत्री सुरेश राही ने सभी प्रतिनिधियों व जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज इन मूर्तियों को लगाने का कारण है इससे प्रेरणा मिलती है कि गरीब का बच्चा भी आगे बढ़ सकता है, दृढ़ इच्छा होनी चाहिए, पद मिलने के बाद दायित्व और भी बढ़ जाते हैं, इसी प्रेरणा से मैं आगे बढ़ रहा हूँ। इस अवसर पर राज्यमंत्री, नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन विभाग, उ0प्र0 सरकार राकेश राठौर गुरू, सांसद सीतापुर राजेश वर्मा, विधायक मिश्रिख रामकृष्ण भार्गव, विधायक सिधौली मनीष रावत, विधायक बिसवां निर्मल वर्मा, विधायक महोली शशांक त्रिवेदी, विधायक महमूदाबाद आशा मौर्य, एम0एल0सी0 पवन सिंह चौहान, एम0एल0सी0 अवनीश कुमार सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष नेहा अवस्थी, जिला पंचायत अध्यक्ष के प्रतिनिधि शिव कुमार गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष अचिन मेहरोत्रा, पूर्व विधायक भरत त्रिपाठी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

निराश्रित गोवंश संरक्षण हेतु विशेष अभियान की अवधि 16 जनवरी तक बढ़ाई गयी

विशेष अभियान में अब तक 184060 गोवंश संरक्षित किये गये अभियान के दौरान 1574 विशेष दस्तों का गठन किया गया अभियान के तहत 323 नये अस्थायी गोआश्रय स्थलों का निर्माण किया गया - धर्मपाल सिंह

संवाददाता।

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने निराश्रित गोवंश संरक्षण हेतु संचालित विशेष अभियान की अवधि 16 जनवरी तक बढ़ाये जाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि प्रदेश के विभिन्न जनपदों में अभी भी लगभग 45 हजार गोवंश निराश्रित एवं बेसहारा विचरण कर रहे हैं, इसलिए इन गोवंशों का शत–प्रतिशत संरक्षण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बताया कि 60 दिवसीय विशेष अभियान (01 नवम्बर, 2023 से 31 दिसम्बर, 2023 तक) चलाकर 184060 गोवंश संरक्षित किया गया। अभियान के दौरान 323 नये अस्थायी गो आश्रय स्थल तथा 536 गो आश्रय स्थलों में शेड विस्तारीकरण किया गया। बेसहारा गोवंशों को पकड़ने हेतु अभियान में 1574 विशेष दस्तों का गठन कर 687 कैटल कैचर की सहायता ली जा रही है। पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह ने आज यहां यह जानकारी देते हुए बताया कि गोवंश का संरक्षण एवं संवर्द्धन राज्य सरकार की प्राथमिकता में है और निराश्रित गोवंशों के कारण फसलो के नुकसान तथा मार्ग दुर्घटनाओं की समस्या से निजात दिलाने हेतु सरकार कृत संकल्प है, इस क्रम में वर्तमान में 6168 अस्थायी गो आश्रय स्थल, 298 वृहद गो संरक्षण केन्द्रों, 253 कान्हा गो आश्रय तथा 314 कांजी हाऊस का निर्माण कर कुल 1402491 गोवंशों को संरक्षित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि पशुपालकों द्वारा नर गोवंशों का कृषि कार्य में उपयोग न होने तथा दूध न देने वाली व गर्भधारण न करने वाले गोवंशों को बेसहारा छोड़ देने के कारण अभी भी बेसहारा गोवंश सड़को तथा खेतो में यत्र तत्र दिखाई दे रहे है। इसलिए शेष निराश्रित गोवंश को संरक्षित करने के लिए अभियान अवधि बढ़ाई जा रही है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में अपर मुख्य सचिव पशुधन डा0 रजनीश दुबे द्वारा सभी जिलाधिकारियों को भी पत्र प्रेषित कर दिया गया है। धर्मपाल सिंह ने बताया कि गो संरक्षण केन्द्रों, गोआश्रय स्थलों के निर्माण एवं गो आश्रय स्थलों के विस्तारीकरण का कार्य तीव्र गति से किया गया है और सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित की जा रही हैं। संरक्षित किये जाने वाले निराश्रित गोवंश के देखभाल हेतु उनके चारे, भूसे, टीनशेड, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, उपचार एवं ठंड से बचाव आदि की समुचित व्यवस्था भी की जा रही है।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनान्तर्गत 10 करोड़ 18 लाख से अधिक की धनराशि की स्वीकृति की गयी प्रदान

संवाददाता।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनान्तर्गत आर0सी0पी0एल0डब्ल्यू0ई0ए0 (बैच–1, 2017–18) के प्रोग्राम फण्ड के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए द्वितीय किश्त की प्रथम ट्रैच के रूप में अवमुक्त केन्द्रांश रू0 6.1093750 करोड़ के सापेक्ष मैचिंग राज्यांश रू0 4.073 करोड़ अर्थात कुल रू0 10.1823750 करोड़ (रूपये दस करोड़ अट्ठारह लाख तेईस हजार सात सौ पचास मात्र) की धनराशि अवमुक्त किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी है।जारी शासनादेश में निर्देश दिए गए हैं कि स्वीकृत की गयी धनराशि के संबंध में मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उ0प्र0 ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण, लखनऊ इस बात का ध्यान रखेगें कि धनराशि स्वीकृत कर सीधे संबधित विभागध्संस्था के बैंक खाते में अंतरित की जायेगी। मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उ0प्र0 ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण, लखनऊ यह सुनिश्चित करेंगें कि प्रश्नगत कार्य प्रारंभ करने से पूर्व प्रायोजना पर सक्षम स्तर से तकनीकी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली गयी है ।

अपर मुख्य सचिव खादी एवं ग्रामोद्योग प्रदेश के 05 जनपदों के सफल उद्यमियों को प्रशस्ति पत्र एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया

लखनऊ। अपर मुख्य सचिव खादी एवं ग्रामोद्योग अमित मोहन प्रसाद ने आज यहाँ तिलक मार्ग स्थित खादी भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रदेश के 05 जनपदों के सफल उद्यमियों को प्रशस्ति पत्र एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। पुरस्कृत उद्यमियों ध्लाभार्थियों में राजेश प्रसाद (फ्लोर मिल) जनपद–गाजीपुर, अविनाश कुमार (कैरी बैग का उत्पादन) जनपद–लखनऊ, विजय प्रताप सिंह (लौह कला) जनपद–रायबरेली, इन्द्रसेन यादव (सोलर पैनल) जनपद–उन्नाव तथा रूचिता सिंह (बेकरी) जनपद–बाराबंकी थे।

अपर मुख्य सचिव खादी एवं ग्रामोद्योग ने सफल उद्यमियों से यह आग्रह किया गया कि अपनी ही तरह अपने क्षेत्र के कम से कम 05 उद्यमियों को कुटीर उद्योग की स्थापना करने हेतु उत्प्रेरित करें, जिससे कि ग्रामीण क्षेत्र में अधिक से अधिक रोजगार का सृजन हो सके तथा प्रदेश व देश हित में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को अधिक मजबूती मिल सके। अपर मुख्य सचिव, खादी एवं ग्रामोद्योग अमित मोहन प्रसाद ने इस अवसर पर खादी बोर्ड मुख्यालय के नवीन भवन में खादी ग्रामोद्योग सेक्टर में अच्छा कार्य करने वाली प्रदेश के प्रत्येक जनपद की सफल इकाईयों की विवरण पट्टिका का अनावरण भी किया। इस अवसर पर बोर्ड के सभी वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने उपभोक्ताओं को दिया नये साल का बड़ा उपहार

एकमुश्त समाधान योजना ओटीएस की अवधि 16 जनवरी, 2024 तक बढ़ी

योजना की बढ़ी हुई अवधि का अधिक से अधिक उपभोक्ता लाभ उठाएं, इसके लिए अधिकारी करें पूरा प्रयास – ए.के. शर्मा

लखनऊ। प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने उपभोक्ताओं के हितों, जन–भावनाओं तथा किसानों के सीजन और जन–प्रतिनिधियों के सुझावों के दृष्टिगत एकमुश्त समाधान योजना की अवधि को 16 जनवरी, 2024 तक बढ़ा दी है। अब उपभोक्ता 16 जनवरी तक ओटीएस के तहत छूट का लाभ ले सकेंगे। ऊर्जा मंत्री ने ओटीएस की अवधि को 16 दिन और बढ़ाकर उपभोक्ताओं को नये साल का बड़ा उपहार दिया है तथा अन्तिम अवसर के रूप में उपभोक्ताओं को एक और मौका भी दिया है। उन्होंने कहा कि जिन उपभोक्ताओं ने अपनी कुछ परेशानियों व समस्याओं के कारण योजना का लाभ अभी तक नहीं ले पाये थे, उन्हें अब उपभोक्ताओं को अपने बकाये के भुगतान के लिए पर्याप्त समय मिल गया है। ओटीएस की बढ़ी हुई अवधि का लाभ न लेने वाले ऐसे उपभोक्ताओं पर योजना की समाप्ति के पश्चात विभाग कार्यवाही करेगा। ऊर्जा मंत्री ने ऐसे उपभोक्ता जिन्होंने योजना का लाभ अभी तक नहीं लिया, उनसे अपील की है कि ओटीएस के तहत मिल रही छूट का लाभ लेकर हमेशा के लिए अपनी समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द करा लें। ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री के आर्शीवाद एवं मुख्यमंत्री की प्रेरणा से उपभोक्ताओं की दशकों पुरानी समस्याओं के समाधान के लिए ऊर्जा विभाग ने एकमुश्त समाधान योजना 08 नवम्बर, 2023 को तीन चरणों में शुरू की थी। योजना का पहला चरण 08 से 30 नवम्बर, दूसरा चरण 01 से 15 दिसम्बर और तीसरा चरण 16 से 31 दिसम्बर तक कुल 54 दिन का समय उपभोक्ताओं को दिया गया था। इस अवधि में 47 लाख से अधिक उपभोक्ताओं ने योजना के तहत छूट का लाभ लिया और विभाग को 5150 करोड़ रूपये का राजस्व भी प्राप्त हुआ। उपभोक्ताओं को भी छूट के रूप में 1731 करोड़ रूपये का फायदा हुआ। ऊर्जा मंत्री ने बताया कि एकमुश्त समाधान योजना के तीसरे चरण में उपभोक्ताओं को मिल रही छूट को आगामी 16 जनवरी तक के लिए बढ़ा दिया गया है। योजना की बढ़ी हुई अवधि में एक किलोवाट भार तक के छोटे घरेलू उपभोक्ताओं तथा किसानों को बकाये के सरचार्ज में 80 प्रतिशत की छूट मिलेगी। विद्युत चोरी के प्रकरणों में 50 प्रतिशत की छूट, एक किलोवाट से अधिक भार वाले उपभोक्ताओं को 70 प्रतिशत, तीन किलोवाट भार तक के वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को 60 प्रतिशत, तीन किलोवाट से अधिक भार के वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को 40 प्रतिशत तथा निजी संस्थानों व औद्योगिक प्रतिष्ठानों को 30 प्रतिशत की छूट मिलेगी। योजना अवधि में सभी उपभोक्ताओं को किश्तों में भुगतान की भी सुविधा मिलती रहेगी। उन्होंने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ता विभाग के किसी भी बिलिंग काउंटर पर, एसडीओ या एक्सियन कार्यालय या यूपीपीसीएल की वेबसाइट पर पंजीकरण कराकर लाभ ले सकते हैं। उन्होंने अधिकारियों को भी निर्देशित किया है कि योजना की बढ़ी हुई अवधि का अधिक से अधिक उपभोक्ता लाभ उठाएं, इसके लिए पूरा प्रयास किया जाय।

अवैध शराब के साथ दो गिरफ्तार

लखनऊ । राजधानी के थाना कृष्णानगर व निगोंहा में पुलिस ने अवैध शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने इनके कब्जे से कच्ची व देशी शराब भी बरामद किया है। उपनिरीक्षक अनीश कुमार सिंह फोर्स के साथ गश्त कर रहे थे। इस दौरान अभियुक्त शिवा पाण्डेय पुत्र प्रमोद कुमार पाण्डेय निवासी राजाजीपुरम थाना तालकटोरा को इंद्रलोक कालोनी से गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 21 क्वार्टर अवैध देशी शराब बरामद कर किया है। उ.नि. कुलदीप यादव थाना निहोंहा फोर्स के गश्त कर रहे थे। इस दौरान अभियुक्त पूर्णमासी पुत्र बुद्धा निवासी भीमनगर मजरा दयालपुर को चमन चौराहा से गिरफ्तार किया गया। जिनके कब्जे से दो प्लास्टिक की पिपिया में कुल 30 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद कर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

ट्रेन से कटकर एक युवक की मौत

राजधानी के थाना इटौंजा क्षेत्र में ट्रेन से कटकर युवक की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। प्वाइंट्स मैन पीयूषकांत बीकेटी स्थानीय पर एक मेमो इस आशय का लाया गया कि सोमवार को सुबह ट्रेन के गार्ड द्वारा रेलवे स्टेशन बीकेटी पर सूचना दिया कि बीकेटी से इंटौंजा के मध्य एक व्यक्ति ट्रेन से कट गया है। इस सूचना पर एसआई प्रवीण कुमार मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। जिनके द्वारा बताया गया कि मृतक की शिनाख्त सुरेश पाल उम्र करीब 50 वर्ष पुत्र रामऔतार निवासी ग्राम भरतपुर मजरा मण्डौली थाना इटौंजा के रूप में मृतक के छोटे भाई पुतान पाल निवासी उपरोक्त के द्वारा की गई। मृतक सुरेश पाल उपरोक्त मानसिक रूप से बीमार था।

मेंटल अर्थमेटिक कम्पटीशन में सी.एम.एस. छात्र 'स्टेट चैम्पियन'

लखनऊ, 31 दिसम्बर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, महानगर कैम्पस के कक्षा 8 के छात्र कार्तिकेय श्रीवास्तव ने राज्य स्तरीय एबेकस एवं मेंटल अर्थमेटिक कम्पटीशन में 'स्टेट चौम्पियन' का खिताब अर्जित कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। यह प्रतियोगिता शैक्षिक प्रोग्राम यूनिवर्सल कान्सेप्ट ऑफ मेन्टल अर्थमेटिक सिस्टम (यूसीएमएएस – यूपी चौप्टर) के तत्वावधान में आयोजित हुई। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में प्रदेश के 29 जिलों के 1100 से अधिक छात्रों ने प्रतिभाग किया तथापि कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सी.एम.एस. के इस प्रतिभाशाली छात्र ने महज 8 मिनट में 200 सवालों के सटीक जवाब निकालकर गणित में अपनी महारत सिद्ध करने के साथ ही बौद्धिक व तार्किक प्रतिभा का परचम लहराया। प्रतियोगिता के आयोजकों ने कार्तिकेय की बहुमुखी प्रतिभा की भूरि–भूरि प्रशंसा करते हुए चौंपियन्स ट्राफी प्रदान कर सम्मानित किया। सी.एम.एस. प्रेसीडेन्ट एवं एम.डी., प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने इस प्रतिभाशाली छात्र के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

यह प्रतियागिता छात्रों को बौद्धिक क्षमता पर ध्यान केन्द्रित करने तथा त्वरित गति से समाधान ढूढ़ने एवं सीखने की क्षमता का विकास करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। सी.एम.एस. अपने छात्रों को देश–विदेश में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग हेतु लगातार प्रोत्साहित करता रहता है। यही कारण है कि सी.एम.एस. छात्र सदैव ही विभिन्न रचनात्मक एवं सृजनात्मक प्रतियोगिताओं में अपनी बहुमुखी प्रतिभा की छाप छोड़कर विद्यालय का गौरव बढ़ा रहे हैं।

सी.एम.एस. छात्र 'वीरभद्र अवार्ड' से सम्मानित

लखनऊ, 1 जनवरी। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, राजाजीपुरम (प्रथम कैम्पस) के कक्षा–9 के मेधावी छात्रों तनिष्क सक्सेना एवं अवन्तिका त्रिपाठी ने पर्यावरण एवं जैव–विविधता पर आधारित अखिल भारतीय प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार अर्जित कर लखनऊ का गौरव सारे देश बढ़ाया है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि हेतु तनिष्क एवं अवन्तिका को 'डा. वीरभद्र मिश्रा अवार्ड' प्रदान कर सम्मानित किया गया है। प्रतियोगिता का आयोजन सामाजिक संस्था 'स्वयं सिद्धा' के तत्वावधान में राष्ट्रीय स्तर पर किया गया। सी.एम.एस. प्रेसीडेन्ट प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने सी.एम.एस. छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है, साथ ही विद्यालय की प्रधानाचार्या व शिक्षकों का आभार व्यक्त किया है। इन दोनों प्रतिभाशाली छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित 'यूनीक इन्वार्यनमेन्ट प्रतियोगिता' में प्रतिभाग करते हुए 'प्लास्टिक – ए नेसेसरी इविल ऑर इज देअर एनी सल्यूशन' विषय पर अपने सृजनात्मक विचारों की सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति देकर यह उपलब्धि अपने नाम की है। प्रतियोगिता के आयोजकों ने पर्यावरण संरक्षण हेतु सी.एम.एस. छात्रों की रचनात्मक सोच एवं स्वच्छ व सुन्दर पर्यावरण हेतु उसकी विचारशीलता व संकल्प की भूरि–भूरि प्रशंसा करते प्रशस्ति पत्र एवं ट्राफी प्रदान कर सम्मानित किया।सी.एम.एस. अपने छात्रों के बौद्धिक विकास के साथ उन्हें सामाजिक गतिविधियों एवं रचनात्मक कार्यों के लिए विशेष रूप से प्रेरित करता है। यही कारण है कि सी.एम.एस. छात्र सदैव ही विभिन्न रचनात्मक एवं सृजनात्मक प्रतियोगिताओं में अपनी बहुमुखी प्रतिभा की छाप छोड़कर विद्यालय का गौरव बढ़ा रहे हैं।

सभी अभियन्ता अपने दायित्वों को पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करते हुए किसानों को खुशहाल बनाएँ

जलशक्ति मंत्री श्री स्वतंत्र देव सिंह के सार्थक प्रयासों से नए साल पर अभियंताओं को प्रमोशन की मिली बड़ी सौगात

संवाददाता।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के सार्थक प्रयासों से नए साल पर सिंचाई विभाग के अभियंताओं को प्रमोशन की बड़ी सौगात मिली है। यूपी सिंचाई विभाग में बड़े पैमाने पर अभियंताओं के प्रमोशन हुए हैं। सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के प्रोन्नत अभियंताओं में सिविल संवर्ग के प्रमुख अभियन्ता के पद पर श्री हेमन्त कुमार गुप्ता, मुख्य अभियन्ता (स्तर–1) के पद पर सोरण सिंह, वीरेन्द्र कुमार तथा मुख्य अभियन्ता (स्तर–2) के पद पर सर्वेश कुमार श्रीवास्तव, विष्णु कुमार अग्रवाल एवं ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव की पदोन्नति हुई है। इसके साथ ही सिंचाई एवं जलसंसाधन विभाग के 29 अधिशासी अभियन्ताओं को अधीक्षण अभियन्ता के पद पर प्रोन्नत करते हुए जलशक्ति मंत्री ने नव वर्ष का उपहार दिया है।

उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि पारदर्शीपूर्ण व्यवस्था के तहत कार्मिकों का निष्पक्ष पदस्थापनाध्स्थानान्तरण एवं पदोन्नति विभाग का दायित्व है। सभी अभियन्ता को अपने दायित्वों को पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करते हुए किसानों को खुशहाल बनाने के लिए निरन्तर तत्पर रहें, जब किसान खुशहाल होंगे तभी देश एवं प्रदेश की तरक्की होगी। आप सभी कड़ी मेहनत, पूर्ण निष्ठा एवं लगन से काम करते हुए कृषकों को समय से सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराएं, जिससे किसानों की आय में बढ़ोत्तरी हो। जलशक्ति मंत्री ने विभाग के कार्यों के साथ विभागीय अधिकारियो की समस्याओं के समाधान का प्रयास किया। उनका कहना है कि जब अधिकारी एवं कर्मचारी को समय से प्रोन्नति और वेतनमान मिलता है तो वह सार्थक तरीके से स्वस्थ मन मस्तिष्क से अपने दायित्वों का निर्वहन करता है। नए वर्ष पर अधिशासी अभियंता से अधीक्षण अभियंता के पद पर प्रोन्नति पाने वालों में लाल बहादुर सिंह, विजय कुमार कुशवाहा, आलोक कुमार, राजकुमार भगत, विजय कुमार, ओम प्रकाश मौर्या, रजनीकान्त सिंह, संजय कुमार, अजय कौशिक, सुरेन्द्र सिंह, मनोज साहू, सुनील कुमार गिरि, राम प्रकाश प्रजापति, करुणेश कुमार, सुरेन्द्र पाल सिंह, अरविन्द कुमार सचान, सुनील कुमार, रमेश कुमार सिंह, नन्दजी गुप्ता, रजनीश प्रकाश चौधरी, रामकृष्ण वर्मा, जगदीश सिंह, अनिल कुमार गुप्ता, सूर्य प्रकाश गुप्ता वेद प्रकाश सिंह, राकेश वर्मा, रवीन्द्र कुमार चौधरी, केशरी नन्दन त्रिपाठी व सुरेश चन्द्र यादव शामिल हैं।

होली पब्लिक स्कूल के प्रांगण में भव्य समारोह का आयोजन

1 जनवरी 2024 को होली पब्लिक स्कूल महेन्द्रा एंकलेव शास्त्री नगर, गाजियाबाद के प्रांगण में भव्य समारोह का आयोजन प्रबन्धक ड़ा0 दिनेश गुप्ता शिक्षाविद द्वारा किया गया, कार्यक्रम की अध यक्षता उषा गुप्ता प्रधानाचार्य ने किया, मुख्य अतिथि "लोक शिक्षण अभियान ट्रस्ट" के संस्थापकध अध्यक्ष समाजवादी विचारक राम दुलार यादव रहे, संचालन अंशु भावना ने किया, स्कूल के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर अविभावकों, अतिथियों तथा बच्चों की वाह–वाही लूट ली, स्वागत गीत बेजोड़ रहा, केक काटकर नव वर्ष की बधाई दी गयी तथा सुख, समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य की कामना की गयी। कार्यक्रम में ड़ा0 दिनेश गुप्ता ने अतिथियों का सम्मान करते हुए बच्चों का उत्साहवर्धन किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की, शिक्षा के महत्व को समझाया तथा अनुशासन, लगन और कठिन परिश्रम से शिक्षा ग्रहण कर कामयाबी हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्य अतिथि समाजवादी विचारक शिक्षाविद राम दुलार यादव ने कहा कि पुस्तक "अज्ञान के जमे हिमखंड को तोड़ने के लिए एक कुल्हाणी है", तथा ड़ा0 अंबेदकर को उद्घृत करते हुए कहा कि "शिक्षा वह शेरनी का दूध है, जो पियेगा वही दहाड़ेगा"द्य नव वर्ष की बधाई देते हुए उन्होने कहा कि शिक्षा से केवल आप की जीविका चले, आप सेवा कार्य मे लग जाय, वह तो केवल आप को सुख प्रदान करेगी, लेकिन शिक्षा से जो ज्ञान प्राप्त होता है उससे देश और समाज की उन्नति का विचार करते है, वही असली शिक्षा हैद्य आज चारों तरफ भय, नफरत, असहिष्णुता का वातावरण जो बन रहा है, वह हमारी अज्ञानता के कारण हैद्य हमारे देश में मनीषियों और विद्वानों ने जो ज्ञान का प्रकाश फैलाया, वह भाईचारा, सद्भाव, प्रेम, सहयोग और समर्पण का है, त्याग की भावना से समाज द्वारा जो भी हमें मिला है, वह समाज को किसी न किसी रूप में लौटाना ही धर्म है, यह समझते हुए कि शिक्षा, चिकित्सा तथा रोजगार जो समाज के लिए महत्वपूर्ण है, हमें कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में उषा गुप्ता जी ने सभी अध्यापिकाओं, कार्यकर्ताओं, अतिथियों, और छात्रों का धन्यवाद करते हुए नव वर्ष की बधाई दीद्य रवीन्द्र कुमार, प्रीतम सिंह, रश्मि, कंचन, जांहवी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

अब वाहन चालकों के लिए सरकार लाई काला कानून–वरुण मिश्र

संवाददाता।

सुल्तानपुर। देश के किसानों के बाद अब अर्थव्यवस्था की रीढ़ पर सरकार की नजर है वो ट्रांसपोर्ट को भी नहीं छोड़ना चाहती यही कारण है कि सरकार हिट एंड रन के मामलों से जुड़े कानून में अव्यावहारिक परिवर्तन ले कर आई है। सरकार अपनी तानाशाही से इस कानून को वाहन चालकों पर थोपना चाहती है यह बातें युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष व नगर पालिका अध यक्ष के पूर्व प्रत्याशी वरुण मिश्र ने कहीं प्रेस विज्ञप्ति जारी कर उन्होंने कहा कि विपक्ष मुक्त संसद में ऐसे ही काले कानून पास करने थे इसीलिए विपक्ष के सांसदों को सस्पेंड करवाया गया उन्होंने बताया कि नए कानून के तहत यदि किसी व्यक्ति से एक्सीडेंट होता है तो उसे 10 साल तक की सजा एवम 7 लाख रुपए बतौर जुर्माना भरना होगा और यदि व्यक्ति घटनास्थल पर रुक कर घायल को अस्पताल पहुंचाता है तो उसे कम सजा मिलेगी परंतु घटनास्थल पर जमा होने वाली भीड़ और उससे उत्पन्न होने वाले ड्राइवर के जीवन संकट पर उन्होंने कोई कानून क्यों नहीं बनाया? उन्होंने कहा कि किसानों के लिए बनाए जाने वाले कानून को जैसे हड़बड़ी में लागू किया था वैसे ही ये कानून भी जल्दबाजी में बना दिया गया है और अब इसे देश पर थोपने की तैयारी है इस कानून का विरोध होना चाहिए। यह कतई देश हित में नहीं है उन्होंने कहा कि वह चालकों की लड़ाई में उनके साथ हैं और हर संभव मदद करेंगे आवश्यकता पड़ने पर आंदोलन भी करेंगे।

यथार्थ हॉस्पिटल में एक और उपलब्धि ब्लड बैंक यूनिट शुरू

झांसी । उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्र ओरछा तिगेला स्थित ष्यथार्थ हॉस्पिटलष ने शनिवार को अस्पताल में एक और उपलब्धि ा जुड़ गई। अस्पताल में ब्लड बैंक का उद्घघाटन ओरछा के न्यायध ीश जस्टिस उपमन्यु शुक्ला कि उपस्थिति में किया गया। पिछले कुछ ही समय में यथार्थ ने मेडिकल क्षेत्र में ऐसी उपलब्धियां हासिल कि है जिसने मेडिकल क्षेत्र में नए आयाम बनाये हैं जैसे कि बुंदेलखंड क्षेत्र कि पहली शफल शा`लडर अर्थारोस्कोपी सर्जरी यथार्थ में डॉक्टर निखिल गुप्ता द्वारा कि गयी ! साथ ही पीडियाट्रिक्स के क्षेत्र में डॉक्टर दिव्या पिपरिया एवं डॉक्टर तारा निगम ने अपने कुशल अनुभव से ऐसे बच्चों की जान बचाई जो प्रीमैच्योर थे और गंभीर बिमारियों से ग्रस्त थे ! हाल ही में डॉक्टर तारा निगम ने एक ऐसे बच्चे की जान बचाई जो DKA सेप्टिसीमिया और सीवियर ह्यपोकॉलेमिआ से ग्रसित था !यथार्थ मैनेजमेंट फैसिलिटी डायरेक्टर नितिन चौधरी, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ अनुज शर्मा एवं जनरल मेनेजर विकास कुमार ने अस्पताल की बेहतर सुविधाओं और सस्ते दरों पर इलाज के बारे में जानकारी दी! यथार्थ मैनेजमेंट ने उन योजनाओ के बारे में बताया जिसके लाभ से रोगियों का अच्छा इलाज सस्ते दरों पर हो सकता है जैसे की ष्स्वस्थ गांव सुखी गांव योजनाष जिसमें इलाज पर 50: तक कि छूट दी गई है और मुफ्त OPD जो कि सुबह 9 AM से 10:30 तक चलाई गई है ! अंत में सभी का आभार मार्केटिंग हेड फिरोज खान ने करते हुए कहा कि आपका अपना यथार्थ आपकी सेवा में हमेशा तत्पर रहेगा !

बेल्ट ग्रेडिंग परीक्षा में 32 खिलाड़ियों को मिली सफलता

फोटो न0–02

सुल्तानपुर। अमीना बानो ताइक्वांडो एकेडमी पुलिस लाइन करौदिया में बीते दिनों बेल्ट ग्रेडिंग परीक्षा हुई। परीक्षा में एक खिलाड़ी को ब्लू वन टू रेड बेल्ट, आठ खिलाड़ियों को ग्रीन वन टू ब्लू बेल्ट, 11 खिलाड़ियों को येल्लो टू ग्रीन बेल्ट, 12 खिलाड़ियों को व्हाईट टू येलो बेल्ट प्रदान किया गया। उक्त परीक्षा का आयोजन दो चरणों में किया गया। प्रथम चरण में यलो, आरेंज एवं ग्रीन बेल्ट के परीक्षार्थियों को सम्मिलित किया गया। इसमे बेसिक टेस्ट पंच, ब्लाक, किक एवं ईप्ऑान टेक्निक काता बूंकाई स्किल टेस्ट एवं कराते से संबंधित विविध प्रकार का टेस्ट लिया गया। द्वितीय चरण में रेड बेल्ट एवं ब्लू बेल्ट के प्रशिक्षणार्थियों का टेस्ट लिया गया। इसमें बेसिक कांबिनेशंस सीक्वेंस फाइट टेक्नीक, ग्रुप फाइट टेक्निक, स्किल टेस्ट परीक्षा ली गई। साथ ही साथ खिलाड़ियों के स्टैमिना पावर स्पीड परफारमेंस का विभिन्ना चरणों में परीक्षा लिया गया। 'ब्लू वन रेड बेल्ट परीक्षा में सत्यांश आर श्रीवास्तव को सफलता मिली। ग्रीन वन टू ब्लू बेल्ट फर्स्ट परीक्षा में अलकाब खान, प्रियांशु तिवारी, साक्षी, शगुन सोनकर, प्रतेश यादव, नंदिनी सोनकर, दिनेश यादव, आदित्य सोनकर, सफल रहे। येल्लो टू ग्रीन बेल्ट परीक्षा में ओजस त्रिपाठी, वन्या श्रीवास्तव, आयात शाह, देवेंद्र यादव, अनंत वर्मा, यस वीणावनी, निधि यादव, आरव राज श्रीवास्तव, मेधा त्रिपाठी, एहम, अर्पिता शामिल किये गये। 'व्हाइट टू येलो बेल्ट परीक्षा में आन्या कुमार राय, मान्यता, अनुज शुक्ला, आनवी गुप्ता, प्रज्वल यादव, परिणीति पाठक, यथार्थ रातू बुब्ध, अनुकल्प सिंह यादव, सेजल, आँचल, रागनी, शाश्वत मौजूद रहे। 'बेल्ट सर्टिफिकेट और प्लेंट सन्तोष कुमार गुप्ता और राजेश उपाध्याय के हाथों से खिलाड़ियों को दिया गया अपने अपने बेल्ट पाकर खिलाड़ियों के चेहरे खिले।

विद्युत कर्मचारी संघ की नवीन कार्यकारिणी का हुआ गठन।

धौलपुर राजस्थान। विद्युत कर्मचारी संघ का प्रथम अधिवेशन शनिवार शाम को जैन धर्मशाला ध ौलपुर में संपन्न हुआ। अधिवेशन के दौरान जहां विद्युत कर्मचारी संघ की समस्याओं को लेकर चर्चा की गई और वहीं नवीन कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। विद्युत कर्मचारी संघ की नवीन कार्यकारिणी में नरेंद्र यादव को अध्यक्ष और नरेंद्र गुप्ता को महामंत्री पद का दायित्व सौंपा गया है। जैन धर्मशाला में हुए अधिवेशन के दौरान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर प्रदेश महामंत्री अमित मल्होत्रा मौजूद रहे, जबकि कार्यक्रम में कार्यकारी अध्यक्ष प्रकाश चंद्र शर्मा, मंत्री धीरेंद्र फौजदार, भरतपुर संयोजक अशोक शर्मा भी मौजूद रहे। जिन्होंने कार्यक्रम में कर्मचारियों की समस्याओं एवं संगठन विस्तार को लेकर चर्चा की। कर्मचारियों की समस्या को सुनने के बाद ध ौलपुर सर्किल की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। अधिवेशन के दौरान गठित की गई कार्यकारिणी में सर्व समिति से अध्यक्ष नरेंद्र यादव, महामंत्री नरेंद्र गुप्ता, कोषाध्यक्ष तपेश, संयुक्त महामंत्री अविनाश यादव व गणेश झा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेश कुशवाहा, उपाध्यक्ष पवन त्यागी, संगठन मंत्री कृष्णकांत मीणा को बनाया गया। अधिवेशन के दौरान नवीन कार्यकारिणी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इस दौरान कार्यक्रम में संगठन के अन्य सदस्य एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

रामेश्वर तीर्थ यात्रा पर गये तीर्थ यात्रियों का चेन्नई में किया स्वागत।

धौलपुर राजस्थान। नर सेवा नारायण सेवा जाकी रही भावना जैसी प्रभु मूरत जिन्ह देखी तैसी यह कथन सिद्ध किया हमारे ध ौलपुर जिले के सरमथुरा उपखंड के छोटे से गांव खेमरी निवासी

युवा हंसराम मीणा आरपीएफ ने जो के चेन्नई ने कार्यरत है और समय समय पर दूर देश में रहकर भी सेवा के कार्य करके हमारे धौलपुर जिले को एक नई पहिचा ना देने की कोशिश करते है और इसी को देखते हुए ही हमारे राजस्थान के धौलपुर जिला के कुछ तीर्थ यात्रा पर आए हुए तीर्थ यात्रियों का आरपीएफ हंसराम मीणा एवम उनकी टीम के अन्य सदस्य गिरीश मीणा , हरिओम , सुभाष बिजेंद्र, दशरथ, विक्की, राजेंद्र आदि तीर्थ यात्रा पर गए लोगो का माला एवं साफा बांधकर एवं सभी यात्रियों को भोजन आदि करवा कर आशीर्वाद लिया साथ ही इस दौरान युवा समाजसेवी हंसराम मीणा आरपीएफ ने कहा के ये मेरे लिए सौभाग्य की बात है के में नए साल की शुरुआत तीर्थ यात्रा पर आए हुए लोगो की सेवा करके और उनका आशीर्वाद लेकर कर रहा हु और साथ ही सभी से अपील भी करता हु सेवा के कार्य अवश्य करे।

छात्र–छात्राओ को स्मार्टफोन वितरित

संवाददाता। सुलतानपुर। उ.प्र. शासन की महत्वाकांक्षी योजना स्मार्टफोन वितरण योजना के अन्तर्गत स्नातक तृतीय वर्ष के 28 छात्रध छात्राओं को समारोहपूर्वक फोन वितरित किया गया। उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य सत्यप्रकाश त्रिपाठी ने किया। महाविद्यालय के प्रबंधक वरिष्ठ अधिवक्ता पं. शारदाप्रसाद मिश्र मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। महाविद्यालय के प्राध्यापकों डॉ. शशिधर मिश्र, दिनेश नारायण शुक्ल व सुधाकर मिश्र तथा विशिष्ट अतिथि अधिवक्ता जितेन्द्र नाथ मिश्र, शैलेन्द्र नाथ मिश्र, सत्येन्द्र नाथ मिश्र ने छात्रध्छात्राओं को स्मार्ट फोन वितरित किया। स्मार्टफोन पाकर छात्रध्छात्रायें प्रमुदित दिखे ।

विद्युत कर्मचारी संघ के अध्यक्ष बने बृजमोहन एवं संगठन मंत्री अविनाश

धौलपुर राजस्थान । विद्युत कर्मचारी संघ का प्रथम अधिवेशन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ था। जिसमें मुख्य अतिथि प्रदेश महामंत्री

अमित मल्होत्रा, कार्यकारी अध्यक्ष प्रकाश चंद्र शर्मा, मंत्री धीरेंद्र फौजदार, भरतपुर संयोजक अशोक शर्मा जी, धौलपुर व्रत अध्यक्ष नरेंद्र यादव , महामंत्री नरेंद्र गुप्ता ने संगठन के बारे में चर्चा की साथ ही धौलपुर उपखंड की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें सर्व समिति से अध्यक्ष ब्रजमोहन शर्मा, उपाध्यक्ष अमर शर्मा कार्यकारी अध्यक्ष सुनील महौर, महामंत्री शराफत खान, संगठन मंत्री अविनाश यादव, कोषाध्यक्ष हेमंत शर्मा, संजय चौहान कार्यालय मंत्री सुरेंद्र, संयोजक संजय भास्कर , सह संयोजक कुलदीप श्रीवास्तव , प्रचार मंत्री उदय प्रजापति, उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम, मंत्री कृष्ण मुरारी,रामजीलाल ,राजकुमार, राजीव बनाया गया कार्यक्रम में संगठन के वरिष्ठ सदस्य आनंद शर्मा, महेश श्रीवास्तव, दयाशंकर माहौर, रजत, ब्रजकिशोर शर्मा सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने नववर्ष जनपदवासियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनकी सुख–समृद्धि की मंगल कामना की

झाँसी । जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने ईसवी सन् 2024 के शुभारम्भ के अवसर पर जनपद वासियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनकी सुख–समृद्धि की मंगल कामना की है। उन्होंने जनपद स्तरीय अधिकारियों से कहा कि जनपद को प्रदेश का अग्रणी जनपद बनाने के लिए गम्भीरता से कार्य करें।

आज जनता दर्शन के दौरान जिलाधिकारी ने जनपदवासियों को शुभकामना देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि जनपद को समृद्धि एवं विकास के रास्ते पर ले जाने के शासन के प्रयासों को नये वर्ष में और गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि जनपद की प्रगति के लिए अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाएं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं, जिनसे जनपद की जनता का जीवन स्तर निरन्तर बेहतर हो रहा है।जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार के विकास एवं जनकल्याणकारी कार्यों के परिणामस्वरूप आज जनपद एक नई पहचान के साथ प्रदेश के विकास में अपनी अग्रणी भूमिका का निर्वहन कर रहा है। शासन के विकास कार्यों का लाभ गांव, गरीब, किसान, नौजवान, महिला सहित समाज के हर वर्ग को प्राप्त हो रहा है। इस मौके पर जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने जनपद स्तरीय अधिकारियों को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए निर्देश दिए कि क्षेत्र भ्रमण के दौरान रैन बसेरा एवं गोश्रय स्थल का औचक निरीक्षण करते हुए ठंड से बचाव के सभी उपायों को सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने समस्त उप जिलाधिकारी एवं अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत को भी निर्देशित करते हुए कहा कि भीषण शीतलहर के दौरान क्षेत्र में अलाव जलाया जाना सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त निर्बल,असहाय एवं गरीब व्यक्ति को ठंड से बचाव हेतु कंबल वितरित किया जाना भी सुनिश्चित किया जाए।

कोचिंग में फांसी पर लटका मिला अध्यापक का शव

संवाददाता। जौनपुर । जिले के शाहगंज क्षेत्र के मदरहां गांव स्थित एक विद्यालय में सोमवार को कोचिंग टीचर का शव फांसी पर लटकता मिला। मौके पर पहुंची पुलिस को ब्लैक बोर्ड पर सुसाइड नोट लिखा मिला। इस दौरान पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल करते हुए पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया। बताते है कि आजमगढ़ के दीदारगंज थाना क्षेत्र के पकड़वल गांव निवासी 19 वर्षीय नवीन कुमार पुत्र पवन कुमार अपने ननिहाल शाहगंज के मदरहां में रहकर कोचिंग पढ़ाता था। सुबह घर से 500 मीटर स्थित माता मरजादी देवी इंटर कालेज में कोचिंग पढ़ाने पहुंचा था। बच्चे जब कोचिंग के लिए पहुंचे तो नवीन का शव पंखे के सहारे फंदे पर लटकरहा था। छात्रों ने इसकी सूचना ग्रामीणों को दी तो लोगों में हड़कंप मच गया। पुलिस के अनुसार उसने विद्यालय स्थित बोर्ड पर सुसाइड नोट लिखा था कि मैं अपनी जिंदगी से तंग आकर आत्महत्या कर रहा हूं। पुलिस ने नोट की फोटो लेने के बाद शव को कब्जे में लेकर पूछताछ के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया। मौत की खबर सुनकर परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक नवीन कुमार के अलावा उसके एक भाई व एक बहन हैं। बड़ा भाई प्रवीन कुमार कहीं बाहर रहकर पढ़ाई करता है। छोटी बहन उसी विद्यालय में कक्षा 11 की छात्रा है। पिता पवन कुमार दिल्ली में ट्रांसपोर्ट में काम करके अपना और परिवार का भरण– पोषण करते हैं। मां रामावती देवी का कोई भाई न रहने की वजह से अपने दोनों बेटे नवीन, प्रवीन और बेटी प्रतिमा के साथ मायके में रहकर अपनी मां की देखभाल करती हैं।

पाइपो से भरा ट्रैक्टर नहर में जा गिरा मौके पर ड्राइवर की मौत

झांसी! पाइपो से भरा ट्रैक्टर नहर में जा गिरा जिले के पूंछ थाना क्षेत्र में पाईपों से भरी ट्रैक्टर असंतुलित होकर नहर में गिर गया सूचना पर पहुंची पुलिस ने रेस्क्यू कर ट्रैक्टर ट्राली को जेसीबी की मदद से बाहर निकलवाया यह मामला झांसी के पूंछ थानान्तर्गत ग्राम सेसा से सेरसा की ओर जाने वाले मार्ग पर खकल नहर का है। पाईपों से भरा ट्रैक्टर ट्रॉली उस मार्ग से गुजर रही थी तभी अचानक असंतुलित होकर ट्रैक्टर नहर में गिर गया। इस घटना में उसके चालक को संभालने का मौका नहीं मिला और उसके नीचे दब गया। जिससे उसकी मौत हो गई।

वाहन चालकों ने सोपा उपखंड अधिकारी को ज्ञापन

धौलपुर राजस्थान । सरमथुरा कस्बा में सोमवार को केंद्र सरकार द्वारा गठित नए कानून को लेकर वाहन चालकों ने उपखंड कार्यालय पहुंचकर उपखंड अधिकारी रेखा मीणा को एक ज्ञापन सोपा और रेली निकालकर एवम नारेवाजी कर विरोध प्रदर्शन किया साथ ही ज्ञापन के माध्यम से वाहन चालकों ने बताया कि भाजपा शासित केंद्र सरकार के द्वारा हालही में यातायात को लेकर नया नियम लागू किया गया है जिसमे एक्सीडेंट होने पर भागने वाले वाहन चालक को दोषी करार देते हुए 10 साल की सजा एवम 5 लाख तक जुर्माना राशि देने का नियम बनाया गया है जो वाहन चालकों के हित के अनुरूप नहीं है साथ ही वाहन चालकों ने बताया के सभी वाहन चालक दिहाड़ी मजदूर की तरह से ही 6से7 हजार रूपए प्रति महीने के वेतन पर कार्य कर रहे है और अपने परिवार का जीवन यापन कर रहे है और किसी तकनीकी कारणों या खराब सड़क मार्ग की वजह से दुर्घटना हो जाए तो ड्राइवर को अपनी आत्म सुरक्षा के लिए मौके से भागना मजबूरी है क्योंकि यदि कोई वाहन चालक यदि दुर्घटना के बाद मौके से नही भागता है तो उसके साथ कोई भी अनहोनी हो सकती है इसलिए हम सभी नए नियम का विरोध करते है साथ ही यदि नियमो में बदलाव नही किया गया तो सभी वाहन चालकों को मजबूरी बस अपना कार्य छोड़ना पड़ सकता हैं । साथ ही कहा के एक और तो केंद्र सरकार के द्वारा नए नियम बनाए जा रहे है ऊपर से अधिकांस जो सड़क मार्ग है वो खराब है और अधिकांस दुर्घटनाएं भी खराब सड़क मार्ग और तकनीकी कारणों से ही घटित होती है क्योंकि जानबूझ कर कोई चिटी तक को भी नही मारना चाहता है। इस दौरान राशिद खान,अस्पाक,अबरार, इरफान, पप्पू, मुजाहिद ,वाहिद, मजीत,जीतू,केशव, साबू,सूरज,भगवान सिंह,रामबिलास, मुकीस ,बबलू, महेश सहित अन्य वाहन चालक मोजूद रहे।

विश्व कल्याण और सर्वमंगल की कामना कर किया गौ माता का पूजन

प्रदीप वर्मा जिला संवाददाता झाँसी। नववर्ष 2024 में विश्व का कल्याण हो, घर – घर सुख समृद्धि रहे, यह भावना के साथ श्री सिद्धेश्वर मंदिर में संतों और आम जनमानस ने सामूहिक रूप से गौ माता की पूजा एवं महाआरती की। नववर्ष के प्रथम दिन हुए कार्यक्रम में गौ माता का श्रृंगार किया गया। इस अवसर पर धर्माचार्य हरिओम पाठक ने कहा कि गौ माता की पूजा व भक्ति करने से जीवन सुखमय रहता है। सभी देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है। दुर्गा उत्सव महासमिति के संयोजक पीयूष रावत ने गौ माता की महिमा बताइ। कहा कि सनातन धर्म में गौ माता की पूजा का विशेष महत्व है। गाय की सेवा, पूजा, आराधना करने से लक्ष्मी जी प्रसन्न होती हैं। गौ माता का जहां वास होता है, वहां से सभी प्रकार के वास्ध्तु दोष स्ध्वतरू ही दूर हो जाते हैं। भगवान ने स्वयं अपने मुख से बोला है कलयुग में गौ माता की भक्ति ही बैकुंठ का मार्ग दिखा सकती है और बैकुंठ ले जा सकती है। गौ माता यदि किसी का भाग्य यदि बदल सकती है तो गौ माता ही एक ऐसी शक्ति है जो सबके भाग बदल सकती है और आओ हम सब मिलकर गौ सेवा करें गोपालन करें। हम सभी गौ माता से विश्व शांति का आशीर्वाद मांगा। नए परिधान धारण कराए गए। उनका श्रृंगार किया गया। गौ माता के अंग में मेहंदी, हल्दी, रंग के छापे लगाए गए। धूप–दीप, अक्षत, रोली, गुड़ आदि वस्त्र तथा जल से गाय का पूजन किया गया। धूप–दीप से आरती उतारी गई। प्रसाद भोग लगाया गया। गाय की परिक्रमा भी की गई। इस अवसर पर महंत विष्णु दत्त स्वामी, वसंत विष्णु गोलवलकर, लल्लन महाराज, कालीचरण जारोलिया ,आचार्य राजीव पाठक ,मनोज पाठक,नगर विधायक रवि शर्मा ,पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य एमएलसी रमा निरंजन, श्रीमती शांति शर्मा ,प्रियता रावत ,शिवाली अग्रवाल,उर्मिला पटेरिया,नीता अवस्थी,डिप्टी मेयर सुशीला दुबे ऋगोकुल दुबे ,दुर्गा उत्सव महासमिति के अध्यक्ष पुरुषोत्तम स्वामी, महामंत्री विनोद अवस्थी, मुकेशअग्रवाल, रवीश त्रिपाठी,एडवोकेट प्रणय श्रीवास्तव,इंजीनियर रविकांत दुबे, जितेंद्र तिवारी ,मुकेश सोनी, कम्मू तिवारी, , महेश सर्राफ मटका, सियाराम शरण चतुर्वेदी, मैथिली शरण मुदगिल ,रोहित पांडे , राजीव तिवारी ,अमित चिरवरिया, रोहित पांडे ,अशोक रावत, , दीपक व्यास ,आलोक चतुर्वेदी, सत्येंद्र पुरी गोस्वामी, पवन गुप्ता ,जयदीप खरे,एडवोकेट समीर तिवारी ,प्रभात शर्मा, अतुल मिश्रा, नरेंद्र अग्रवाल, पुरकेश अमरिया ,डॉ भूपेंद्र रायकवार, प्रभात शर्मा आर एन उपाध्याय रामनारायण शर्मा ,प्रशांत रिछारिया,रमाकांत लिटोरिया ,संजीव नायक,राम नारायण, संजय तिवारी,संजीत मिश्रा, अखिलेश सोनकिया,ध ीरज मिश्रा.,मुकेश सोनी पंकज मिश्रा,संजीत मिश्रा,अखिलेश महाराज,राहुल मिश्रा,मंजुल पुरोहित, अजय भार्गव ,आकाश सिद्ध ,प्रवीण शर्मा आदि मौजूद रहे।

संपादकीय

शर्मिला के सहारे आंध्र में कांग्रेस

आंध्र प्रदेश में राजनीतिक समीकरण बदल सकता है। तेलंगाना की जीत के बाद कांग्रेस पार्टी आंध्र प्रदेश में संभावना देख रही है। हालांकि राज्य के विभाजन के बाद से आंध्र में कांग्रेस के प्रति बहुत नाराजगी है और यही कारण है कि कांग्रेस दो फीसदी भी वोट नहीं ले पा रही है। इसके बावजूद कांग्रेस की उम्मीद बढ़ी है तो उसका कारण मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की बहन वाईएस शर्मिला हैं। उन्होंने वाईएसआर तेलंगाना पार्टी का गठन किया था और पिछले चुनाव में कांग्रेस को समर्थन दिया। कहा जा रहा है कि कांग्रेस उनको राज्यसभा में भेजेगी या खम्मम सीट से लोकसभा का चुनाव लड़ाएगी। इसके अलावा उनको पार्टी का महासचिव बनाने की चर्चा भी हो रही है।
कांग्रेस के जानकार सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस उनको आंध्र प्रदेश में इस्तेमाल करना चाहती है। वे कांग्रेस से जुड़ जाएंगी इस बात की पूरी संभावना है लेकिन सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि कांग्रेस नेताओं को लग रहा है कि उनके जरिए चंद्रबाबू नायडू की पार्टी टीडीपी से तालमेल हो सकता है। गौरतलब है कि टीडीपी की बातचीत भाजपा से चल रही है और उसने पवन कल्याण की जन सेना पार्टी से तालमेल कर लिया है। ऐसे में कांग्रेस से कैसे बात बनेगी? कहा जा रहा है कि भाजपा जगन मोहन की पार्टी के साथ भी चौनल खोले हुए है और वह नहीं चाहती है कि राज्य की किसी पार्टी के साथ तालमेल करे। इसके बावजूद नायडू की पार्टी का कांग्रेस के साथ जाना थोड़ा मुश्किल लग रहा है। क्योंकि तब केंद्रीय और राज्य दोनों की एजेंसियों की कार्रवाई तेज हो जाएगी।

वाजपेयी, जेटली प्रेम काम नहीं आ रहा

नीतीश कुमार की यह खासियत है कि वे किसी समय राम मनोहर लोहिया, जेपी और कर्पूरी ठाकुर के चेले बन जाते हैं तो किसी समय दीनदयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेयी के गुणगान करने लगते हैं। कुछ समय पहले वे पटना में दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर फूल चढ़ाने गए। पिछले एक हफ्ते में वे अटल बिहारी वाजपेयी और अरुण जेटली को श्रद्धांजलि देने गए। एक केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मौजूदगी में उन्होंने भाजपा नेताओं की खूब तारीफ की और वहां मौजूद नेताओं को दिखा कर कहा कि उनके साथ तो जीवन भर का संबंध है। लेकिन ऐसा लग रहा है कि उनका भाजपा प्रेम बहुत काम नहीं आ रहा है। भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व पिघल नहीं रहा है और इस वजह से नीतीश को अच्छी डील नहीं मिल रही है।
जानकार सूत्रों का कहना है कि भाजपा इस बार न तो बराबरी का समझौता करने को तैयार है और न उनको मुख्यमंत्री रखने को तैयार है। पिछली बार यानी 2017 में जब नीतीश वापस लौटे थे तब भाजपा ने अपनी जीती हुई लोकसभा की छह सीटें छोड़ कर नीतीश से समझौता किया था। दोनों पार्टियां 17–17 सीटों पर लड़ी थीं। और भाजपा ने उनको मुख्यमंत्री भी बनाए रखा था। इस बार कहा जा रहा है कि भाजपा ने उनसे कहा है कि वे मुख्यमंत्री पद छोड़ें, भाजपा का सीएम बनेगा और नीतीश अपना दो उप मुख्यमंत्री बना लें। इसके अलावा यह भी कहा जा रहा है कि भाजपा ने उनको 10 लोकसभा सीट का प्रस्ताव दिया है। इसमें ज्यादा से ज्यादा दो की बढ़ोतरी हो सकती है। भाजपा अकेले 20 सीट लड़ना चाहती है और लोक जनशक्ति पार्टी के दोनों धड़ों, हिंदुस्तान आवाम मोर्चा और राष्ट्रीय लोक जनता दल को गठबंधन में बनाए रखना चाहती है। वह मुकेश साहनी की विकासशील इंसान पार्टी को भी गठबंधन में लाने की बातचीत कर रही है। इसके अलावा भाजपा लोकसभा के साथ विधानसभा का चुनाव कराने को तैयार नहीं है। इस तरह वह नीतीश को कमजोर करने की सुनियोजित रणनीति पर काम कर रही है।

राम मन्दिर उद् घाटन में कितना धर्म-कितनी राजनीति

अजय दीक्षित

बाबरी मस्जिद गिराने के बाद उस भूमि के स्वामित्व को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में मामला बहुत दिनों तक लम्बित रहा । जिस दिन फैसला आना था, सरकार के द्वारा परस्पर क्लेश की आशंका के मद्देनजर लोगों को घर में रहने की ही सलाह दी गई । जिनको उस दिन का स्मरण होगा उन्हें याद होगा कि उस दिन ट्रेनें खाली गईं। किसी ने भी सफर नहीं किया । इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले की अपील मुस्लिम पक्ष द्वारा उच्चतम न्यायालय में की गई । वहां भी मामला बहुत दिनों तक लम्बित रहा । अन्ततरू तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति गोगाई की अध्यक्षता में गठित बैंच ने मुस्लिम पक्ष हिन्दू पक्ष और ठाकुर जी के नाम से जमीन के बंटवारे का फैसला सुनाया । हिन्दू पक्ष को मिली जमीन पर भव्य राम मन्दिर बनाने के लिए केन्द्रीय शासन ने एक स्वायत्त संस्था बनाई । सिद्धांततरू अयोध्या में राम मन्दिर सरकार नहीं बना रही है और इसमें न तो केन्द्रीय सरकार का और न ही उत्तर प्रदेश की सरकार का पैसा लगा हुआ है । यूं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समय–समय पर अयोध्या का दौरा करते हुए निर्माण की प्रगति का निरीक्षण करते रहते हैं । शायद जिनको 22 जनवरी के उद्घाटन का निमंत्रण गया है, उनके लिए ठहरने के लिए जो आवासीय व्यवस्था आदि की जा रही है, वह शायद उत्तर प्रदेश शासन द्वारा ही हो रही हो। यूं साफ, सफाई, लीपापोती, घाटों का निर्माण और उनका पुर्नद्धार, फैजाबाद की सुन्दरता को लेकर कार्यवाही राज्य सरकार की ओर से ही की जा रही है । मोदी जी 30 दिसम्बर को फैजाबाद रेलवे स्टेशन व नया बना हवाई अड्डे का उद्‌घाटन कर रहे हैं । शायद वे मन्दिर समिति के पदाधिकारियों से प्रगति का जायजा भी लें।
22 जनवरी 2024 को फैजाबाद जो अब अयोध्या कहलाता है, उस दिन केवल निमंत्रित लोग ही आ सकते हैं। साधू–संतों, महन्तों, मठाधीशों आदि धर्म कर्म में लिप्त लोगों के अलावा बड़े–बड़े उद्योगपतियों, सिने स्टारों, खिलाड़ियों, प्रसिद्धि प्राप्त लोगों के अलावा राजनीति से जुड़े लोगों को भी निमंत्रण गया है। कहते हैं सभी राजनैतिक दलों के मुखिया को भी बुलाया गया है। परन्तु अखिलेश यादव, उद्धव ठाकरे आदि को निमंत्रण नहीं गया है । कहने को तो निमंत्रण मन्दिर समिति द्वारा भेजा जा रहा है परन्तु टी.वी. चौनलों पर भाजपा के प्रवक्ता कहते हैं कि क्योंकि मुलायम सिंह के मुख्यमंत्री काल में कार सेवकों की धरपकड़ हुई थी, इसी से उनके पुत्र अखिलेश यादव को निमंत्रण नहीं गया है । यदि मुलायम सिंह हिन्दू विरोधी तो क्यों कर मरणोपरांत उन्हें पदम विभूषण से सम्मानित किया गया ? यह दोहरा रवैया क्यों ? यादव वोट साधने के लिए ही उन्हें पदम पुरस्कार दिया गया है, यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है । उद्धव ठाकरे को इसलिए निमंत्रण नहीं गया क्योंकि मन्दिर प्रबन्धकों की नजर में शिन्दे गुट ही असली शिवसेना है ।
लोग भूले नहीं हैं कि बाबरी मस्जिद्ध विध्वंस को लेकर विशेष कोर्ट में जो मुकदमा चला उसमें लालकृष्ण आडवाणी सहित भाजपा के सभी शीर्ष नेताओं ने कहा कि वे उस दिन बाबरी मस्जिद्ध के पास उपस्थित नहीं थे । जज साहब ने एक मिनट में फैसला सुनाकर सबको बरी कर दिया । बाला साहेब ठाकरे ने ताल ठोककर कहा था कि उनके शिव सैनिकों ने ही बाबरी मस्जिद्ध का ढांचा गिराया है।

कनवर्टेड हो चुके लोगों की स्वधर्म में हो रही वापसी, सनातन धर्म के प्रति आकर्षण तेजी से बढ़ा

लम्बे समय तक इनके ऊपर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया इसलिए देश में व्यापक स्तर पर 'कन्वर्जन' हुए। इसके विरुद्ध हाल ही के वर्षों में आई जागरुकता के बाद अब परिणाम सामने आने लगे हैं। दुनिया भर के सामने इसकी सच्चाई आ चुकी है।ग्रेगोरियन कैलेंडर के परिवर्तन के साथ ही पाश्चत्य नववर्ष प्रारंभ हो गया है। लोगों द्वारा नए वर्ष में नए विचारों के साथ स्वयं में सुधार करने की योजनायें बनायी जाती हैं। जीवन और लक्ष्यों को लेकर अनेक नवाचार किये जाते हैं, लेकिन अगर आपसे कहें कि कुछ लोग अपनी योजनायें और लक्ष्यों को लम्बे समय से वैसे ही रखे हुए हैं। तो आप कहेंगे, वह अपना काम अपने हिसाब से कर रहे हैं इससे हमें क्या ! परन्तु उनकी यह बातें सकारात्मक होतीं तो कुछ न था। उनके उद्देश्य नकारात्मक हैं, जो कि सभी के लिए चिंता के विषय हैं। आपको यह जानकार हैरानी होगी कि मत–संप्रदायों के कुछ लोग, लम्बे समय से मतांतरण के उद्देश्य को अपनी प्राथमिकताओं में रखकर लगातार इसके लिए कार्य कर रहे हैं। वह दूसरे धर्मों को नीचा दिखाकर, देवी–देवताओं का अपमान करके नागरिकों को अपने साथ शामिल करने का कार्य करते हैं। देश भर से मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसे कई मामले सामने आये हैं, जिनके आधार पर कहा जा सकता है कि 'कन्वर्जन' करने के लिए भोलेभाले बंधुओं को कभी रुपयों का लालच देकर तो कभी चिकित्सीय सुविधायें देने की बात बताकर उनका 'कन्वर्जन' कराया जाता रहा है। उन्हें कभी ईसाई तो कभी मुस्लिम बना लिया जाता है। इस रेस में ईसाई ज्यादा हावी होते हैं। लम्बे समय तक इनके ऊपर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया इसलिए देश में व्यापक स्तर पर 'कन्वर्जन' हुए। इसके विरुद्ध हाल ही के वर्षों में आई जागरुकता के बाद अब परिणाम सामने आने लगे हैं। दुनिया भर के सामने इसकी सच्चाई आ चुकी है। 'कन्वर्जन' का खेल अब जग जाहिर हो चुका है। सनातन जन–जन तक पहुंचा है। फलस्वरूप, प्रलोभनों में फंसे लोग अब स्वधर्म में वापसी करने लगे हैं। हाल ही में जब तमिलनाडु के युवा कल्याण और खेल विकास मंत्री उधयनिधि स्टालिन ने सनातन को खत्म करने की बात कही, तो देश भर में उनका विरोध हुआ। जगह–जगह उदयनिधि के पुतले जलाए गए व उसके ऊपर कार्रवाई की मांग उठी। जन–जन के जीवन में अपना हिस्सा रखने वाले सनातन की खूब चर्चाएँ हो रही हैं, इसकी शिक्षाओं से दुनिया भर के देश अपने कार्यों को कर रहे हैं। दुनिया में इसके प्रति सभी की स्वीकार्यता बढ़ती जा रही है। जैसा कि पहले ही बताया जिन लोगों को प्रलोभन देकर 'कन्वर्जन' कराया गया, अब वह भी अपने धर्म के प्रति वापिस आ रहे हैं और अपने हिन्दू होने पर गौरव कर रहे हैं। वर्ष 2023 में मध्य प्रदेश में ऐसे कई अवसर आये जब मतांतरित हुए परिवारों ने घरवापसी की। उन्होंने कहा कि दूसरे धर्म के लोगों ने उन्हें बहला फुसलाकर अपने मत–संप्रदाय में शामिल कर लिया था, लेकिन वह अब उनके चंगुल से निकल रहे हैं। 19 फरवरी 2023 रू छतरपुर में बागेश्वर धाम पहुंचकर 220 लोगों ने स्वधर्म वापसी की. यह लोग चार बसों में भरकर आसपास के ग्रामों से आये हुए थे। सभी 220 लोगों को पीले रंग की पट्टिका पहनाकर उनकी घर–वापसी कराई गई। यहाँ पहुंचें परिवारों के लोगों ने से किसी ने कहा कि उन्हें प्रलोभन देकर ईसाई बना लिया गया था। वहीं किसी ने बताया कि पहले उसकी ईसाई लडकी से शादी करा दी गयी, लेकिन वह घर नहीं आई और बोली ईसाई बनो उसके बाद ही वह घर आएगी। यह सभी परिवार एकजुट होकर बागेश्वर धाम पहुंचे जहाँ उन्होंने हिन्दू धर्म में वापसी की। 29 मार्च 2023 रू झाबुआ अंतर्गत आने वाले ग्राम धामंदा के परिवार के 8 लोगों ने की स्वधर्म में वापसी की। परिजन ने बताया कि वह पहले बीमार रहते थे, इसका फायदा उठाकर किसी ने उन्हें स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रलोभन दिया और उन्हें ईसाई धर्म में ले गया। नौ वर्ष पहले उन्हें ईसाई बना लिया गया था। वहां रहकर उन्हें ध्यान आया कि अपना सनातन धर्म ही बेहतर है, जिसके बाद परिवार के सभी जन ने घरवापसी का निर्णय लिया। पूरा परिवार कोकावद गाँव के महादेव धाम पहुंचें, यहां उन्होंने विशेष पूजा–अर्चना कर स्वधर्म में वापसी की। 30 अप्रैल 2023 रू बागेश्वर धाम के धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री की कथा सागर जिले के बेहेरिया में चल रही थी। कथा के दौरान 50 परिवार के 95 लोगों ने यहाँ घरवापसी की। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि निर्धन लोगों को मच्छरदानी और बकरी देने के साथ पढ़ाई आदि का प्रलोभन देकर ईसाई बनाया था। वह यहाँ कथा सुनने आये तो अपने धर्म में ही रहने के अन्दर इच्छा जागी, जिसके बाद उन्होंने कथा के दौरान घरवापसी की। सभी बोले अपना धर्म ही अच्छा है। 31 जुलाई 2023 रू देवास के ग्राम नेमावर गाँव में 190 लोगों की घरवापसी की। 35 परिवारों के लोग इन सभी लोगों ने संत समाज के सानिध्य में सनातन धर्म में वापसी की। उनमें से कुछ लोगों ने बताया कि उनके पूर्वज भीख मांगते थे और वह किसी कारणवश बने मुस्लिम बन गये थे। लेकिन अब वह स्वधर्म वापसी करना चाहते हैं क्योंकि अपना धर्म ही सबसे बढ़िया है। जिसके बाद नेमावर में नर्मदा स्नान, मुंडन, हवन, यज्ञोपवीत आदि क्रियाएं करने के बाद उन्होंने स्वधर्म वापसी की।
22 दिसम्बर 2023 मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के लगे गांव के नागरिकों ने ईसाई धर्म छोड़ कर पुनः हिंदू धर्म अपनाया। इस दिन यहाँ रहने वाले 152 लोगों ने घरवापसी की। इनमें बैतूल के 72 और महाराष्ट्र के अमरावती जिले से लगे 12 से ज्यादा गांवों के 80 लोग शामिल हैं। वह सभी सावलमेंढ़ा के रामदेव बाबा संस्थान पहुंचे। उन्होंने स्वधर्म वापसी की बात बताई तो उनके हाथों में कलावा बंधकर, उन्हें गंगाजल पिलाया और उनके पैर पखारकर उनके स्वधर्म वापसी के निर्णय पर उनका अभिनन्दन किया।
यह तो मध्य प्रदेश के कुछ ही मामले हैं। आप देश भर में देखेंगे तो इनकी संख्या और बढ़ जाएगी। 'कन्वर्जन' का खेल चला खूब चला है, तभी तो व्यापक स्तर पर लोग अब स्वधर्म वापसी करते हुए देखे जा रहे हैं। सनातन का चरमोत्कर्ष जन–जन के अन्दर पहुँच रहा है. इससे मिलने वाले जीवन के सभी दिशा–निर्देशों से दुनिया लाभान्वित होकर स्वयं को धन्य मान रही है। वहीं कनवर्टेड की स्वधर्म वापसी की राह के प्रारंभ होने से 'धर्म की जय, अधर्म का नाश' गुंजायमान होना प्रतीत होने लगा है।

इंडिया–समूह के अंकगणित का बीजगणित

पंकज शर्मा

28 दलों के राजनीतिक गठजोड़ 'इंडिया–समूह्' का बदन ऊपर से देखने में तो इतना गठीला दिखाई देता है कि परसों से शुरू हो रहे साल की गर्मियां आरंभ होते–होते नरेंद्र भाई मोदी का पसीना छुड़ा दे। लेकिन इस तन के भीतर मन जरा जर्जर लग रहे हैं। सो, अभी तो सब–कुछ राम भरोसे नजर आ रहा है। जरा सोचिए तो कि इंडिया–समूह के 28 राजनीतिक दलों में से 12 का लोकसभा में एक भी सदस्य नहीं है, मगर फिर भी निचले सदन में उसके पास 142 सांसद हैं। 98 सदस्य राज्यसभा में अलग हैं। देश भर में 1637 विधायक उस के पास हैं और विधान परिषदों में 120 सदस्य हैं। 10 प्रदेशों में इंडिया–समूह की सरकारें हैं। दस बरस के तकरीबन निरंकुश मोशा–राज के बाद क्या यह इतनी मामूली उपस्थिति है कि कोई इस की आसानी से अनदेखा कर सके?
इसलिए अगर इंडिया–समूह पूरे ईमानदार तालमेल और आपसी भलमनसाहत के साथ अपनी बिसात बिछाए तो क्या आप को नहीं लगता कि वह केंद्र में सरकार बनाने के लिए जरूरी 130 अतिरिक्त सीटें जीत सकता है? लालू प्रसाद–तेजस्वी यादव के राष्ट्रीय जनता दल का लोकसभा में अभी एक भी सदस्य नहीं है। बिहार की 40 सीटों में से इस बार वह कम–से–कम 15 जीतने की स्थिति में तो है ही। नीतीश के जनता दल यूनाइटेड की सीटें भी 16 से बढ़ कर 20 तक होने के आसार हैं। अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी के अभी सिर्फ 3 लोकसभा सदस्य हैं। इस बार उत्तर प्रदेश में उसे 80 में से करीब 15 सीटें मिलने की उम्मीद करना तो कोई अतिरेक नहीं होगा। शरद पवार की नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के पास महज 4 लोकसभा सदस्य हैं। महाराष्ट्र की 48 में से ज्यादा नहीं तो 10 सीटें तो वह जीत ही सकती है। 6 सांसदों वाली उद्धव ठाकरे की शिवसेना को भी इस बार 15 के आसपास सीटें मिलने की उम्मीद है। तमिलनाडु में एम.के.स्तालिन के द्रमुक की सीटें 24 से बढ़ कर कम–से–कम 30 तक पहुंचेंगी। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस भी 23 से बढ़ कर 30 पर पहुंचने की

स्थिति में है। वाम दलों, मुस्लिम लीग, नेशनल कांफ्रेंस और केरल कांग्रेस (मणि) वगैरह की हालत अगर जस–की–तस भी रही तो आम आदमी पार्टी अभी अपने एकमात्र लोकसभा सदस्य की संख्या को बढ़ा कर आधा दर्जन तक ले जाने का माद्दा तो रखती ही है। हेमंत सोरेन का झारखंड मुक्ति मोर्चा भी इस बार एक लोकसभा सदस्य की संख्या पर तो पड़ा नहीं रहेगा। अब बची कांग्रेस तो उस की मौजूदा 47 लोकसभा सदस्यों की तादाद कम–से–कम 95 का आंकड़ा तो आसानी से छू सकती है। अगर इंडिया–समूह के राजनीतिक दल 543 सीटों पर सचमुच एक सर्वसम्मत प्रत्याशी उतार ले गए तो कांग्रेस की सीटें 110 तक भी पहुंच सकती हैं।
यह अंकगणित केंद्र की मौजूदा सरकार को हलका–सा धक्का मार कर रायसीना की पहाड़ी से नीचे ठेलने में सक्षम है। मगर जितना यह अंकगणित आसान दिखाई दे रहा है, उतना ही असहज इस का बीजगणित नजर आता है। ममता कह रही हैं कि वे सीटों की जो भी हिस्सेदारी करेंगी, पश्चिम बंगाल के बाहर करेंगी। अखिलेश उत्तर प्रदेश से बाहर तो अठखेलियों के लिए तैयार हैं, मगर अपने आंगन को दूसरों के नाच के लिए टेढ़ा ही रखना चाहते हैं। अरविंद केजरीवाल दिल्ली और पंजाब को तो अपनी सल्तनत मान ही रहे हैं, मौका लगने पर गोआ इत्यादि में भी ठुमका लगाने की ललक पाले हुए हैं। यह दृश्यावली अगर जल्दी ही मनोरम नहीं हुई तो पिचका–दचका इंडिया–समूह क्या खचक नरेंद्र भाई के लहीमशहीमपन का मुकाबला कर पाएगा?
जरूरत तो इस बात की है कि बंगाल में तृणमूल, वाम दल और कांग्रेस चंदन–पानी की तरह घुलमिल जाएं। उत्तर प्रदेश में अखिलेश, मायावती, जयंत चौधरी और कांग्रेस हिलमिल जाएं। दिल्ली और पंजाब में केजरीवाल और कांग्रेस की निष्कपट जुगलबंदी आकार ले। महाराष्ट्र में शरद पवार पूरी पारदर्शिता के साथ उद्धव और कांग्रेस की ताल से ताल मिलाएं। जम्मू–कश्मीर–लद्दाख में फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती, गुलाम नबी आजाद और कांग्रेस सब भूल–भाल जाएं और सिर्फ सियासी चिड़िया की आंख पर आंख रखें। लेकिन यह सब तो ऐसा है, गोया, सब–कुछ खुदा से मांग लिया, इत्ता मांग के। इस के बाद तो मेरे हाथ और किसी दुआ के लिए कभी उठेंगे भी कैसे?
पर प्रभु श्रीराम भी क्या करें? जो इंडिया–समूह अपने पैरों के भरोसे, दौडने को तो छोडिए, चलने में भी इतनी देर लगा रहा है, उसे सियाराम अपनी गोद में उठा कर कैसे रायसीना के सिंहासन पर धर दें? कोई इंडिया–समूह से पूछे कि 23 जून को जब पटना में 16 विपक्षी दलों ने बैठक कर तय कर लिया था कि वे इकट्ठे चुनाव लडने की तैयारी में लगेंगे तो फिर छह महीने से वे सब कहां ऊंघ रहे थे? 18 जुलाई को तो बंगलूर में इंडिया–समूह के गठन का बाकायदा ऐलान भी हो गया था। तो ये पांच महीने चिलम फूंकते रहने में किस ने निकाले? 31 अगस्त को मुंबई में हुई इंडिया–समूह की बैठक में तो गठबंधन की खाका शक्ल तैयार हो गई थी। फिर दिल्ली की बैठक साढ़े तीन महीने बाद अभी 19 दिसंबर को क्यों हो पाई? समय की परवाह न करने वालों की समय भी क्यों परवाह करे? सो, इंडिया–समूह की मुट्ठी से समय की काफी रेत तो वैसे ही फिसल चुकी है। उस के नेता अगर अब भी देर करेंगे तो अगली गर्मियों में खाली हथेली पसारे भटकते मिलेंगे।
कांग्रेस ने एक काम थोड़ा अक्ल का किया कि गठबंधन के दलों से सीटों की हिस्सेदारी की बातचीत का जिम्मा अनुभवी और वरिष्ठ नेताओं की पांच सदस्यीय समिति को सौंपा। प्रयोगधर्मी उत्साहीलालों की तिकड़मों के चलते अगर यह काम चौआ–टोली के पास चला जाता तो सिर मुंडाते ही तमाम संभावनाओं पर ओले पड़ जाते। अच्छा हुआ कि यह भूमिका सांगठनिक समझबूझ रखने वाले अशोक गहलोत, भूपेश बघेल, मुकुल वासनिक, सलमान खुर्शीद और मोहन प्रकाश को मिली है। उन सब की अपनी–अपनी दक्षता और उपयोगिता है। मुझे लगता है कि सीट बंटवारे की आरंभिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद घटक दलों से अंतिम हिस्सेदारी तय करने का काम सोनिया गांधी अगर अंततरू स्वयं करेंगी तो बहुत–सी अलाएं–बलाएं खुद्–ब–खुद टल जाएंगी।
मेरी समझ में अब तक यह नहीं आया है कि इंडिया–समूह के लिए बनी समन्वय समिति, चुनाव रणनीति समिति, अभियान समिति, मीडिया कार्य प्रकोष्ठ, सोशल मीडिया कार्य प्रकोष्ठ और शोध कार्य प्रकोष्ठ ने इस बीच आसमान के कौन–से तारे तोड़ लाने का संयुक्त प्रयास कर दिखाया है? मगर फिर भी मैं यह मान कर चल रहा हूं कि उन की कोशिशों का कोई सकल स्वरूप शायद जल्दी ही हमें देखने को मिले। मकर संक्रांति के दिन अपनी श्भारत न्याय यात्राश् आरंभ करने से पहले राहुल गांधी को इंडिया–समूह के कालीन पर सारे जरूरी पैबंद इतनी खूबसूरती से चस्पा कर देने होंगे कि वे दूर तक, पास से भी दिखाई न दें। वे ऐसा कर पाए तो मणिपुर से इंफाल की डगर पर निकलने वाला उन का कारवां मार्च के तीसरे बुधवार को मुंबई पहुंचने तक आम चुनाव में विपक्षी विजय की इबारत लिख चुका होगा। मुश्किलें कम नहीं हैं, मगर अर्थवान देशवासियों की मनोकामना तो यही लगती है। सो, सकल–विपक्ष अगर आज लम्हों की खताएं करने से नहीं बचा तो सदियों तक उस का यह पाप कोई माफ नहीं करेगा।

आज का राशिफल

मेष राशि–आज का दिन आपके लिए ठीक–ठाक रहने वाला है। आप अपने आप को काफी तरोताजा महसूस करेंगे, जिससे आप अपने सभी कार्यों को समय पर पूरा करने में सफल होंगे। आज मित्रों की सहायता से आपको आय के अवसर मिलेंगे, जिनसे आप लाभ कमा कर आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाएंगे। आज का दिन आनंद से भरा रहेगा, आप जिंदगी को पूरी तरह जिएंगे। दोस्त शाम के लिए कोई बढ़िया योजना बनाकर आपका दिन खुशनुमा कर देंगे। छात्रों के लिए आज का दिन सफलता दिलाने वाला रहेगा।
' शुभ रंग– नारंगी
' शुभ अंक– 9
वृष राशि–आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। जो लोग नौकरी कर रहे हैं, उन्हें अपने कार्यक्षेत्र में दिए गए कार्यों को समय पर पूरा करना होगा। उच्च अधिकारियों द्वारा आपको शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। व्यवसाय कर रहे लोग नई–नई योजनाओं को लागू करेंगे, जिससे व्यापार को आगे बढ़ा सकें। आज आपको अचानक पैसों की आवश्यकता पड़ सकती है। सगे–संबंधियों से आपको सहायता मिलेगी। आज किसी भी स्थिति में आपको अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखना चाहिए। आजदांपत्य जीवन अच्छा बना रहेगा।
' शुभ रंग– लाल
' शुभ अंक– 2
मिथुन राशि–आज का दिन आपके लिए बढिया रहने वाला है। परिवार का सहयोग मिलेगा । परिवार के सभी लोग मिलकर किसी धार्मिक स्थान पर घूमने जाने की योजना बनाएंगे। नौकरी कर रहे लोगों को अपनी नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। जीवनसाथी को आप कोई नया कार्य शुरू करा सकते हैं। पिताजी आपके बिजनेस को बढ़ाने के लिए धन खर्च करेंगे। साथ ही किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह भी लेंगे। बच्चे आज खेल कूद में व्यस्त रहेंगे। कुल मिलाकर आज आपका दिन बढिया रहने वाला है।
' शुभ रंग– गोल्डन
' शुभ अंक– 4
कर्क राशि–आज का दिन उत्तम रहने वाला है । करीयर को बेहतर बनाने के लिए किये गये प्रयासों से आपको लाभ होगा। आज आपकी अच्छी छवि निखर कर लोगों के सामने आयेगी। संतान की सफलता के कारण, घर में खुशी का माहौल बना रहेगा। शाम को जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बीतेगा। बच्चे आज किसी जरुरी काम में अपनी माता की मदद मांगेंगे। जिससे उनके काम पूरे होंगे। आज आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा। रुका हुआ काम पूरा होगा आपको मानसिक शांति मिलेगी। जीवनसाथी आज आपको उपहार देंगे।
' शुभ रंग– गुलाबी
' शुभ अंक– 6
सिंह राशि–आज किस्मत का पूरा साथ मिलेगा। जो लोग बैंक में कार्य करते है वह आज अपना काम बहुत जल्द निपटा लेंगे। लवमेट आज किसी धार्मिक स्थल पर घूमने जायेंगे, एक दूसरे पर विश्वास बढ़ेगा। आज रुका हुआ पैसा आपको वापस मिलेगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी । आज आपके कार्यों की प्रशंसा दूर–दूर तक लोगों में इत्र की तरह महकेगी। आप सफलता की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ जायेंगे। छात्र किसी खास मामले में एकांत और शांति से विचार करेंगे, तो सब ठीक हो जायेगा।
' शुभ रंग– मैरून
' शुभ अंक– 1
कन्या राशि–आज का दिन खुशियां लेकर आया है। अपनी सकारात्मक सोच को सार्थक कामों में लगायेंगे तो आपकी रचनात्मक प्रतिभा सबके सामने खुलकर आएगी, लोगों के बीच आपका सम्मान बढ़ जायेगा। जो लोग डांस सीखना चाहते है, वह सोशल मिडिया की मदद से सीखेंगे। आज घर पर किसी चीज की मरम्मत करानी पड़ेगी। महिलाओं को घर के कार्यो से राहत मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। शाम का समय भाई बहनों के साथ हँसी–मजाक में बितेगा। जीवनसाथी आज आपको नन्हे मेहमान के आने की खुशखबरी दे सकते है। जीवन में चल रही समस्याओं का समाधान मिलेगा।

पाकिस्तानी ने कई हमलों से जुड़े टीटीपी के दो दर्जन सदस्यों को किया गिरफ्तार, खुफिया सूचना पर हुई कार्रवाई

पाकिस्तानी तालिबान, जिसे तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान या टीटीपी के नाम से जाना जाता है, एक अलग समूह है, लेकिन अफगान तालिबान के साथ संबद्ध है, जिसने अगस्त 2021 में अफगानिस्तान में सत्ता पर कब्जा कर लिया था क्योंकि अमेरिकी और नाटो सैनिक वहां से अपनी वापसी के अंतिम चरण में थे।पाकिस्तान की आतंकवाद निरोधक पुलिस ने सोमवार को कहा कि उन्होंने प्रतिबंधित आतंकवादी समूह, पाकिस्तानी तालिबान के लगभग दो दर्जन सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जो देश भर में कई घातक हमलों के पीछे रहा है। प्रांतीय आतंकवाद निरोधी विभाग ने एक बयान में कहा, खुफिया सूचना पर कार्रवाई करते हुए पिछले दो हफ्तों में पूर्वी पंजाब प्रांत में गिरफ्तारियां की गईं। पाकिस्तानी तालिबान, जिसे तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान या टीटीपी के नाम से जाना जाता है, एक अलग समूह है, लेकिन अफगान तालिबान के साथ संबद्ध है, जिसने अगस्त 2021 में अफगानिस्तान में सत्ता पर कब्जा कर लिया था क्योंकि अमेरिकी और नाटो सैनिक वहां से अपनी वापसी के अंतिम चरण में थे। बयान में यह भी कहा गया कि प्रतिबंधित बलूच

नेशनलिस्ट आर्मी के कथित मुख्य कमांडर मोहम्मद अरशद को गिरफ्तार कर लिया गया है, जो ज्यादातर दक्षिण–पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में काम करता है। बलूचिस्तान दो दशकों से अधिक समय से बलूच राष्ट्रवादियों द्वारा निम्न–स्तरीय विद्रोह का स्थल रहा है। वे शुरू में प्रांतीय संसाधनों का एक बड़ा हिस्सा चाहते थे, लेकिन बाद में स्वतंत्रता के लिए विद्रोह शुरू कर दिया। टीटीपी और अन्य घरेलू आतंकवादी समूह भी प्रांत में काम करते हैं।

इण्डिया पाकिस्तान ने एक–दूसरे को क्यों बताए अपने परमाणु ठिकाने ? वजह सुन रह जाएंगे हैरान

दोनों पक्ष परमाणु प्रतिष्ठानों के विवरण का खुलासा नहीं करते हैं। समझौते पर 31 दिसंबर, 1988 को हस्ताक्षर किए गए और 27 जनवरी, 1991 को लागू हुआ। इसमें कहा गया है कि भारत और पाकिस्तान को प्रत्येक कैलेंडर वर्ष की पहली जनवरी को समझौते के तहत शामिल होने वाले परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं के बारे में एक–दूसरे को सूचित करना चाहिए। भारत और पाकिस्तान ने सोमवार को उन परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान–प्रदान किया जिन पर शत्रुता की स्थिति में हमला नहीं किया जा सकता है, दोनों पड़ोसियों के बीच संबंध अब तक के सबसे निचले स्तर पर होने के बावजूद 1992 से चली आ रही परंपरा को बरकरार रखा गया है। विदेश मंत्रालय ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं के खिलाफ हमले के निषेध पर समझौते के प्रावधानों के अनुरूप नई दिल्ली और इस्लामाबाद में राजनयिक चौनलों के माध्यम से परमाणु सुविधाओं की सूचियों का एक साथ आदान–प्रदान किया गया। दोनों पक्ष परमाणु प्रतिष्ठानों के विवरण का खुलासा नहीं करते हैं। समझौते पर 31 दिसंबर, 1988 को हस्ताक्षर किए गए और 27 जनवरी, 1991 को लागू हुआ। इसमें कहा गया है कि भारत और पाकिस्तान को प्रत्येक कैलेंडर वर्ष की पहली जनवरी को समझौते के तहत शामिल होने वाले परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं के बारे में एक–दूसरे को सूचित करना चाहिए। यह दोनों देशों के बीच ऐसी सूचियों का लगातार 33वां आदान–प्रदान था, पहला आदान–प्रदान 1 जनवरी 1992

को हुआ था। आतंकवादी समूह लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) की 10 सदस्यीय टीम द्वारा 2008 के मुंबई हमलों के बाद तथाकथित समग्र वार्ता समाप्त करने के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच कोई औपचारिक या निरंतर बातचीत नहीं हुई है। पाकिस्तान में स्थित है. हमलों में 166 लोग मारे गए और कई घायल हुए। दोनों पक्षों के राजनीतिक नेतृत्व ने संपर्क फिर से शुरू करने के प्रयास किए, हालांकि ये प्रयास पाकिस्तान स्थित समूहों पर आधारित आतंकवादी हमलों की एक श्रृंखला के कारण पटरी से उतर गए। 2019 के पुलवामा आत्मघाती हमले के बाद भारत और पाकिस्तान शत्रुता के करीब आ गए, जिसका आरोप जैश–ए–मोहम्मद (श्रमड) पर लगाया गया था।

सुनामी की चेतावनी के बाद जापान में भारतीय दूतावास ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर्स, यहां यहां देखें

मध्य जापान और उसके पश्चिमी तट पर एक शक्तिशाली भूकंप और सुनामी आई, जिससे निवासियों को जगह खाली करने की चेतावनी दी गई, हजारों घरों की बिजली गुल हो गई और प्रभावित क्षेत्र के लिए उड़ानें और रेल सेवाएं बाधित हो गईं।जापान में भारतीय दूतावास ने 1 जनवरी, 2024 को द्वीप राष्ट्र में आए भूकंप और सुनामी के संबंध में किसी से भी संपर्क करने के लिए एक आपातकालीन नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। एक प्रेस बयान में दूतावास ने आपातकालीन नंबर और ईमेल आईडी जारी किए, जिन पर सहायता और राहत के लिए संपर्क किया जा सकता है। यहां आपातकालीन संपर्क विवरण हैं. 81–80–3930–1715 (याकूब टोपनो). 81–70–1492–0049 (अजय सेठी). 81–80–3214–4734 (डीएन बरनवाल). 81–80–6229–5382 (एस भट्टाचार्य). 81–80–3214–4722 (विवेक राठी) मध्य जापान और उसके पश्चिमी तट पर एक शक्तिशाली भूकंप और सुनामी आई, जिससे निवासियों को जगह खाली करने की चेतावनी दी गई, हजारों घरों की बिजली गुल हो गई और प्रभावित क्षेत्र के लिए उड़ानें और रेल सेवाएं बाधित हो गईं। देश के सार्वजनिक प्रसारक एनएचके के अनुसार, 7.6 की प्रारंभिक तीव्रता वाले भूकंप से जापान सागर के तट के कुछ हिस्सों में लगभग 1 मीटर की लहरें उठीं और एक बड़ी लहर की आशंका है।

मोदी, पुतिन, बाइडेन, इमरान, अमेरिका, भारत, बांग्लादेश सहित 50 देशों के वोटर्स करेंगे मतदान

देखना यह होगा कि रूस में व्लादिमीर पुतिन का मुकाबला कौन करेगा। भारत में यह देखना दिलचस्प होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लहर को रोकने के लिए विपक्ष क्या कर सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि 2024 में राजनीतिक दुनिया कैसे बदल सकती है। वर्ष 2024 चुनावों के लिहाज से एक रिकॉर्ड तोड़ने वाला वर्ष होगा। संयुक्त राज्य अमेरिका, भारत, मैक्सिको और दक्षिण अफ्रीका सहित 50 देशों के दो अरब से अधिक मतदाता अपने मतदान करेंगे। सभी की निगाहें संयुक्त राज्य अमेरिका पर होंगी, जहां एक पूर्व राष्ट्रपति गंभीर आपराधिक आरोपों का सामना करने के बावजूद फिर से चुनाव लड़ेंगे। देखना यह होगा कि रूस में व्लादिमीर पुतिन का मुकाबला कौन करेगा। भारत में यह देखना दिलचस्प होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लहर को रोकने के लिए विपक्ष क्या कर सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि 2024 में राजनीतिक दुनिया कैसे बदल सकती है। बांग्लादेश में सात जनवरी को आम चुनाव के लिए मतदान होने जा रहे हैं और इसके परिणाम भी पहले से निश्चित लग रहे हैं। पहले से ही, मुख्य विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी द्वारा सरकार विरोधी विरोध प्रदर्शन आयोजित किए गए हैं, जिनके शीर्ष नेता जेल में हैं या निर्वासित हैं। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने प्रधानमंत्री शेख हसीना के पद नहीं छोड़ने के कारण चुनाव का बहिष्कार किया है।फरवरी पाकिस्तान और इंडोनेशिया में चुनाव फरवरी में दुनिया के दो सबसे अधिक मुस्लिम आबादी वाले देश पाकिस्तान और इंडोनेशिया में एक सप्ताह के भीतर चुनाव होने

हैं। भ्रष्टाचार के आरोपों पर लोकप्रिय लेकिन विवादास्पद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के इस्तीफे के बाद पाकिस्तान में पहला आम चुनाव होगा। खान अपनी राजनीतिक पार्टी के पीछे प्रेरक शक्ति बने हुए हैं। इसके तुरंत बाद, इंडोनेशिया दुनिया के सबसे बड़े एक दिवसीय चुनाव की मेजबानी करेगा, जिसमें देश में 200 मिलियन से अधिक मतदाता और 1.75 मिलियन इंडोनेशियाई प्रवासी होंगे। मार्च व्लादिमीर पुतिन की नजर अगले छह साल पर युद्ध के दो साल बाद भी यूक्रेन में अपनी स्थिति बनाए रखने में अपने सैनिकों की सफलता से उत्साहित रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन मार्च में होने वाले चुनावों में अपने 24 साल के शासन को अगले छह साल तक बढ़ाने की उम्मीद कर रहे हैं। 8 दिसंबर को उन्होंने घोषणा की कि वह पांचवें कार्यकाल के लिए दौड़ रहे हैं, जो उन्हें 2030 तक सत्ता में बनाए रखेगा। 2020 में उन्होंने सैद्धांतिक रूप से 2036 तक सत्ता में बने रहने की अनुमति देने के लिए संविधान में संशोधन किया था, जो संभावित रूप से उन्हें जोसेफ स्टालिन से अधिक समय तक शासन करते हुए देख सकता था। चूंकि यूक्रेन में युद्ध का उपयोग असंतुष्टों और विरोधियों को बंद करने या चुप कराने के लिए किया जाता है, इसलिए किसी के भी उनके रास्ते में खड़े होने की संभावना बहुत कम है। अप्रैल–मई क्या तीसरी बार चलेगा मोदी मैजिक लगभग एक अरब भारतीय अप्रैल–मई में मतदान करने वाले हैं, जब भारत में आम चुनाव होंगे जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पार्टी तीसरे कार्यकाल की मांग कर रहे हैं। मोदी का राजनीतिक करियर और सफलता भारत के एक अरब से अधिक हिंदुओं के समर्थन पर आधारित है और आलोचकों का कहना है कि देश में मुस्लिम अल्पसंख्यकों के प्रति शत्रुता फैलाई जा रही है। उनकी निगरानी में नागरिक स्वतंत्रता पर कठोर कार्रवाई के बावजूद, वह वोट में स्पष्ट पसंदीदा बन गए, उनके समर्थकों ने उन्हें वैश्विक मंच पर अपने देश की स्थिति को बढ़ाने का श्रेय दिया। जून यूरोपीय संसद चुनाव जून में होने वाले दुनिया के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय चुनाव में 400 मिलियन से अधिक लोग यूरोपीय संसद चुनाव में मतदान करने के पात्र होंगे। यह वोट दक्षिणपंथी लोकलुभावन लोगों के लिए समर्थन की परीक्षा होगी, जिनकी नवंबर के डच चुनावों में गीर्ट वाइल्डर्स की इस्लाम विरोधी, यूरोपीय संघ विरोधी पीवीवी फ्रीडम पार्टी की जीत और पिछले साल जियोर्जिया मेलोनी की जीत के बाद हवा है। हालाँकि, ब्रुसेल्स पोलैंड से हिम्मत जुटा सकता है, जहाँ पूर्व यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष डोनाल्ड टस्क यूरोपीय संघ समर्थक मंच पर सत्ता में लौट आए हैं। राजधानी की एक वामपंथी पूर्व मेयर और स्वदेशी जड़ों वाली एक व्यवसायी महिला दोनों जून में मेक्सिको में मर्दानगी की परंपरा वाले देश की पहली महिला राष्ट्रपति बनकर इतिहास रचने की होड़ में हैं। मेक्सिको सिटी की पूर्व मेयर क्लाउडिया शीनबाम निवर्तमान राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुअल लोपेज ओब्रेडोर की मोरेना पार्टी की ओर से चुनाव लड़ रही हैं। उनके मुखर प्रतिद्वंद्वी जोचिटल गैलवेज को विपक्षी गठबंधन, ब्रॉड फ्रंट फॉर मेक्सिको का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया है। नवंबररू ट्रम्प–बाइडेन का मुकाबला 5 नवंबर को लाखों अमेरिकी एक प्रतियोगिता में एक राष्ट्रपति चुनेंगे जो 86 वर्ष की आयु तक मौजूदा जो बिडेन को सत्ता में रख सकता है। एक के बाद एक सर्वेक्षण से पता चलता है कि अधिकांश मतदाता सोचते हैं कि गलती करने वाले डेमोक्रेट कमांडर–इन–चीफ बनने के लिए बहुत बूढ़े हैं, बावजूद इसके कि उनके संभावित प्रतिद्वंद्वी, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प 77 साल की उम्र में भी इसी तरह की चूक कर रहे हैं।

ऐसा प्रतीत होता है कि दुष्प्रचार अभियान की एक विशेषता बन गया है, जो पिछली बेईमानी भरी प्रतियोगिता का एक हैंगओवर है, जो ट्रम्प समर्थकों द्वारा बिडेन की जीत के प्रमाणन को रोकने की कोशिश करने के लिए यूएस कैपिटल पर धावा बोलने के साथ समाप्त हुआ। अपने ऊपर कई आपराधिक मुकदमे लटके होने के बावजूद, ट्रम्प रिपब्लिकन पार्टी के नामांकन मुकाबले में स्पष्ट रूप से पसंदीदा बन गए हैं।

जरूरत पड़ने पर अमेरिका, द.कोरिया का 'नामोनिशान मिटा' देना चाहिए किम जोंग उन ने अपनी सेना से कहा

उधर, नव वर्ष के मौके पर सोमवार को अपने संबोधन में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल ने कहा कि वह उत्तर कोरियाई परमाणु खतरे से निपटने के लिए अपनी सेना को पूरी तरह तैयार रखने, मिसाइल रक्षा प्रणाली और जवाबी कार्रवाई क्षमताओं को मजबूत करने पर जोर देंगे। यून ने दक्षिण कोरिया के आधिकारिक नाम का उपयोग करते हुए कहा, ''कोरिया गणराज्य अपने आप को मजबूत करके वास्तविक, स्थायी शांति के निर्माण की दिशा में कदम बढ़ा रहा है, न कि ऐसी शांति जो विरोधी के सद्भाव पर निर्भर हो।उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपनी सेना से कहा कि अगर अमेरिका और दक्षिण कोरिया उसके खिलाफ उकसावे की कार्रवाई करते हैं तो उनका ''नामोनिशान मिटा'' देना चाहिए।'' सरकारी मीडिया ने सोमवार को यह जानकारी दी। सरकारी मीडिया ने बताया कि इसके साथ ही किम ने अमेरिकी नेतृत्व वाले अभूतपूर्व टकराव

से निपटने के लिए राष्ट्रीय रक्षा को मजबूत करने का संकल्प जताया है। अमेरिका–दक्षिण कोरियाई सैन्य अभ्यास के विस्तार के जवाब में उत्तर कोरिया ने हाल के महीनों में इस तरह की बयानबाजी तेज कर दी है। विशाज्ञों का मानना है कि नवंबर में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पहले तक उत्तर कोरिया इस तरह की बयानबाजी और हथियारों का परीक्षण जारी रख सकता है।पिछले सप्ताह सत्तारूढ़ दल की पांच दिवसीय बैठक में किम ने कहा कि वह इस साल तीन और सैन्य जासूसी उपग्रह का प्रक्षेपण करेंगे, अधिक परमाणु हथियारों का उत्पादन करेंगे और हमला करने वाले ड्रोन तैयार करेंगे। पर्यवेक्षकों का कहना है कि यह प्रयास भविष्य में अमेरिका पर कूटनीतिक दबाव बढ़ाने के लिए है। सेना के कमांडिंग अधिकारियों के साथ रविवार को हुई बैठक में किम ने देश के परमाणु हथियारों के संदर्भ में कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा की खातिर ''सबसे कीमती हथियार'' को हमले के लिए तैयार रखना जरूरी है। आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के अनुसार, किम ने इस बात पर जोर दिया अगर वे (अमेरिका, दक्षिण कोरिया) उत्तर कोरिया के खिलाफ उकसावे की कार्रवाई करते हैं तो ''हमारी सेना को बिना हिचक अपने सभी प्रमुख संसाधनों को जुटाकर उनका नामोनिशान मिटाने के लिए जवाबी हमला करना चाहिए।'' उधर, नव वर्ष के मौके पर सोमवार को अपने संबोधन में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल ने कहा कि वह उत्तर कोरियाई परमाणु खतरे से निपटने के लिए अपनी सेना को पूरी तरह तैयार रखने, मिसाइल रक्षा प्रणाली और जवाबी कार्रवाई क्षमताओं को मजबूत करने पर जोर देंगे। यून ने दक्षिण कोरिया के आधिकारिक नाम का उपयोग करते हुए कहा, ''कोरिया गणराज्य अपने आप को मजबूत करके वास्तविक, स्थायी शांति के निर्माण की दिशा में कदम बढ़ा रहा है, न कि ऐसी शांति जो विरोधी के सद्भाव पर निर्भर हो।

पाकिस्तान में 2023 के दौरान आतंकवाद के कारण मौतों की संख्या अभूतपूर्व स्तर पर पहुंची रिपोर्ट

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2023 में दर्ज की गई सभी हिंसा संबंधी मौतों में से लगभग 65 प्रतिशत मौतें आतंकवादी घटनाओं के कारण हुईं, जबकि शेष 35 प्रतिशत मौतें आतंकवादियों के खिलाफ सुरक्षा बलों के अभियानों से हुईं। इसमें कहा गया है कि देश में साल में कम से कम 586 आतंकवादी हमले किए गए। देश के सुरक्षा बलों ने इस अवधि में आतंकी समूहों के खिलाफ 197 अभियान चलाए, जिनमें 545 आतंकवादी मारे गए। पाकिस्तान में 2023 के दौरान आतंकवाद के कारण मौतों की संख्या में ''अभूतपूर्व'' वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें हिंसा से संबंधित कुल मौतें छह साल के रिकॉर्ड उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। इस दौरान सबसे अधिक प्रभावित प्रांतों में खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान शामिल रहे। एक थिंक टैंक की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। इस्लामाबाद स्थित 'सेंटर फॉर रिसर्च एंड सिक्योरिटी स्ट्डीज' (सीआरएसएस) द्वारा तैयार की गई वार्षिक सुरक्षा रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में पाकिस्तान में 789 आतंकी हमलों और आतंकवाद–रोधी अभियानों में कम से कम 1,524 लोगों की मौत हुई जबकि 1,463 लोग घायल हुए। इसके अनुसार, मारे गए लोगों में लगभग 1,000 नागरिक और सुरक्षा बल के जवान शामिल थे। रविवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया कि आतंकवाद के कारण मौत के मामले में यह छह साल का उच्चतम स्तर है, जो 2018 के स्तर से अधिक और 2017 के बाद से सबसे अधिक है। सीआरएसएस ने कहा कि 2021 के बाद से देश में हर साल हिंसा और आतंकी हमलों में वृद्धि हुई है। इसने खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांतों को हिंसा के मुख्य केंद्रों के रूप में चिह्नित किया। इस अवधि के दौरान दर्ज की गई सभी मौतों में से 90 प्रतिशत

इन प्रांतों में हुईं। इसके विपरीत, पंजाब और सिंध प्रांतों में संयुक्त रूप से 2023 में केवल आठ प्रतिशत मौतें हुईं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2022 में कुल मौतों की संख्या 980 से बढ़कर 2023 में 1,524 हो गई। इसमें बलूचिस्तान प्रांत में 57 प्रतिशत और खैबर पख्तूनख्वा में 55 प्रतिशत की चिंताजनक बढ़ोतरी शामिल है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2023 में दर्ज की गई सभी हिंसा संबंधी मौतों में से लगभग 65 प्रतिशत मौतें आतंकवादी घटनाओं के कारण हुईं, जबकि शेष 35 प्रतिशत मौतें आतंकवादियों के खिलाफ सुरक्षा बलों के अभियानों से हुईं। इसमें कहा गया है कि देश में साल में कम से कम 586 आतंकवादी हमले किए गए। देश के सुरक्षा बलों ने इस अवधि में आतंकी समूहों के खिलाफ 197 अभियान चलाए, जिनमें 545 आतंकवादी मारे गए।

संसद हमले का मास्टरमाइंड मसूद अजहर पाकिस्तान में हुआ ढेर, कंधार में अज्ञात हमलावरों द्वारा बम से उड़ाए जाने की खबर

मौलाना मसूद अजहर की धार में अज्ञात हमलावरों द्वारा किए गए बम विस्फोट में मौत हो गई है। बम कार के केबिन के दाहिने दरवाजे के पास विस्फोट हुआ।पाकिस्तान के हुक्मरानों का प्यारा और संसद हमले का रचयिता, आतंक का आका मसूद अजहर के मारे जाने की खबर सामने आई है। अपुष्ट रिपोर्टों में कहा गया है कि आतंकवादी समूह जैश ए मोहम्मद के प्रमुख मौलाना मसूद अजहर की कंधार में अज्ञात हमलावरों द्वारा किए गए बम विस्फोट में मौत हो गई है। बम कार के केबिन के दाहिने दरवाजे के पास विस्फोट हुआ। हालाँकि अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन रिपोर्टों से संकेत मिलता है

जरूरत पड़ने पर अमेरिका, द.कोरिया का 'नामोनिशान मिटा' देना चाहिए किम जोंग उन ने अपनी सेना से कहा

उधर, नव वर्ष के मौके पर सोमवार को अपने संबोधन में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल ने कहा कि वह उत्तर कोरियाई परमाणु खतरे से निपटने के लिए अपनी सेना को पूरी तरह तैयार रखने, मिसाइल रक्षा प्रणाली और जवाबी कार्रवाई क्षमताओं को मजबूत करने पर जोर देंगे। यून ने दक्षिण कोरिया के आधिकारिक नाम का उपयोग करते हुए कहा, ''कोरिया गणराज्य अपने आप को मजबूत करके वास्तविक, स्थायी शांति के निर्माण की दिशा में कदम बढ़ा रहा है, न कि ऐसी शांति जो विरोधी के सद्भाव निर्भर हो। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपनी सेना से कहा कि अगर अमेरिका और दक्षिण कोरिया उसके खिलाफ उकसावे की कार्रवाई करते हैं तो उनका ''नामोनिशान मिटा'' देना चाहिए।'' सरकारी मीडिया ने सोमवार को यह जानकारी दी। सरकारी मीडिया ने बताया कि इसके साथ ही किम ने

अमेरिकी नेतृत्व वाले अभूतपूर्व टकराव से निपटने के लिए राष्ट्रीय रक्षा को मजबूत करने का संकल्प जताया है। अमेरिका–दक्षिण कोरियाई सैन्य अभ्यास के विस्तार के जवाब में उत्तर कोरिया ने हाल के महीनों में इस तरह की बयानबाजी तेज कर दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि नवंबर में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पहले तक उत्तर कोरिया इस तरह की बयानबाजी और हथियारों का परीक्षण जारी रख सकता है। पिछले सप्ताह सत्तारूढ़ दल की पांच दिवसीय बैठक में किम ने कहा कि वह इस साल तीन और सैन्य जासूसी उपग्रह का प्रक्षेपण करेंगे, अधिक परमाणु हथियारों का उत्पादन करेंगे और हमला करने वाले ड्रोन तैयार करेंगे। पर्यवेक्षकों का कहना है कि यह प्रयास भविष्य में अमेरिका पर कूटनीतिक दबाव बढ़ाने के लिए है। सेना के कमांडिंग अधिकारियों के साथ रविवार को हुई बैठक में किम ने देश के परमाणु हथियारों के संदर्भ में कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा की खातिर ''सबसे कीमती हथियार'' को हमले के लिए तैयार रखना जरूरी है। आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के अनुसार, किम ने इस बात पर जोर दिया अगर वे (अमेरिका, दक्षिण कोरिया) उत्तर कोरिया के खिलाफ उकसावे की कार्रवाई करते हैं तो ''हमारी सेना को बिना हिचक अपने सभी प्रमुख संसाधनों को जुटाकर उनका नामोनिशान मिटाने के लिए जवाबी हमला करना चाहिए।'' उधर, नव वर्ष के मौके पर सोमवार को अपने संबोधन में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल ने कहा कि वह उत्तर कोरियाई परमाणु खतरे से निपटने के लिए अपनी सेना को पूरी तरह तैयार रखने, मिसाइल रक्षा प्रणाली और जवाबी कार्रवाई क्षमताओं को मजबूत करने पर जोर देंगे। यून ने दक्षिण कोरिया के आधिकारिक नाम का उपयोग करते हुए कहा, ''कोरिया गणराज्य अपने आप को मजबूत करके वास्तविक, स्थायी शांति के निर्माण की दिशा में कदम बढ़ा रहा है, न कि ऐसी शांति जो विरोधी के सद्भाव निर्भर हो।

लीडरशिप का मतलब केवल... कप्तानी बैन पर छलका डेविड वार्नर का दर्द

डेविड वॉर्नर पर साल 2018 में साउथ अफ्रीका में बॉल टेम्परिंग स्कैंडल के बाद खेलने और कप्तानी बैन लगा था। अब वॉर्नर ने इस मामले पर अपना दर्द बयां किया है। वॉर्नर ने बतौर प्लेयर तो वापसी कर ली लेकिन क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने उन्हें इंटरनेशनल क्रिकेट में कप्तानी करने से हमेशा के लिए प्रतिबंधित कर दिया। ऑस्ट्रेलिया के ओपनर डेविड वॉर्नर ने टेस्ट के बाद वनडे से भी संन्यास की घोषणा कर दी है। जिसके बाद अब वो 3 जनवरी को सिडनी में पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे मैच में मैदान पर उतरेंगे और क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट को अलविदा कह देंगे। बता दें कि, वॉर्नर पर साल 2018 में साउथ अफ्रीका में बॉल टेम्परिंग स्कैंडल के बाद खेलने और कप्तानी बैन लगा था। अब वॉर्नर ने इस मामले पर अपना दर्द बयां किया है। 2018 के दौरान बॉल टेम्परिंग स्कैंडल के दौरान वॉर्नर ऑस्ट्रेलियाई टीम के उपकप्तान थे। वॉर्नर ने बतौर प्लेयर तो वापसी कर ली लेकिन क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने उन्हें इंटरनेशनल क्रिकेट में कप्तानी करने से हमेशा के लिए प्रतिबंधित कर दिया। वनडे रिटायरमेंट के बाद वॉर्नर ने कप्तानी पर लगे बैन को लेकर अपने दिल की बात कही है। उनका कहना है कि लीडरशिप का मतलब केवल कैप्टन का बैज पहनना नहीं होता है। वॉर्नर ने ऑस्ट्रेलिया बनाम पाकिस्तान तीसरे टेस्ट से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उन्हें अपने करियर को लेकर कोई पछतावा नहीं है और वह गेंद से छेड़छाड़ की घटना से आगे निकल चुके हैं। उन्होंने कहा, मुझे पता था कि इस तरह का सवाल मेरे सामने आएगा। कई सारी बाधाएं आती हैं, जिनसे

आपको पार पाना होगा और आगे बढ़ना होगा। मैंने गरिमा के साथ ऐसा किया है। बता दें कि, वॉर्नर ने 2022 में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा लगाए लीडरशिप बैन को हटाने का प्रयास किया। लेकिन उन्होंने प्रक्रिया पर असंतोष व्यक्ति करते हुए अपनी अपील वापस ले ली। वॉर्नर ने कहा कि, जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो लगता है कि इसे अलग तरीके से संभाला जा सकता था। लेकिन मुझे लगता है कि निक हॉले ने इसे बोर्ड के सामने रखने का पूरा प्रयास किया और निर्णय लिया गया। हालांकि, मैं उससे खुश हूं और मैं उससे आगे भी बढ़ गया हूं। वॉर्नर ने आगे कहा कि, मैंने अपने लीडरशिप रोल का लुत्फ उठाया है। लेकिन हाल के सालों में मैंने सीखा है कि लीडरशिप का मतलब कैप्टन या उपकप्तान का बैज पहनना नहीं है। ये खुद के प्रति सच्चा होने, मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह उदाहरण स्थापित करने के बारे में है।

टेस्ट के बाद वनडे से भी संन्यास लिया डेविड वार्नर ने

पोंटिंग ने वार्नर की तुलना में 205 पारियां अधिक खेली। वार्नर ने अभी तक 111 टेस्ट मैच खेले हैं जिनमें उनके नाम पर 44.58 की औसत से 8695 रन दर्ज हैं। उनके नाम पर टेस्ट क्रिकेट में 26 शतक और 36 अर्धशतक दर्ज हैं। वह ऑस्ट्रेलिया की तरफ से टी20 क्रिकेट में खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे और उन्हें उम्मीद है कि जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले विश्व कप में उन्हें अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा। वार्नर इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेल रहे हैं तथा टेस्ट और वनडे से संन्यास लेने के बाद उनका विश्व भर की टी20 लीग में खेलने की संभावना है। दिग्गज बल्लेबाज डेविड वार्नर ने अपना अंतिम टेस्ट मैच खेलने से पहले सोमवार को एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से भी संन्यास लेने की घोषणा की लेकिन वह ऑस्ट्रेलिया की तरफ से टी20 क्रिकेट में खेलना जारी रखेंगे। इस 37 वर्षीय सलामी बल्लेबाज ने हालांकि स्पष्ट किया है कि अगर 2025 में होने वाली चौंपियंस ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम को उनकी जरूरत पड़ती है तो वह चयन के लिए उपलब्ध

रहेंगे। अपने घरेलू मैदान सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर अपना अंतिम टेस्ट मैच खेलने से पहले वार्नर ने खुलासा किया कि ऑस्ट्रेलिया का नवंबर में भारत के खिलाफ विश्व कप फाइनल उनका 50 ओवर के प्रारूप में आखिरी मैच था। वार्नर ने सोमवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा,''मैं निश्चित रूप से एकदिवसीय क्रिकेट से भी संन्यास ले रहा हूं। यह कुछ ऐसा था जो मैंने (50 ओवर के) विश्व कप (2023 में भारत में) के दौरान कहा था कि भारत में जीत दर्ज करो। यह वास्तव में बहुत बड़ी उपलब्धि है।'' उन्होंने कहा,''इसलिए मैं आज इन प्रारूप से संन्यास लेने का फैसला कर रहा हूं जिससे मुझे दुनिया भर के अन्य लीग में खेलने का भी मौका मिलेगा। मैं जानता हूं कि चौंपियंस ट्रॉफी का आयोजन जल्द होगा। इन दो वर्षों में अगर मैं अच्छी क्रिकेट खेलता रहा और उन्हें मेरी जरूरत महसूस होती है तो मैं चयन के लिए उपलब्ध रहूंगा।''दुनिया के विस्फोटक बल्लेबाजों में से एक वार्नर के नाम पर वनडे विश्व कप के दो खिताब दर्ज हैं जिनमें विश्व कप 2023 में भारत के खिलाफ फाइनल की जीत भी शामिल है। इस टूर्नामेंट में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की तरफ से सर्वाधिक रन बनाए थे। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज वार्नर ने 2009 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होबार्ट में अपने वनडे करियर का आगाज किया था। उन्होंने अपने करियर में 161 वनडे मैच खेले जिनमें 45.30 की औसत से 6932 रन बनाए। उनके नाम पर इस प्रारूप में 22 शतक और 33 अर्धशतक भी दर्ज हैं। वह ऑस्ट्रेलिया की तरफ से वनडे क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में छठे नंबर पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के लिए सर्वाधिक शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में वह रिकी पोंटिंग के बाद दूसरे स्थान पर हैं। पोंटिंग ने वार्नर की तुलना में 205 पारियां अधिक खेली। वार्नर ने अभी तक 111 टेस्ट मैच खेले हैं जिनमें उनके नाम पर 44.58 की औसत से 8695 रन दर्ज हैं। उनके नाम पर टेस्ट क्रिकेट में 26 शतक और 36 अर्धशतक दर्ज हैं। वह ऑस्ट्रेलिया की तरफ से टी20 क्रिकेट में खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे और उन्हें उम्मीद है कि जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले विश्व कप में उन्हें अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा। वार्नर इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेल रहे हैं तथा टेस्ट और वनडे से संन्यास लेने के बाद उनका विश्व भर की टी20 लीग में खेलने की संभावना है।

स्टीव वा ने टेस्ट क्रिकेट को तवज्जो नहीं देने के लिए आईसीसी और शीर्ष क्रिकेट बोर्ड को लताड़ा

वॉ ने कहा,''अगर आईसीसी या किसी अन्य ने जल्द ही कोई कदम नहीं उठाया तो टेस्ट क्रिकेट वैसा नहीं रहेगा जैसा उसे होना चाहिए क्योंकि आप सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के सामने खुद को नहीं परख रहे हैं। मैं जानता हूं कि खिलाड़ी इस प्रारूप में क्यों नहीं खेलना चाहते हैं। उन्हें पर्याप्त धनराशि नहीं मिल रही है।'' उन्होंने कहा,''मेरी समझ में नहीं आता कि आईसीसी या अन्य शीर्ष देश जो ढेर सारा पैसा कमा रहे हैं, वह टेस्ट मैच के लिए एक नियमित शुल्क तय क्यों नहीं करते जिससे कि खिलाड़ियों को टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ ने टेस्ट क्रिकेट को प्राथमिकता नहीं देने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सहित दुनिया के शीर्ष क्रिकेट बोर्डों की कड़ी आलोचना की है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने अपनी टी20 लीग को प्राथमिकता देते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले महीने होने वाली दो टेस्ट मैच की श्रृंखला

के लिए कमजोर टीम का चयन किया है। उसने नया कप्तान चुना है और उसकी टीम में सात ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने अभी तक अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। वॉ ने दक्षिण अफ्रीका के इस फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए अन्य क्रिकेट बोर्ड और आईसीसी पर भी निशाना साधा। वॉ ने सिडनी मार्निंग हेराल्ड से कहा,''निश्चित तौर पर उन्हें (टेस्ट क्रिकेट की) कोई परवाह नहीं है। अगर दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को स्वदेश में रखकर भविष्य के लिए कोई संकेत दे रहा है तो फिर ऐसा होने वाला है।'' उन्होंने कहा,''अगर मैं न्यूजीलैंड की जगह होता तो मैं श्रृंखला में नहीं खेलता। मैं नहीं जानता कि वह क्यों खेल रहे हैं। अगर आप न्यूजीलैंड क्रिकेट के प्रति सम्मान नहीं दिखाते तो फिर खेलने का क्या मतलब।'' वॉ ने कहा,''क्या यह टेस्ट क्रिकेट के समाप्त होने का निर्णायक क्षण है। निश्चित तौर पर आईसीसी तथा भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेट बोर्ड को खेल के इस विशुद्ध प्रारूप को बचाने के लिए प्रयास करने चाहिए।'' ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने कहा,''इतिहास और परंपरा भी अपना महत्व रखती हैं। अगर हमने कोई कदम नहीं उठाया और मुनाफा हासिल करने को ही अपना मानदंड माना, तो (सर डॉन) ब्रैडमैन, (डब्ल्यूजी) ग्रेस और (सर गारफील्ड) सोबर्स की विरासत अप्रासंगिक हो जाएगी।'' यह पहला अवसर नहीं है जबकि दक्षिण अफ्रीका ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के बजाय अपनी घरेलू टी20 लीग को प्राथमिकता दी। पिछले साल उसने आस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिए कमजोर टीम का चयन किया था क्योंकि उसके सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी लीग में खेल रहे थे। वॉ ने कहा,''अगर आईसीसी या किसी अन्य ने जल्द ही कोई कदम नहीं उठाया तो टेस्ट क्रिकेट वैसा नहीं रहेगा जैसा उसे होना चाहिए क्योंकि आप सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के सामने खुद को नहीं परख रहे हैं। मैं जानता हूं कि खिलाड़ी इस प्रारूप में क्यों नहीं खेलना चाहते हैं। उन्हें पर्याप्त धनराशि नहीं मिल रही है।'' उन्होंने कहा,''मेरी समझ में नहीं आता कि आईसीसी या अन्य शीर्ष देश जो ढेर सारा पैसा कमा रहे हैं, वह टेस्ट मैच के लिए एक नियमित शुल्क तय क्यों नहीं करते जिससे कि खिलाड़ियों को टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

केएल राहुल और स्मृति मंधाना से लेकर कई खिलाड़ियों ने दी नए साल की बधाई

भारतीय क्रिकेटर्स ने भी अपने फैंस को नए साल की बधाई दी है। बता दें कि, इस समय भारतीय पुरुष टीम केपटाउन में हैं जहां उसे रोहित शर्मा की कप्तानी में साउथ अफ्रीका के खिला दूसरा टेस्ट खेलना है। दुनिया भर में नए साल का जश्न मनाया जा रहा है। सभी एक दूसरे को नए साल की बधाइयां दे रहे हैं। वहीं इस बीच भारतीय क्रिकेटर्स ने भी अपने फैंस को नए साल की बधाई दी है। बता दें कि, इस समय भारतीय पुरुष टीम केपटाउन में हैं जहां उसे रोहित शर्मा की कप्तानी में साउथ अफ्रीका के खिला दूसरा टेस्ट खेलना है। संेचुरियन में शतक लगाने वाले केएल राहुल ने फैंस को

ट्वीट कर विश किया है। उन्होंने ग पर लिखा कि, सभी के लिए ये नया साल प्यार, सकारात्मकता और रोमांच से भरा हो, यही मेरी कामना है। हैप्पी न्यू ईयर। राहुल ने पहले टेस्ट में बेहतरीन 101 रन की पारी खेली। विराट कोहली के अलावा इस मुकाबले में राहुल ने ही अच्छा प्रदर्शन किया। हालांकि, टीम इंडिया इस मुकाबले को जीतन में असफल रही। इसके साथ ही, अजिंक्य रहाणे ने अपने परिवार के साथ नया साल मनाते हुए तस्वीर शेयर की है। और उन्होंने अपने फैंस को नए साल की शुभकामनाएं दी हैं। वहीं दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने भी सभी को नववर्ष की बधाई दी हैं। सचिन ने ट्वीट करते हुए लिखा कि नया साल नए सपनों को लिखने और मौजूदा सपनों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध होने का एक अच्छा समय है। स्टार भारतीय महिला क्रिकेट स्मृति मंधाना ने ट्वीट करते हुए लिखा कि, आने वाले साल में आपको खुशी, सफलता और रोमांच की शुभकामनाएं। नई शुरुआत के लिए सभी को शुभकामनाए। हैप्पी न्यू ईयर।

गौतम गंभीर के बाद सहायक कोच विजय दहिया ने छोड़ा का दामन

लखनऊ सुपर जायंट्स के कोचिंग स्टाफ से एक और सदस्य ने टीम को छोड़ दिया है। दरअसल, एलएसजी के बल्लेबाजी कोच विजय दहिया अब टीम का हिस्सा नहीं है। इसकी जानकारी फ्रेंचाइजी ने खुद सोशल मीडिया के जरिए दी है। आईपीएल 2024 से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स के कोचिंग स्टाफ से एक और सदस्य ने टीम को छोड़ दिया है। दरअसल, एलएसजी के बल्लेबाजी कोच विजय दहिया अब टीम का हिस्सा नहीं है। इसकी जानकारी फ्रेंचाइजी ने खुद सोशल मीडिया के जरिए दी है। अभी कुछ महीनों पहले मेंटॉर गौतम गंभीर ने एलएसजी से अलग होकर केकेआर में वापस चले गए। वहीं अब कोचिंग स्टाफ से एक और सदस्य ने लखनऊ का दामन छोड़ दिया है। दो साल से लखनऊ सुपर जायंट्स में बतौर सहायक कोच रहे विजय दहिया के जाने से क्रिकेट जगत में चर्चाओं का माहौल भी तेज हो गया है। फैंस के बीच चर्चाएं हैं कि गंभीर के जाने के बाद दहिया का जाना भी लगभग तय माना जा रहा था। केएल राहुल की कप्तानी वाली टीम ने मुख्य कोच एंडी फ्लॉवर के रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरू चले जाने के बाद जस्टिन लैंगर को पद सौंपा था। इसके अलावा फ्रेंचाइजी ने श्रीधरन को भी टीम में शामिल किया है।

डेविड वार्नर ने टेस्ट के बाद लिया वनडे से संन्यास, वर्ल्ड कप 2023 में खेला था आखिरी वनडे

ऑस्ट्रेलिया के ओपनर बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने टेस्ट क्रिकेट के बाद अब वनडे से भी संन्यास ले लिया है। भारत के खिलाफ अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए वर्ल्ड कप 2023 फाइनल मुकाबला उनका आखिरी वनडे मुकाबला था। डेविड वॉर्नर ने बुधवार से शुरू होने वाली सिडनी टेस्ट से ठीक पहले वनडे क्रिकेट से भी संन्यास ले लिया है। भारत के खिलाफ अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए वर्ल्ड कप 2023 फाइनल मुकाबला उनका आखिरी वनडे मुकाबला था। वे 3 जनवरी से आखिरी टेस्ट मैच देश के लिए खेलने वाले हैं। पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला डेविड वॉर्नर का रेड बॉल क्रिकेट में आखिरी टेस्ट मैच होगा। जिसका ऐलान वे आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप के दौरान कर चुके थे। फॉक्स क्रिकेट के मुताबिक, डेविड वॉर्नर ने घोषणा की है कि वह पाकिस्तान के खिलाफ सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में अपने विदाई टेस्ट मैच से पहले वनडे क्रिकेट से भी संन्यास ले लेंगे। सोमवार की सुबह नए साल के मौके पर आखिरी टेस्ट मैच से पहले मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का एक महान निर्णय लिया है। टेस्ट से रिटायर हो रहे बाएं हाथ के इस ओपनर ने ये भी कहा कि वह वनडे फॉर्मेट से भी संन्यास ले लेंगे। वॉर्नर ने स्पष्ट किया कि अगर ऑस्ट्रेलिया को 2025 में आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी के लिए सलामी बल्लेबाज की जरूरत होगी तो वह इसके लिए तैयार हैं। लेकिन उन्होंने कहा कि वनडे क्रिकेट से संन्यास लेने से उन्हें विदेशों में फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलने के ज्यादा अवसर मिलेंगे।

बच्चों के साथ इस तरह बनाएं हेल्दी बान्ड, फिर आपसे कुछ न छुपाएगा, हर बात बताएगा

आजकल ज्यादातर पेरेंट्स वर्किंग हैं. इस वजह से बच्चे ज्यादा समय अकेले ही रहते हैं. जिस वजह से उनका माता–पिता के साथ हेल्दी रिलेशन नहीं बन पाता है. ऐसे में बच्चों में जिद्दीपन आ जाता है या फिर वे चुप–चुपकर रहने लगते हैं. इसकी वजह से कुछ बच्चे डिप्रेशन जैसी गंभीर मानसिक बीमारी की चपेट में भी आ जाते हैं. ऐसे में हेल्थ एक्सपर्ट्स कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिससे आप अपने बच्चे के साथ हेल्दी बॉन्ड बना सकते हैं. इससे उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं आती और वे अपनी हर बात आपसे शेयर करने लगते हैं.

बच्चों से इस तरह बनाएं हेल्दी बॉन्ड

बच्चों के साथ फ्रेंड्स की तरह रहिए

सबसे पहली बात की अपने बच्चे के साथ हमेशा दोस्त की तरह रहिए. ऑफिस से आने के बाद सबसे पहले उनसे मिलें और उनके दिनभर के रूटीन को जानिए. इससे बच्चा आपसे हर बात शेयर करेगी और

आपको दोस्त समझेगा. वह हर अच्छी और बुरी बात आपसे शेयर करने लगेगा.पशब्दों का इस्तेमाल न करेंकई पैरेंट्स बच्चों को डांटते या मारते समय अपशब्द बोलते हैं. जिसका बुरा असर बच्चों के दिमाग पर पड़ता है. इसलिए कभी भी गुस्से में गलत शब्दों का इस्तेमाल बच्चों के सामने करने से बचिए. किसी बात पर उन्हें समझाएं और कोशिश करें कि उन्हें हर्ट न हो. इससे बच्चे आपसे अच्छा बॉन्ड बना पाएंगे.समय निकालकर बच्चों के साथ खेलें

बच्चों के साथ हेल्दी बॉन्ड बनाना है तो समय निकालकर उनके साथ खेलें. लूडो, चेस, टेबल टेनिस, फुटबाल या कोई और गेम खेल सकते हैं. इससे बच्चा आपसे अच्छा बॉन्ड बना पाएगा और आप दोनों का रिलेशन काफी मजबूत होगा. इसका फायदा बच्चों को दिमाग को भी होगा और वह खुश रहेगा.

बच्चों को कहानियां सुनाएं

रात में सोने से पहले बच्चें को मोरल वैल्यूज वाली कहानियां जरूर सुनाएं. इससे बच्चे के अंदर अच्छे संस्कार आते हैं और उसे अच्छी नींद भी आती है. कहानियों से बच्चों का माता–पिता से अच्छा बॉन्ड बनता है. यह सबसे अच्छा तरीका भी माना जाता है. इसके अलावा अपनी इच्छाएं बच्चों पर कभी न थोपे. उनकी पसंद का ख्याल जरूर रखें.

हद से ज्यादा गाजर खाने से हो सकती है ये गंभीर बीमारी, जानेंगे तो उड़ जाएंगे होश

सर्दियों में लोग गाजर खूब खाते हैं. कई लोग गाजर के पराठे के साथ–साथ गाजर का हलवा भी खाते हैं. कई लोग गाजर का आचार भी खाते हैं. लेकिन आपकी जानकारी के लिए बता दें कि हद से ज्यादा गाजर खाना काफी ज्यादा नुकसानदायक होता है. ज्यादा गाजर खाने से पेट से जुड़ी दिक्कत हो सकती है. सर्दियों में लोग खूब गाजर खाते हैं. कई लोग पराठा, हलवा, सलाद, आचार, सब्जी, अचार, पराठे और कई तरह के चीजें में मिलाकर बनाते हैं. लेकिन क्या आपको पता है गाजर आपकी सेहत के लिए फायदेमंद है तो वहीं इसे ज्यादा खाने के नुकसान भी हैं. आइए जानें गाजर खाने से कौन सी बीमारी हो सकती है.

ये बीमारी से पीडिघ्त लोग न खाएं गाजर

जिन लोगों को बीपी और ब्लड शुगर की दिक्कत है तो उन्हें ज्यादा गाजर नहीं खाना चाहिए. यह खाने से ब्लड में शुगर का लेवल बढ़ सकता है. ऐसे लोगों को गाजर खाने से

पहले एक बार डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए. जिन लोगों को नींद की समस्या होती है. उन्हें गाजर से दूरी बनानी चाहिए. एक्सपर्ट की मानें तो गाजर का पीला हिस्सा गर्म होता है. इसे ज्यादा खाने से पेट में गर्मी गले में जलन की दिक्कत हो सकती है. ज्यादा गाजर खाने से दांत में दर्द भी पैदा हो सकती है. गाजर का पीला हिस्सा आपके दांतों में काफी हद तक कमजोर कर सकती है. इसलिए जिन लोगों को दांत से जुड़ी समस्या है उन्हें ज्यादा गाजर नहीं खाना चाहिए.

ब्रेस्टफीडिंग करवाने वाली महिलाएं ज्यादा गाजर न खाएं

गाजर फाइबर से भरपूर होता है. ऐसे में अगर आप रोजाना गाजर खाते हैं तो शरीर पर फाइबर का लेवल बढ़ सकता है. जिसकी वजह से आपको पेट में दर्द और पेट से जुड़ी समस्या हो सकती है. गाजर में फाइबर के साथ कैरोटिन भी काफी मात्रा में होती है. इसे ज्यादा खाने से त्वचा के कलर में भी बदलाव हो सकते हैं. शरीर में कैरोटिन की मात्रा बढने से त्वचा का पीलापन भी बढ़ सकता है. सबसे जरूरी बात जो महिलाएं ब्रेस्टफीडिंग करवाती हैं उन्हें ज्यादा गाजर तो एकदम नहीं खाना चाहिए. क्योंकि गाजर ज्यादा खाने से दूध का स्वाद बदल सकता है.

थिएटर्स के बाद मृणाल और नानी की फिल्म हाय नन्ना 4 जनवरी को ओटीटी प्लेटफार्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी

साउथ स्टार नानी और मृणाल ठाकुर स्टारर फिल्म हाय नन्ना 7 दिसंबर को सिनेमघरों में रिलीज हुई है. फिल्म को दर्शकों की तरफ से काफी पसंद किया गया. पहली बार स्क्रीन शेयर करते मृणाल और नानी की जोड़ी को भी फैंस ने काफी प्यार दिया है. वहीं, थिएटर्स में धूम मचाने के बाद अब फिल्म अपना डिजिटल डेब्यू करने वाली है. नानी और मृणाल की ये फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद अब ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज की जाएगी. नए साल पर मेकर्स ये ऐलान कर दर्शकों एक तोहफा दिया है. ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर 4 जनवरी को रिलीज होने जा रही है. इस बात ऐलान खुद नेटफ्लिक्स ने एक्स पर कर किया है. नेटफ्लिक्स के अकाउंट से पोस्ट में शेयर कर अनाउंसमेंट की गई है. इसमें लिखा– आय नन्ना 4 जनवरी को तेलुगू, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी में नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने के लिए तैयार है. ये एक रोमांटिक और फैमिली फिल्म है. इसमें एक बेटी और पिता के खूबसूरत रिश्ते को दिखाया गया है. फिल्म में नानी ने पिता का किरदार निभाया है, जिनकी एक बेटी है माही (कियारा). वो अपनी बेटी की अकेले परवरिश करते हैं. माही ये जानने के लिए बेताब है कि उसकी मां कौन हैं फिल्म में नानी की पत्नी के रोल में मृणाल ठाकुर हैं फिल्म की स्टारकास्ट की बात करें तो, इसमें नानी और मृणाल के साथ ही चाइल्ड आर्टिस्ट कियारा खन्ना, प्रियदर्शी पुलिकोंडा, अंगद बेदी और विराज अश्विन जैसे कलाकारों ने अहम भूमिका निभाई है.

सालार के आगे दम तोड़ रही शाहरुख की डंकी, रिलीज के 9वें दिन किया अब तक का सबसे कम कलेक्शन

शाहरुख खान ने साल 2023 में दो बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्में श्पठान्च और श्जवान्च दी. वहीं अब किंग खान की साल की तीसरी फिल्म श्डंकीच भी सिनेमाघरों में धमाल मचा रही है. फैमिली कॉमेडी ड्रामा ये फिल्म फुल ऑफ इमोशन भी है. इसकी कहानी से लोग कनेक्ट कर रहे हैं और इसी के साथ इसे दर्शकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स भी मिल रहा है. हालांकि इस फिल्म को प्रभास स्टारर सालार से कड़ा मुकाबला भी करना पड़ रहा है और इसी वजह से शाहरुख खान की श्डंकीच का कारोबार उतना नहीं है जितने की उम्मीद की जा रही थी. चलिए यहां जानते हैं श्डंकीच ने रिलीज के नौवें दिन कितने करोड़ का कलेक्शन किया है?

बॉलीवुड के बादशाह की श्डंकीच ने थिएटर्स में माहौल जमाया हुआ है. फिल्म को क्रिटिक्स से मिक्स्ड रिव्यू मिले हैं लेकिन दर्शकों से इसे अच्छा रिस्पॉन्स मिला है. फिल्म की इमोशनल कहानी दर्शकों के दिलों को छू गई है साथ ही ये फिल्म एक मैसेज भी देती है. इसी के साथ इस फिल्म को सिनेमाघरों में देखन के लिए दर्शकों की भीड़ उमड़ रही है. फिल्म की डे वाइड कमाई की बात करें तो इस फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 29.2 करोड़, दूसरे दिन 20.12 करोड़, तीसरे दिन 25.61 करोड़, चौथे दिन 30.7 करोड़, पांचवें दिन 24.32 करोड़, छठे दिन 11.56 करोड़, सातवें दिन 10.5 करोड़ और आठवें दिन 8.21 करोड़ का कलेक्शन किया. इसी के साथ श्डंकीच की पहले हफ्ते की कुल कमाई 160.22 करोड़ रुपये हो गया है. वहीं अब इस फिल्म की रिलीज के दूसरे शुक्रवार यानी 9वें दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े भी आ गए हैं. रिपोर्ट के मुताबिक श्डंकीच ने रिलीज के 9वें दिन 7.25 करोड़ का कलेक्शन किया है. इसी के साथ श्डंकीच की 9दिनों की कुल कमाई अब 167.47 करोड़ रुपये हो गई है.श्डंकीच का बॉक्स ऑफिस मीटर देश में ही नहीं बढ़ रहा बल्कि दुनियाभर की टिकट खिड़की पर भी इसके कलेक्शन में हर दिन इजाफा हो रहा है. वहीं रेड चिलीज एंटरटेनमेंट द्वारा शेयर किए गए आंकड़ों के मुताबिक श्डंकीच ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 323.77 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. वहीं न्यू ईयर वेकेशन पर दुनियाभर में इस फिल्म की कमाई में जबरदस्त उछाल आने की उम्मीद है.

बाक्स आफिस पर प्रभास की सालार की तूफानी रफ्तार बरकरार, फिल्म की 8वें दिन की कमाई भी रही शानदार

प्रभास स्टारर श्सालारस्य की अनाउंसमेंट के बाद से ही फैंस इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे और जब ये फिल्म थिएटर में पहुंची तो इसने वाकई धमाका कर दिया. यहां तक कि प्रभास स्टारर फिल्म ने शाहरुख खान की श्डंकीच को भी पीछे छोड़ दिया. क्राइम थ्रिलर ये फिल्म अपने ओपनिंग डे से ही ताबड़तोड़ कलेक्शन कर रही है. इस बीच इस फिल्म ने कईं रिकॉर्ड भी अपने नाम किए. चलिए यहां जानते हैं श्सालारस्य ने रिलीज के 8वें दिन कितने करोड़ का कलेक्शन किया है?श्सालारस्य को क्रिटिक्स से तो अच्छा रिव्यू मिला ही वहीं दर्शकों से भी इसे जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है. इस फिल्म ने ऑडियंस को एंटरटेनमेंट की फुल डोज दी है. फिल्म के एक्शन सीक्वंस से लेकर विजुअल्स इतने शानदार है कि इन्हें देखने के लिए दर्शक सिनेमाघरों तक खिंचे चले आए.

इस फिल्म की कमाई की बात करें तो श्सालारस्य ने 90.7 करोड़ से ओपनिंग की थी. इसके बाद फिल्म ने दूसरे दिन 56.35 करोड़ कमाए. तीसरे दिन श्सालारस्य की कमाई 62.05 करोड़ रही. चौथे दिन फिल्म ने 46.3 करोड़ का कलेक्शन किया. पांचवें दिन श्सालारस्य का कारोबार 24.9, छठे दिन 15.6 करोड़ और सातवें दिन 12.1 करोड़ रहा. इसी के साथ श्सालारस्य की पहले हफ्ते की कमाई 308 करोड़ रुपये हो गई है. वहीं अब फिल्म की रिलीज के आठवें दिन यानी दूसरे फ्राइडे की कमाई के शुरुआती आंकड़े भी आ गए हैं. रिपोर्ट के मुताबिक श्सालारस्य ने रिलीज के आठवें दिन यानी सेकंड फ्राइडे को 10.00 करोड़ का कलेक्शन किया है. इसी के साथ श्सालारस्य का आठ दिनों का कुल कारोबार 318.00 करोड़ रुपये हो गया है. सालार को केजीएफ फेम प्रशांत नील ने निर्देशित किया है. फिल्म में प्रभास ने लीड रोल प्ले किया है. वहीं पृथ्वीराज सुकुमारन, श्रुति हासन, जगपति बाबू रेड्डी, टीनू देसाई सहित कई कलाकारों ने दमदार रोल भी निभाया है. ये फिल्म दो दोस्तों की कहानी पर बेस्ड है जो किसी घटना की वजह से एक दूसरे के दुश्मन बन जाते हैं.।

महेश बाबू स्टारर फिल्म गुंटूर करम का गाना कुर्ची मदाथपेट्टी रिलीज

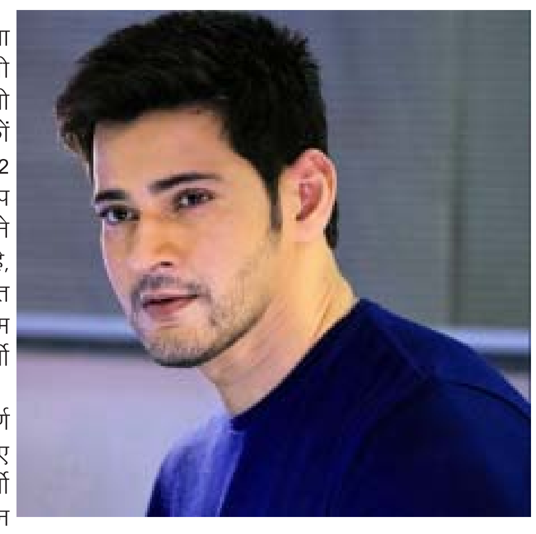

गुंटूर करम का कुर्ची मदाथपेट्टी गाना रिलीज हुआ। महेश बाबू प्रतिभाशाली त्रिविक्रम श्रीनिवास द्वारा निर्देशित अपनी आगामी फिल्म गुंटूर करम के साथ दर्शकों को लुभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। 12 जनवरी, 2023 को संक्रांति विशेष के रूप में रिलीज के लिए निर्धारित, फिल्म ने पहले ही पर्याप्त चर्चा पैदा कर ली है, इसके पहले दो गानों को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया की बदौलत। आज, फिल्म निर्माताओं ने बहुप्रतीक्षित तीसरा गीत, कुर्ची मदाथपेट्टी का अनावरण किया।

साहिथी चागंती और श्रीकृष्ण के भावपूर्ण स्वर, रामजोगय्या शास्त्री द्वारा लिखे गए विचारोत्तेजक गीतों के साथ मिलकर, कुर्ची मदाथपेट्टी को तुरंत हिट बनाते हैं। थमन द्वारा तैयार किए गए ऊर्जावान सामूहिक धुनों से युक्त इस गीत ने यूट्यूब पर, विशेष रूप से युवाओं और बड़े पैमाने पर दर्शकों के बीच महत्वपूर्ण ध्यान आकर्षित किया है।

श्रीलीला और महेश बाबू के गतिशील नृत्य दृश्य दृश्य में चार चांद लगा रहे हैं, जो सुर्खियां बटोर रहे हैं। महेश बाबू के साथ, फिल्म में प्रतिभाशाली मीनाक्षी चौधरी अन्य महिला प्रधान भूमिका में हैं, और यह हारिका और हसीन बैनर के तहत निर्मित है। कलाकारों की टोली में जगपति बाबू, राम्या कृष्णन, प्रकाश राज, जयराम और अन्य शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक ने महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाई हैं।

मनोज परमहंस कथा के सार को पकडने के लिए सिनेमैटोग्राफी के प्रभारी हैं, जबकि कुशल नवीन नूली एक सहज सिनेमाई अनुभव सुनिश्चित करने के लिए संपादन की जिम्मेदारी लेते हैं। जैसे–जैसे प्रत्याशा बढ़ती जा रही है, गुंटूर करम एक ब्लॉकबस्टर होने का वादा करता है जो जनता और समझदार दर्शकों दोनों को समान रूप से पसंद आएगा।

फाइटर के रन टाइम से उठा पर्दा, सिनेमाघरों में धमाल मचाने को तैयार रितिक रोशन-दीपिका पादुकोण

पठान, जवान, गदर 2, एनिमल, ड्रीम गर्ल 2, रॉकी और रानी की प्रेम कहानी और कई अन्य हिट फिल्मों के साथ 2023 एक शानदार वर्ष रहा है। अब, सभी की निगाहें 2024 पर टिकी हैं, जिसमें ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर की फिल्म फाइटर वर्ष की पहली बड़ी रिलीज होगी। वॉर और पठान की सफलता के बाद इस फिल्म का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद ने किया है। फाइटर, 25 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर रिलीज होने वाली है। वहीं, अब फिल्म पर बड़ा अपडेट सामने आया है। साथ ही इसके रन टाइम का भी खुलासा हो चुका है।रिपोर्ट के अनुसार, ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण अभिनीत फिल्म फाटइगर लगभग तीन घंटे लंबी होगी। विदेशी बाजारों के लिए, निर्माताओं ने पहले ही अपना प्रचार अभियान शुरू कर दिया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि फिल्म देखने के लिए बड़ी संख्या में भीड़ खींची जा सके। पहला कदम फिल्म का सारांश और रन टाइम साझा करना है। कतर, यूएई और जीसीसी फिल्म का सारांश प्राप्त करने वाले पहले देशों में से हैं।

आधिकारिक विवरण के अनुसार, फाइटर शमशेर पठानिया नाम के एक महत्वाकांक्षी युवक की कहानी सुनाएगा, जिसे भारतीय सशस्त्र बलों का नायक बनने के लिए भारतीय वायु सेना में भर्ती होने के बाद अपनी बाधाओं को दूर करना होगा। फाइटर दर्शकों को एक्शन, ड्रामा और शानदार हवाई एक्शन प्रदर्शन से भरी एक मनोरंजक यात्रा पर ले जाने का वादा करता है। फाइटर का रनटाइम 3 घंटे और 10 मिनट बताया गया है, जबकि अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि सेंसर बोर्ड द्वारा मांगे गए संपादन के आधार पर रन टाइम बदल सकता है। रणबीर कपूर की एनिमल के बाद फाइटर हाल के दिनों में 3 घंटे से अधिक समय तक चलने वाली दूसरी फिल्म होगी। कुछ हफ्ते पहले, ऋतिक रोशन का कैरेक्टर पोस्टर सामने आया था, जहां उन्हें पैटी के रूप में संदर्भित किया गया था।

नेहा मलिक ने सिजलिंग आउटफिट में कराया हाट फोटोशूट, एक्ट्रेस की दिलकश अदाएं देख मोहित हुए युजर्स

भोजपुरी अदाकारा नेहा मलिक सोशल मीडिया पर काफी मशहूर हैं और आए दिन वे अपने ग्लैमरस अवतार से फैंस के होश उड़ाती रहती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस एक हॉट फोटोशूट कराया है जिसे देखने के बाद आपके होश काबू में नहीं रहेंगे. नेहा मलिक ने लेवेंडर कलर का सिजलिंग आउटफिट पहना है. ग्लोंइंग मेकअप के साथ बालों को खुला छोड़ा है और और कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सेक्सी पोज दे रही हैं. साथ ही उनके बड़े–बड़े ईयररिंग्स उनकी खूबसूरती को दोगुना कर रहे हैं. एक्ट्रेस की दिलकश अदाएं देख यूजर्स मोहित हो गए हैं और कमेंट बॉक्स पर फायर इमोजी की बारिश कर रहे हैं. नेहा मलिक एक अभिनेत्री और मॉडल हैं जो पंजाबी फिल्म और म्यूजिक इंडस्ट्री से जुड़ी हैं। उनका जन्म 31 अक्टूबर 1990 को हुआ था और उनका जन्मस्थान मुंबई, महाराष्ट्र, भारत है। उसकी ऊंचाई लगभग 5 6 है. उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा सेंट जेवियर सेन्टर से की। स्कूल, दिल्ली, और जीएमसीएच गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, चंडीगढ़ से स्नातक की पढ़ाई पूरी की। नेहा मलिक ने अपने कैरियर की शुरुवात मॉडलिंग से की और दुबई में फैशन वीक में टॉप 3 रैंक हासिल की थी ढ़ढ 2015 के ब्राइडल फैशन वीक में प्रतिभाग की हुई थी ढ़ढ नेहा फिय्लहाल सिंगल ही है ढ़ढ

थलापति68 के शीर्षक से उठा पर्दा, विजय की फिल्म ग्रेटेस्ट आफ आल टाइम का नया पोस्टर भी जारी

मेगा ब्लॉकबस्टर लियो के बाद साउथ सुपरस्टार थलापति विजय ने अपनी अगली फिल्म के लिए निर्देशक वेंकट प्रभु से हाथ मिलाया है। अस्थायी रूप से थलापति 68 शीर्षक वाली फिल्म की शूटिंग चल रही है और निर्माताओं ने अब थलपति 68 का पहला लुक जारी कर दिया है। नए साल 2024 से पहले निर्माताओं ने शीर्षक भी लॉन्च किया। थलापति 68 को अब द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम नाम दिया गया है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, थलापति विजय फिल्म में पिता और बेटे की दोहरी भूमिका निभा रहे हैं, जिसकी गवाही यह पोस्टर भी दे रहा है। नए लुक में दोनों किरदार सैन्य–ग्रेड जंपसूट पहने हुए हैं और उनके पीछे एक पुरानी शैली का यूक्रेनी विमान उड़ रहा है। नए लुक में उनके बीच एक पंक्ति भी लिखी हुई थी, जिसमें लिखा था, प्रकाश अंधेरे को भस्म कर सकता है, लेकिन अंधेरा प्रकाश को नहीं खा सकता।हालांकि, फिल्म के बारे में ज्यादा विवरण अभी तक सामने नहीं आए हैं, लेकिन थलापति विजय के प्रशंसकों के लिए यह नए साल का आश्चर्यजनक उपहार है। फर्स्ट लुक से यह भी पता चला कि फिल्म की स्टंट कोरियोग्राफी दिलीप सुब्बारायण द्वारा की जाएगी, नृत्य कोरियोग्राफी राजू सुंदरम और सतीश द्वारा की जाएगी और साथ ही कई ट्रैक गीत भी लिखे जाएंगे। फिल्म 2024 में रिलीज होने की उम्मीद है।इस फिल्म में माइक मोहन, प्रशांत, प्रभु देवा, स्नेहा, लैला, जयराम, मीनाक्षी चौधरी और योगी बाबू जैसे कलाकारों की टोली भी शामिल है। फिल्म में वेंकट प्रभु के भाई प्रेमगी, वैभव, अरविंद आकाश और अजय राज जैसे उनके निरंतर सहयोगी भी हैं।थलापति विजय को आखिरी बार इस साल लोकेश कनगराज द्वारा निर्देशित लियो में देखा गया था। फिल्म में तृषा कृष्णन, संजय दत्त, अर्जुन सरजा, गौतम वासुदेव मेनन, मैसस्किन, मैडोना सेबेस्टियन, सैंडी मास्टर और कई अन्य लोग प्रमुख भूमिकाओं में थे। फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया। हालांकि, अभिनेता ने यह खुलासा नहीं किया है कि वेंकट प्रभु की फिल्म पूरी करने के बाद उनका अगला प्रोजेक्ट क्या होगा। अफवाह है कि उन्होंने एस शंकर और कार्तिक सुब्बाराज जैसे निर्देशकों के साथ हाथ मिलाया है। इसके अलावा यह भी चर्चा है कि लोकेश कनगराज शायद थलपति 71 के लिए एक बार फिर विजय के साथ काम करेंगे।

दुनियाभर में डंकी का ताबड़तोड़ कलेक्शन! 350 करोड़ के करीब पहुंची किंग खान की फिल्म

शाहरुख खान की फिल्म डंकी बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार कलेक्शन कर रही है. फिल्म 21 दिसंबर को वर्ल्डवाइड रिलीज की गई थी. डंकी को रिलीज हुए 10 दिन हो चुके हैं. 10 दिनों में फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस के साथ–साथ वर्ल्डवाइड भी धमाकेदार कमाई कर रही है.

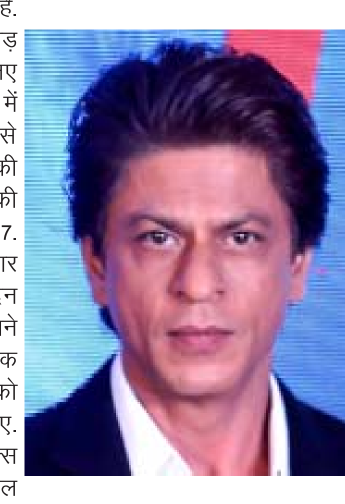

हां भारत में फिल्म 200 करोड़ क्लब में एंट्री लेने के लिए तैयार है तो वही दुनियाभर में भी 300 करोड़ रुपए से ज्यादा का कलेक्शन कर चुकी है.सैकनिल्क की रिपोर्ट की मानें तो डंकी ने नवें दिन 7. 25 करोड़ रुपए का कारोबार किया था. वहीं अब 10वें दिन की शुरुआती रिपोर्ट सामने आ गई है. आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने दूसरे शनिवार को 9.25 करोड़ रुपए कमाए. इसी के साथ घरेलू बॉक्स ऑफिस पर डंकी का कुल कलेक्शन 176.47 करोड़ रुपए हो गया है. डंकी के वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने अब तक 340.10 करोड़ रुपए कमा लिए हैं. डंकी शाहरुख खान की साल की तीसरी फिल्म है और पिछली दो फिल्मों जवान और पठान की तरह इसने भी दुनियाभर में खूब नोट बटोरे हैं. फिल्म का ये कलेक्शन तब है जब पर्दे पर डंकी के साथ साउथ सुपरस्टार प्रभास की फिल्म सालार भी क्लैश कर गई है.सालार की बात करें तो इसे प्रशांत नील ने डायरेक्ट किया है. फिल्म डंकी के आगे अच्छी कमाई कर रही है. घरेलू बॉक्स ऑफिस पर सालार ने अब तक 300 करोड़ रुपए से ज्यादा का कारोबार कर लिया है.

शर्लिन दत्त अपनी अभिनय यात्रा पररू संघर्ष वास्तविक था, लेकिन सपने भी थे

अभिनेत्री शर्लिन दत्त, जो किंक, हनी ट्रैप स्क्वाड आदि का हिस्सा रह चुकी हैं, ने अपनी अभिनय यात्रा के बारे में खुलकर बात की और इसे उत्कृष्टता की निरंतर खोज, विकसित होने की प्रतिबद्धता और दूर तक जाने की अटूट इच्छा बताया। अपने बचपन के दिनों में, जब वह अकेली रहती थी, शर्लिन का दिमाग अंतहीन कल्पनाओं का खेल का मैदान था। उन अकेले क्षणों में, उसके भीतर एक गुप्त इच्छा पनपने लगी – अभिनेता बनने का सपना। उसी के बारे में बोलते हुए, उन्होंने कहा जम्मू और कश्मीर की शांत घाटियों में, जहां परंपराएं आकांक्षाओं से अधिक जोर से गूंजती हैं, एक युवा सपने देखने वाले ने चुपचाप महत्वाकांक्षाओं को पोषित किया, जिसने उसकी रूढ़िध्वादी परवरिश को चुनौती दी। सिर्फ 18 साल की उम्र में, मैंने एक गुप्त यात्रा शुरू की। मेरे परिवार में अभिनय का जुनून अपरंपरागत माना जाता है। एक संयुक्त परिवार में जन्म हुआ जहां सरकारी नौकरी ही मेरी अंतिम आकांक्षा थी, अनुरूपता की बेडियों से मुक्त होना मेरा मौन विद्रोह था। एक ऐसे घर में जहां सपनों को लेकर निराशा होती थी, खासकर इकलौती लड़की के लिए, मैंने सामान्य से परे आकांक्षाओं को पालने का साहस किया। उन्होंने कहा, पहली चुनौती मेरे सख्त माता–पिता को मुझे सपनों के शहर – मुंबई में अपने सपनों को पूरा करने देने के लिए राजी करना था। पढ़ाई करने की आड़ में, उसने नवी मुंबई की भीड़–भाड़ वाली सड़कों पर कदम रखा, और गुप्त रूप से एक ऐसे भविष्य की नींव रखी जिसे वे समझ नहीं सके। हर दिन एक संतुलनकारी कार्य था – दिन में कॉलेज जाना और रात में शूटिंग पर पहुंचने के लिए लोकल ट्रेनों में सफर करना। संघर्ष वास्तविक था, लेकिन मेरे भीतर पले हुए सपने भी थे। अपनी रूढ़िध्वादी परवरिश के दायरे से, मैंने मुंबई द्वारा पेश किए गए अनुभवों के विशाल परिदृश्य का पता लगाया।

वे कहते हैं कि अनुभव सबसे अच्छा शिक्षक है, और मेरी यात्रा इसकी पुष्टि करती है। ऑडिशन, अस्वीकृति और एक सपने की निरंतर खोज ने मुझे एक लचीले व्यक्ति के रूप में ढाला। प्रत्येक असफलता एक सबक थी, और हर जीत ने मुझे आगे बढने के दृढ़ संकल्प को बढ़ावा दिया, उसने कहा। शर्लिन ने कहारू गोपनीयता के बीच, मैंने अपने सपनों की नींव रखी, यह सुनिश्चित करते हुए कि मेरी खोज से उन लोगों को ठेस न पहुंचे जो मेरी आकांक्षाओं को नहीं समझ सकते। मुंबई एक शहर से कहीं अधिक बन गयाय यह वह कैनवास बन गया जिस पर मैंने पेंटिंग की मेरे सपने, मेरे अतीत की अपेक्षाओं से मुक्त। आज, जब मैं स्वीकृति की कगार पर खड़ा हूं ।

बाक्स आफिस पर सालार का जलवा बरकरार, 9वें दिन प्रभास की फिल्म ने की जबरदस्त कमाई

साउथ सुपरस्टार प्रभास की फिल्म सालार रिलीज के बाद से ही बॉक्स ऑफिस पर छाई हुई है. फिल्म को क्रिटिक्स से लेकर दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं. रिलीज से पहले से लेकर रिलीज के दूसरे शनिवार तक फिल्म को लेकर फैंस के बीच दीवानगी देखने को मिल रही है. प्रभास की फिल्म ने शाहरुख खान की डंकी को भी कमाई के मामले में पीछे छोड़ दिया है. अब तक फिल्म ने 308 करोड़ रुपये का आंकड़ा कर लिया है. वहीं, अब इसके दूसरे शनिवार यानी 9वें दिन का कलेक्शन भी सामने आ गया है. फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो, सालार ने ओपनिंग डे पर ही 90.7 करोड़ रुपये का शानदार कलेक्शन किया था. दूसरे दिन फिल्म ने 56.35 करोड़ रुपये कलेक्ट किए थे. इसके साथ ही फिल्म ने 8वें दिन यानी शनिवार को 9.62 करोड़ का कलेक्शन किया. इस बीच 9वें दिन यानी शनिवार का कलेक्शन भी सामने आ गया है.रिपोर्ट के मुताबिक, सालार ने रिलीज के 9वें दिन यानी रविवार को 12.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. इसी के साथ सालार ने 9 दिनों का कुल कारोबार कर 329.62 करोड़ रुपये का दमदार कलेक्शन कर लिया है. वर्ल्डवाइड की बात करें तो, फिल्म ने 485 करोड़ का आकंड़ा छू लिया है.

दोस्ती पर आधारित इस फिल्म को केजीएफ फेम डायरेक्टर प्रशांत नील ने डायरेक्ट किया है.

सड़कों पर नही दौड़े साधन,परेशान रहे यात्री

ब्यूरो

देवरिया (उ0प्र0) देवरिया जिले मे सरकार के नये नियम की वजह से देवरिया मे सभी साधन बंद रही जिससे यात्रियों को एक जगह से दूसरे जगह जाने मे काफी परेशानीयों का सामना करना पड़ा सभी लोग चाहते है नया वर्ष उनके लिए मंगलमय रहे। ऐसा मानना है कि यदि वर्ष का पहला दिन यदि ठीक बीतता है तो पूरा वर्ष ठीक रहता है। नव वर्ष के पहले दिन अधिकांश लोग पिकनिक मनाने के उद्देश्य से घर से निकलते है लेकिन सोमवार को अनेकों लोगो की उम्मीदें उस समय धराशाई हो गई जब बस स्टैण्ड पर पहुंचने के बाद उन्हें कोई साधन नही मिले। घण्टो प्रतीक्षा के बाद उन्हें वापस घर लौटना पड़ा। लार से गिरिजा देवी को गोरखपुर दवा के लिए निकलना था, रामइकबाल को लार से देवरिया जाना था वही सुखदेव राजभर को लार से सलेमपुर के लिए ट्रेन पकड़ने के लिए जाना था, कस्बा के भरटोलिया वार्ड निवासी मुन्द्रिका सिंह को गोरखपुर अपने बेटे से मिलने जाना था लेकिन उक्त सभी लोग स्टैण्ड से घण्टो इंतजार के बाद कोई साधन नही मिलने से वापस लौट आये। वही अनेक लोगो को नए साल का उत्सव मनाने के लिए कुशीनगर, गोरखनाथ मंदिर और अन्य जगहों पर जाने के लिए निकलने वाले थे लेकिन जब पता चला कि कोई साधन नही है तो उन्होंने अपना विचार बदल दिया।

चालकों की हड़ताल से थमे बसों के पहिए,नये साल के पहले ही दिन परेशान हुए लोग

ब्यूरो

देवरिया (उ0प्र0) देवरिया केंद्र सरकार की ओर से गाड़ी ड्राइविंग को लेकर नए कानून के विरोध में सोमवार को गोरखपुर मंडल में चालक सड़क पर उतर आए हैं। गोरखपुर के अलावा देवरिया–सलेमपुर फोर लेन पर जगह–जगह प्रदर्शन किया गया। रोडवेज कर्मचारियों के अलावा इसमें प्राइवेट वाहन स्वामी सहित चालक संघ से जुड़े लोग शामिल हुए। इससे देवरिया जिले भर में रोडवेज की बसें नहीं चली। ऐसे में नए साल के पहले ही दिन बाहर जाने का मूड बनाए लोगों को सवारी के लिए

परेशान होना पड़ा। जो लोग पिकनिक मनाने अपने वाहन से जा रहे थे, जगह–जगह रोके जाने से वह समय से नहीं पहुंच सके। देवरिया शहर के रोडवेज बस स्टैंड, भटवलिया चौराहे पर सुबह में चालकों ने चक्का जाम कर हड़ताल किया। इससे राहगीरों को दिक्कतें उठानी पड़ी। सलेमपुर नगर के बस स्टैंड पर सोमवार को ट्रक खड़ा कर चालकों ने सड़क जाम कर दिया। करीब आधे घंटे बाद पहुंची कोतवाली पुलिस ने डंडा पटक कर जाम को समाप्त कराई। इसको लेकर सलेमपुर –देवरिया मुख्य मार्ग पर तकरीबन एक घंटे तक आवागमन बाधित रहा। दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई। एक टेलर को पुलिस कोतवाली लेकर गई और खड़ा करा दिया। प्रदर्शन कर रहे चालकों ने बताया कि नए नियमों के तहत मार्ग दुर्घटना होने पर गरीब चालक सात लाख जुर्माना कहां से भरेगा। 10 साल सजा का प्रावधान भी नए कानून में किया गया है। यह हम चालकों के लिए अन्याय है। जब तक सरकार इसे वापस नहीं लेती, हमारी हड़ताल जारी रहेगी।

नही कम हो रही है चौक ट्रांसफार्मर से जुड़े उपभोक्ताओ की समस्या

ब्यूरो

देवरिया (उ0प्र0) देवरिया जिले मे नही कम हो रही है चौक ट्रांसफार्मर से जुड़े उपभोक्ताओ की समस्या वैसे तो वर्तमान समय को मशीनी युग के नाम से जाना जाता है। विज्ञान के विकास ने मनुष्य के हर दिनचर्या को मशीन पर निर्भर कर दिया है। जाहिर सी बात है कि इन मशीनों को चलाने के लिए पावर यानी बिजली की जरूरत पड़ती है लेकिन लार कस्बे की घनी आबादी के कुछ लोग आज भी लालटेन युग मे जीने को मजबूर है। जिम्मेदारो के ढुलमुल रवैये के कारण आज भी यहाँ अंग्रेजी व्यवस्था वाली बिजली सिस्टम काम कर रही है। पूरा देश आजादी का 75वी वर्षगांठ मनाया है लेकिन कस्बे के अधिकांश घरों छत के बरजा, कुंडी, पेड़ या बांस बल्ली के सहारे बिजली लोगो के घरों में पहुंचती है। सबसे बड़ी बात है कि लगभग तीन दशक पुराने बिजली कनेक्शन लिए उपभोक्ताओं की बिजली मानक से अधिक केबल के माध्यम से उनके घरों पहुंचती है। विभाग अब तक एक अदद खम्भा भी उपलब्ध नही करा सका है। ऐसा भी नही कि यह समस्या विभाग के संज्ञान में नही है सबकुछ जानते हुए भी विभाग में अपनी आंखें मूंद ली है। लार कस्बे के चौक वार्ड से जुड़े लगभग आधे घरों के उपभोक्ताओं के घर मे कई दिन से बत्ती गुल रहा। शिकायत के बाद भी इसका कोई उचित समाधान नही होने से लोग कड़ाके की ठण्ड में अंध ोरे में गुजरा करने को मजबूर है। बत्ती गुल होने से लोग एक बूंद पानी को तरस गए है। वही लोगो के घरों में लगें इलेक्ट्रॉनिक उपकरण धूल फांक रहे है। लोगो को अपने मोबाइल और लैपटॉप तक चार्ज करने के लिए इधर उध ार भटकना पड़ रहा है। शरद ऋतु में मौसम खराब होने के कारण वैकल्पिक ऊर्जा सोलर या इन्वर्टर भी काम नही कर रहे है। गर्मी में इस समस्या से जूझने वाले उपभोक्ताओं को इस कड़ाके के ठण्ड में भी उन्ही समस्याओ से जूझना पड़ रहा है।

फोटोग्राफर फाउंडेशन ने बैठककर अपनी मांगों से संबंधित चार सूत्रीय ज्ञापन एडीएम को सौंपा

ब्यूरो हमीरपुर अधिवक्ता संघ भवन में फोटोग्राफर फाउंडेशन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता एकत्रित हुए। इसके पश्चात फोटोग्राफर फाउंडेशन के जिला अध्यक्ष चंद्रभूषण उर्फ कुंदन निषाद के नेतृत्व में एक बैठक संपन्न हुई। इसके पश्चात जिला अध्यक्ष चंद्रभूषण निषाद के नेतृत्व में अपर जिलाधिकारी को चार सूत्रीय मांगों का एक ज्ञापन सौपा गया। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया है कि फोटोग्राफी एक कला है। इस कला का दर्जा मिलना चाहिए। फोटोग्राफरों का बीमा होना चाहिए। जिससे दुर्घटना या घटना होने के बाद परिवार को आर्थिक सहायता मिल सके। जिला अध्यक्ष ने कहा कि 40 वर्ष के बाद फोटोग्राफर को पेंशन सुविधा दी जाए। फोटोग्राफर सुरक्षा अधिनियम बनाया जाए जिससे फोटोग्राफर के साथ कोई भी बदसलूकी ना कर सके। उन्होंने कहा कि फोटोग्राफरों के हित में संघर्ष करता रहूंगा। ज्ञापन देते समय फोटोग्राफर फाउंडेशन के जिला अध्यक्ष चंद्रभूषण उर्फ कुंदन निषाद, ईशा स्टूडियो सुशील कुमार, अवधेश प्रजापति, वीनस स्टूडियो मोहम्मद यूनुस, प्रिया स्टूडियो शशि सचान, संगम स्टूडियो, रितिका स्टूडियो रामप्रकाश, जेके स्टूडियो जगदीश प्रसाद, वैभव स्टूडियो बंटू, अंजली स्टूडियो रोहित रमन, आरके स्टूडियो राजेश कुमार, रविंद्र व किशन आंपरेटर प्रियंका स्टूडियो, इरफान माही स्टूडियो, निखार स्टूडियो भरुआ सुमेरपुर कमल गुप्ता, महेंद्र स्टूडियो भरुआ सुमेरपुर मौजूद रहे।

कोरी समाज महासंस्थान की बैठक सम्पन्न

संवाददाता

हमीरपुर। आज कोरी समाज महासंस्थान की बैठक जिला अध यक्ष रामबहादुर नयन के आवास पर बैठक हुई। जिसके मुख्य अतिथि डा. सुरेश कुमार कोरी प्रदेश अध्यक्ष रहे। कार्यक्रम की अध यक्षता चन्द्रभान ने की। संचालन रामहेत अनुरागी जिला उपाध्यक्ष ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने कहा कि जो कार्यक्रम 10 दिसम्बर को हुआ था। कोरी समाज सम्मेलन वह बहुत ही अच्छा रहा और पूरी टीम को व सभी पदाधिकारियों को धन्यवाद दिया और कहा इसी ऊर्जा के साथ आगे काम करना है और समाज को जोड़ना है। हम सभी अब हर गांव गांव जाकर अपनी समाज की बैठक करेंगे और सदस्यता अभियान चलाया जायेगा और समाज को जोड़ने का काम किया जायेगा। जिलाध्यक्ष रामबहादुर नयन ने पूरा खर्चा पेस किया जो 10 तारीख के कार्यक्रम में जो पैसा खर्च हुआ। कितना बचा वह सब पेस किया। अध्यक्षता कर रहे चन्द्रभान ने कहा कि जो कार्यक्रम 10 तारीख को हुआ। वह बहुत सराहनीय रहा। इस तरह के कार्यक्रम होते रहना चाहिये। इस कार्यक्रम में रामबाबू जिला उपाध्यक्ष भगवानदास, कोषाध्यक्ष मुकेश तूफानी, हरीबाबू, सीताराम, रमेशचन्द्र, शिवचन्द, अंजली वर्मा, कल्लू देवी, गीता देवी आदि लोग उपस्थित रहे।

मंदिरों में पूजा अर्चना, गरीबों की मदद कर मनाया नया साल

ब्यूरो मेरठ । सोमवार को नए साल के मौके पर शहरवासियों ने खूब मस्ती की और नए साल की खुशियां मनाई। कुछ युवाओं ने नया साल नए अंदाज में मनाया। इस मौके पर सुबह से ही मंदिर में पूजा–अर्चना के लिए लोगों की भीड़ रही। कुछ लोगों, युवाओं, युवतियों ने गरीब बेहसारा लोगों की मदद कर नया साल सेलिब्रेट किया।

इधर, बूंद फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष रवि कुमार ने टीम के साथ शहर के प्रमुख चौराहों पर नुक्कड़ नाटक किया। कहा कि नया साल नहीं बल्कि चिंता मनाएं। जल–पर्यावरण संरक्षण के लिए लोगो को प्रेरित किया। उद्यमी जयप्रकाश अग्रवाल, अमन अग्रवाल, नेहा अग्रवाल ने गरीबों, दिव्यांगों की मदद कर नए साल की खुशियां मनाई और नए साल की शुरूआत की। मेरठ के बड़ी संख्या में युवाओं ने साल 2024 की शुरुआत सोमवार को मथुरा वृंदावन में बांके बिहारी और राध ा रानी के दर्शन कर की। आरोही राघव समेत कई युवतियों, युवाओं ने पूजा अर्चना कर नए साल की शुरूआत की। मेरठ से 300 से अधिक युवाओं का ग्रुप बाबा खाटूश्याम के मंदिर राजस्थान पहुंचा। काफी संख्या में लोग रामेश्वरम पहुंचे। डॉ. राजेश सिंह अपने माता–पिता एवं पूरे परिवार के साथ भगवान जगन्नाथपुरी उड़ीसा भगवान विष्णु पद गया जी माई मंगला गौरी में पूजन अर्चना के पश्चात समुद्र तटीय विज पर मस्ती के साथ कोणार्क मंदिर का भी दर्शन किए। सभी शुभचिन्तकों, मित्रों और परिवार के लिए आने वाला नववर्ष भी काफी सुन्दर और खुशहाल हो, ऐसी कामना की।इधर, कुछ ग्रुप सिद्धबली महाराज, कुछ बाबा नीम करौली तो कुछ वैष्णो देवी दर्शन के लिए पहुंचे। गोपाल ट्रेवल्स आबूलेन के निदेशक आकाश खन्ना का कहना है कि नए साल पर जश्न मनाने के लिए युवा मसूरी, नैनीताल गए। लोग परिवार के साथ छुट्टियां मनाने केरल, गोवा, अंडमान, दुबई, मालदीप, मलेशिया, थाईलैंड भी गए। इधर, मानसी अग्रवाल ने साल के पहले दिन धार्मिक स्थल पर भगवान की पूजा–अर्चना में की। मन्नत मांगी कि देवी–देवताओं की असीम कृपा उन पर और उनके परिवार पर बनी रहे। मंदिर पहुंच पूजा–अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की।

25 वां वार्षिक सम्मेलन चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में संपन्न

ब्यूरो मेरठ। भारतीय दलित विकास संस्थान का 25 वां वार्षिक सम्मेलन चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर स्थित अटल सभागार में आयोजित हुआ। सम्मेलन में दलित समाज के हाई स्कूल व इंटरमीडिएट के 180 छात्र को प्रशस्ती पत्र, मेडल, प्रतीक चिन्ह व कलम भेंट का सम्मानित किया गया। इंटरमीडिएट में कुमारी अद्विका श्रेष्ठ 93ः अनुभव गौतम 92.4ः कुमारी माही सिंह 91ः कुमारी गुनगुन 91ः कुमारी निधि गौतम 84ः को सम्मानित किया गया। हाई स्कूल परीक्षा में कुमारी हिमानी 89ः कुमार स्वामी 88ः शशांक सागर 88ः कुमारी मानसी 87ः व कुमारी एंजेल वर्मा 83ः अंक प्राप्त छात्र को को मुख्य रूप से सम्मानित किया गया। समाज सेवा के क्षेत्र में कार्य करने के लिए श्रीमती ममता सिंघल अध्यक्ष एक प्रयास हमारा, नरेश वेद वरिष्ठ सफाई कर्मचारी नेता, विकास सोफीपुर ताइक्वांडो राष्ट्रीय खिलाड़ी, प्रोफेसर अनिल कुमार राजकीय महाविद्यालय हसनपुर अमरोहा व राष्ट्रीय कवि प्रेमचंद को अंबेडकर रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह की अध्यक्षता सेवानिवृत्ति डीएसपी देवकरण कैन ने की व संचालन डॉक्टर मनोज कुमार जाटव ने किया।सम्मेलन को संबोधित करते हुए चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के कुल सचिव धीरेंद्र कुमार वर्मा ने कहा कि प्रतिभाओं को सम्मानित करके हम आने वाली पीढ़ियां को यह संदेश देने का प्रयास करते हैं कि दुनिया में शिक्षा से बडा कुछ नहीं है।सांसद राजेंद्र अग्रवाल कहा कि डॉक्टर अंबेडकर भारत के ही नहीं वरुण विश्व स्तर के की प्रतिभा है। उन्होंने कहा कि समाज कल्याण की दिशा में कार्य करना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है। समाज में व्याप्त विषमताओं व कुरीतियों को त्याग कर समाज व राष्ट्र निर्माण में हमें अपनी महती भूमिका का निर्वाह करना चाहिए। महापौर हरिकांत अहलूवालिया ने कहा कि सामाजिक समरसता का सपना तभी संभव होगा जब हम बाबा साहब के विचारों को आम जन मानस तक पहुंचने का प्रयास करेंगे। प्रत्येक भारतवासी को इसके लिए प्रेरित करेंगे। भारतीय दलित विकास संस्थान के अध्यक्ष डॉ चरण सिंह लिसाड़ी ने कहा कि प्रतिभा किसी वर्ग या क्षेत्र की नहीं अपितु संपूर्ण राष्ट्र की धरोवर होती है। प्रतिभाओं का सम्मान करने से नई ऊर्जा का संचार होता है। आर्थिक रूप से कमजोर छात्र–छात्राओं को हमें उनका मनोबल बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। सम्मेलन में डॉ अनिल कुमार आईआरएस, लीलापट एडवोकेट, बृजेश्वर निम्मी, प्रोफेसर एस एस गौरव, दलित चिंतक डॉ सतीश प्रकाश, डॉ सत्येंद्र अशोक, रामजीवन लाल, अशोक अग्रवाल, विजेंद्र सागर, पार्षद महेंद्र भारती, पार्षद सतपाल सिंह, पार्षद आनंद जाटव, पूर्व छात्र संगठन ईश्वर चन्द सागर, राष्ट्रीय कवि चंद्रशेखर मयूर, डॉ रवि प्रकाश, मदन गौतम शोभापुर, जतिन लिसाड़ी धर्मेंद्र प्रधान, लेखराज सिंह, विनोद जाटव जाहिदपुर, प्रधानाचार्य अरुण कुमार, प्रध ानाचार्य प्रीतम सिंह, श्रीमती मंजू जाटव, अभिषेक मौर्य आदि ने विचार व्यक्त किये।

कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्रों में नववर्ष की धूम

सुमेरपुर–हमीरपुर । कैलेंडर नववर्ष कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्रों में धूमधाम के साथ मनाया गया। मानसर बाबा में नववर्ष के उपलक्ष्य में विशाल भंडारा संपन्न कराया गया। वहीं सौंखर में कन्या भोज का आयोजन हुआ। कस्बे की तपोभूमि पूरे दिन युवाओं से गुलजार रही। नववर्ष का आगाज धूमधाम के साथ हुआ। रात में लोगों ने आतिशबाजी से जोरदार स्वागत किया। मानसर बाबा में व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष आशीष गुप्ता ने सभासद जितेंद्र सोनी के साथ मिलकर भंडारे का आयोजन कराया। सौंखर में गोड़ बाबा के स्थान पर ग्राम प्रधान कप्तान सिंह, रवि यादव, देव सिंह, शिवनारायण, मुन्नालाल प्रजापति, रामविशाल प्रजापति, रामप्रकाश, राज यादव, अर्पित, विनय, विमल, रामस्वरूप कुशवाहा ने कन्या भोज संपन्न कराया। कस्बे में अवतार मार्केट के मालिक रामचंद्र शिवहरे ने बस स्टैंड में राहगीरों को स्वल्पाहार के साथ चाय का वितरण कराया। कस्बे की तपोभूमि दिनभर भक्तों से गुलजार रही। कस्बे के होटलों रेस्टोरेंटों में दिनभर जश्न का माहौल रहा।

बीते वर्ष में नापजोख तक सीमित रहा आयुष्मान हास्पिटल की घोषणा

सुमेरपुर–हमीरपुर। सुमेरपुर कस्बे के नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में बनने वाला 50 बेड का आयुष्मान हांस्पिटल बीते वर्ष में नापजोख तक ही सीमित रहा। इस वर्ष इसके बनने की उम्मीद है। अगर यह बनकर तैयार हो जाता है और घोषणा के अनुसार व्यवस्थाएं हो जाएगी तो यह क्षेत्र के लोगों के लिए स्वास्थ्य के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। नेशनल हाईवे 34 तथा कस्बे की उद्योग नगरी के कारखाने में आए दिन होने वाले हादसों के गंभीर लोगों को कानपुर जाकर ही समुचित उपचार हासिल हो पता है। बीते वर्ष सरकार के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने घोषणा की थी कि कस्बे में 50 बेड का आयुष्मान अस्पताल बनाकर आधुनिक उपकरणों से लैस करके समुचित उपचार की सुविधा दी जाएगी। घोषणा के बाद बीते वर्ष में महज नापजोख तक ही सीमित रहा है। इसके अलावा मामला फिलहाल आगे नहीं बढ़ सका है। अगर इस वर्ष इसके निर्माण में प्रगति होती है। तो यह हांस्पिटल क्षेत्र के लोगों के लिए स्वास्थ्य के लिए वरदान साबित होगा। लेकिन जिस तरह से नापजोख के बाद फाइल अटक कर रह गई है। उससे यह लगता है कि शायद इस वर्ष भी यह बन नहीं पाएगा। फिर भी लोगों को उम्मीद है कि इसका निर्माण जल्द सरकार कराएगी। नगर पंचायत अध्यक्ष धीरेंद्र शिवहरे ध ीरू ने कहा कि वह इसके निर्माण के लिए सरकार से पहल करके जल्द निर्माण कराने की मांग करेंगे।

उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रतिनिहित विधायन समिति की उप समिति द्वारा विकास भवन सभागार में की गई अधिकारियो के साथ बैठक

ब्यूरो मेरठ। आज विकास भवन सभागार में उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रतिनिहित विध ाायन समिति की उप समिति द्वारा औद्योगिक विकास विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, समाज कल्याण विभाग, परिवहन विभाग (यातायात), नगर निगम के अधिकारियो के साथ बैठक आहूत की गई। बैठक में मा0 सभापति श्री अमित अग्रवाल द्वारा यूपीसीडा के अंतर्गत मेरठ में विकसित औद्योगिक क्षेत्र के अर्जन, विकास, विपणन, उपयोग की स्थिति तथा वित्तीय वर्ष 2023–24 में किये गये आवंटन व हस्तानांतरण से सृजित पूंजी, निवेश एवं रोजगार पर चर्चा करते हुये रूग्ण औद्योगिक इकाईयो के संबधं में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। उपायुक्त उद्योग को निर्देशित करते हुये कहा कि स्टार्टअप हेतु आने वाले आवेदनो के निरस्त होने के कारणो का पता लगाने के लिए उप समिति बनाकर आवश्यक कार्यवाही की जाये। बैठक में मा0 प्रधानमंत्री जी के मन की बात कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा मा0 समिति को बुके व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

मा0 समिति द्वारा नगर निगम के अधिकारी को कालोनी, एसटीपी हैण्डओवर करने, बस स्टॉप के लिए जगह चिन्हित कर बस शेल्टर बनाने, नगर निगम तथा नगर पंचायत क्षेत्र में सामुदायिक भवन व अन्य सरकारी संपत्ति जो खाली है उसमें आंगनबाडी केन्द्र शिफ्ट करने के निर्देश दिये गये। परिवहन विभाग (यातायात) के अधिकारी को ब्लैक स्पोट चिन्हित करने, डग्गामार व अवैध वाहनो के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग के अंतर्गत पोषाहार से संबंधित लाभार्थी एवं उनको वितरण किये जाने वाले खाद्यान्न का विवरण संबंधित अध िाकारी द्वारा प्रस्तुत किया गया।

समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत मा0 समिति द्वारा महिलाओ के कल्याण के लिए संचालित योजनाओ के बारे में विस्तार से चर्चा की गई तथा वैश्य अनाथालय, राजकीय महिला शरणालय में निवासरत संवासिनियो को दी जा रही सुविधाओ के संबंध में जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिये गये।

इस अवसर पर मा0 सदस्य श्री विवेक कुमार वर्मा, मा0 सदस्य श्री महेश त्रिवेदी, मा0 सदस्य श्री रफीक अंसारी, मा0 सदस्य श्री गणेश चन्द्र, जिलाध िाकारी दीपक मीणा, सीडीओ नूपुर गोयल, नगर आयुक्त डा0 अमित पाल शर्मा, एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह, एसपी ट्रैफिक राघवेन्द्र मिश्रा, उपायुक्त उद्योग दीपेन्द्र कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी सुनील कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीत कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी अजित कुमार सहित अन्य संबंध ित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

ऊर्जा राज्यमंत्री डा. सोमेंद्र तोमर ने किया कचहरी डाकघर में ई–स्टांप काउंटर का उद्घाटन

ब्यूरो मेरठ। नए साल के पहले दिन कचहरी मुख्य डाकघर में ई–स्टाम्प सेवा का शुभारंभ ऊर्जा राज्य मंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ऊर्जा राज्य मंत्री डॉ. सोमेन्द्र तोमर ने ई–स्टांप सुविधा के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी तथा विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया ।इस मौक पर प्रवर अधीक्षक डाकघर मेरठ मंडल अनुराग निखारे, एडीएम वित्त एवं राजस्व सूर्यकांत त्रिपाठी, एआईजी स्टांप ज्ञानेंद्र कुमार एवं उपडाकपाल मेरठ कचहरी मुख्य डाकघर भावना शर्मा उपस्थित रही । एसएसपी डाक अनुराग निखारे ने बताया कि डाक विभाग तथा स्टॉक होल्डिंग के मध्य समझौता ज्ञापन अनुमोदित होने के उपरान्त ई–स्टांप सेवा डाक विभाग के माध्यम से ग्यारह जिलों में शुरू की गई है। जिसमे मेरठ में इस योजना को सर्वप्रथम लागू करते हुए कचहरी डाकघर में ईऊ–स्टांप काउंटर का शुभारंभ कराया गया। कहा कि डाक विभाग की पहुंच शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में है। ग्राहकों का डाक विभाग पर अटूट विश्वास बना हुआ है। ई–स्टांप सुविध ाा के लिए मेरठ कचहरी मुख्य डाकघर को चिन्हित कर सेवा आरम्भ की गई है।

मोमबत्ती से घर में लगी आग, रिटायर्ड फौजी जिंदा जला

मेरठ कंकरखेड़ा। फाजलपुर में मोमबत्ती से बिस्तर में आग लगने से रिटायर्ड फौजी के मकान में आग लग गई। मकान में सो रहे 60 वर्षीय रिटायर्ड फौजी की जिंदा जलने से मौत हो गई। लोगों को चीख पुकार सुनाई नहीं दी। पड़ोस में रह रही एक बच्ची के शोर मचाने पर मौके से गुजर रहे कुछ लोगों ने दौड़कर आग बुझाने का प्रयास किया। फायर ब्रिगेड ने घर में लगी आग को बुझाया। सूचना पर एसपी सिटी सीओ दौराला मौके पर पहुंचे।

रोहटा रोड स्थित खटीकपुरा कॉलोनी में रिटायर्ड फौजी विजय कुमार पुत्र रामलाल (60) मकान में रहते थे। आसपास के लोगों ने बताया कि वह वर्षों से यहां मकान में किराए पर रह रहे थे। रविवार सुबह से ही वह शराब पी रहे थे। घर में लाइट नहीं थी और वह मोमबत्ती से ही रोशनी कर लेते थे। रविवार रात मोमबत्ती से कंबल ने आग पकड़ ली। आग का फैलाव इतना तेज था कि विजय को बचने का मौका नहीं मिला और वह जिंदा जल गए। आग पूरे मकान में फैल गई थी। रिटायर्ड फौजी विजय कुमार ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। दमकल की गाड़ी में बामुश्किल आग पर काबू पाया। थाना प्रभारी ने बताया कि रिटायर्ड फौजी विजय कुमार मकान के पिछले हिस्से में किराए पर वर्षों से परिवार से अलग अकेले ही रह रहे थे।

देश को विकसित बनाने में सहयोग करें ग्राम प्रधान – सिक्का

मेरठ। उत्तर प्रदेश उपभोक्ता सहकारी संघ लिमिटेड चेयरमैन संजीव गोयल शसिक्काश ने ग्राम प्रध ाानों से देश के विकास में योगदान देने का आह्वान किया है। सिक्का ग्राम किनानगर स्थित पंचायत भवन में उप्र ग्राम प्रधान संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष एवं किनानगर के ग्राम प्रधान नीरज कश्यप की ओर से आयोजित कार्यक्रम में रजपुरा ब्लॉक के ग्राम प्रधानों से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 22 जनवरी को अयोध्या में होने जा रही भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर घर–घर दीपक जलाने को कहा। कहा कि यदि सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को पारदर्शिता के साथ गांवों

अवैध तमंचा व कारतूस के साथ दो अभियुक्त गिरफ्तार

हमीरपुर। पुलिस अधीक्षक हमीरपुर के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत आज थाना सिसोलर पुलिस के द्वारा एक अदद अवैध तमंचा 12 बोर व एक अदद अवैध कारतूस 12 बोर के साथ अभियुक्त राजकुमार पुत्र महेन्द्र प्रसाद निवासी बेरी रोड पारा कंडौर डांडा थान कुरारा जनपद हमीरपुर को थाना पुलिस द्वारा किशनूबाबू महाविद्यालय के पास से गिरफ्तार कर थाना स्थानीय पर मुअसं. 01ध्2024 धारा 3ध 25 आयुध अधिनियम पंजीकृत कर न्यायालय भेजा गया।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।